वर्ष 19 | अंक 170 | पृष्ठ 12
देवघर
सोमवार, 23 दिसंबर 2024
मूल्य ₹ 3/-

हिन्दी दैनिक
श्वेत पत्र
आपकी बात सच के साथ

पेज 12 : भारतीय टीम ने जिता...

www.shwetpatra.co.in
देवघर व रांची से प्रकाशित एवं पूरे झारखंड, बिहार तथा बंगाल में प्रसारित
E-mail : shwetpatra10@gmail.com

‘चिल्लई कलां’ से कांप रही घाटी, -4 पहुंचा पारा

भीषण ठंड का कहर जारी, कश्मीर में जम गए हैं झरने

एमपी-यूपी समेत कई राज्यों में बन रहे बारिश के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के उत्तरी राज्यों में तेज सर्दी का दौर जारी है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में में तापमान 0 डिग्री के नीचे बना हुआ है। हिमाचल में आज बर्फबारी का भी अलर्ट जारी किया गया है। इससे तापमान में और भी ज्यादा गिरावट हो सकती है। पंजाब-हरियाणा में भी शीतलहर के कारण तापमान में गिरावट दर्ज हुई। चंडीगढ़ में तापमान 0.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं, पंजाब के आदमपुर इलाके में पारा 1.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। पंजाब में घना कोहरा भी देखने को मिला। अमृतसर, तरनतारन, बठिंडा, लुधियाना और बरनाला में विजिबिलिटी 100 मीटर दर्ज की गई। बर्फबारी और तेज सर्दी के साथ मौसम विभाग ने कुछ राज्यों में बारिश का भी अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश के 6 जिलों आज बारिश का भी अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, मध्य प्रदेश राजस्थान में कल से बारिश होने की संभावना जताई गई है। जम्मू-कश्मीर में आज से चिल्लई कलां की शुरुआत हुई है। चिल्लई फारसी शब्द है, हिंदी में इसका मतलब ‘बहुत ज्यादा ठंड’ होता है। 40 दिन यहां काफी बर्फबारी होगी।

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र में स्वास्थ्य व्यवस्था की हालत बेहद खराब

कैग की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

मुंबई (एजेंसी)। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने महाराष्ट्र में स्वास्थ्य की लचर व्यवस्था को लेकर सरकार की कड़ी आलोचना की है। शनिवार को राज्य विधानसभा में पेश की गई रिपोर्ट में सरकार की कई विफलताओं की ओर ध्यान दिलाया गया है, जिसमें डॉक्टरों और पैरामेडिकल कर्मियों की कमी और दवाओं की अपर्याप्त आपूर्ति शामिल है। इसमें क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट लागू करने की

आवश्यकता पर भी बात की गई है। कैग ने पाया कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा संचालित सुविधाओं में डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल स्टाफ (क्रमश: 27 फीसदी, 35 फीसदी और 31 फीसदी) की भारी कमी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्वास्थ्य सेवा संस्थानों की कमी के कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य ढांचे पर अत्यधिक बोझ है, जिसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्य सेवा संस्थान सार्वजनिक स्वास्थ्य मानकों में निर्धारित मानदंडों से अधिक आबादी की सेवा करते हैं। अनुमानित आबादी को ध्यान में रखकर बदलाव जरूरी है।

राजस्थान में अब खत्म होगा वाइस प्रिंसिपल का पद

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में भजनलाल सरकार शिक्षा विभाग को लेकर बड़ा कदम उठाने जा रही है। इसके चलते अब प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में वाइस प्रिंसिपल का पद समाप्त किया जाएगा। इसको लेकर शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में यह निर्णय लिया गया है। इसके तहत अब वाइस प्रिंसिपल के पद को डाइंग कैडर बनाने पर सहमति हुई है, अभी जो वाइस प्रिंसिपल के पद पर कार्यरत शिक्षक हैं, उन्हें अब प्रमोशन दिया जाएगा, लेकिन इसके बाद इस पद पर किसी की भी नियुक्ति नहीं होगी। सरकारी विद्यालयों में वाइस प्रिंसिपल पद को समाप्त किए जाने को लेकर शिक्षक संघ लंबे समय से मांग कर रहे थे। उनका कहना है कि वाइस प्रिंसिपल पोस्ट के कारण उन्हें आर्थिक नुकसान हो रहा है। अब शिक्षक सीधे प्रिंसिपल के रुप में पदोन्नत हो पाएंगे, अभी व्याख्याता 4800 ग्रेड पे से पदोन्न होकर 5400 ग्रेड पे पर वाइस प्रिंसिपल बनते हैं।

संभल में बांके बिहारी मंदिर के बाद मिली रानी की बावड़ी

● खुदाई में दिखी सुरंग और मिलने लगे एक से एक अवशेष ● यहां 46 सालों बाद खुले कार्तिकेय महादेव मंदिर के कपाट

संभल (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के संभल में 46 सालों बाद कार्तिकेय महादेव मंदिर के जहां एक ओर कपाट खुले तो दूसरी ओर विभिन्न मंदिरों और कूपों के निकलने का सिलसिला शुरू हो गया है। संभल की तहसील चंदौसी इलाके में भी खंडहरनुमा बांके बिहारी मंदिर मिलने के बाद एक प्लॉट में बावड़ी मिली है। सनातन सेवक संघ के पदाधिकारियों की मांग के पश्चात डीएम डॉ.राजेन्द्र पैंसिया के आदेश पर एडीएम न्यायिक और तहसीलदार ने शनिवार को जेसीबी से बावड़ी की खुदाई शुरू करा दी। इस खुदाई के दौरान बावड़ी की सुरंग में दीवारें जैसे अवशेष नजर आए हैं। जानकारी के मुताबिक संभल जिले की कोतवाली चंदौसी इलाके के मोहल्ला लक्ष्मणगंज में बीते 17 दिसंबर को खंडहरनुमा प्राचीन बांके बिहारी मंदिर मिला था। सनातन सेवक संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख कौशल किशोर वंदेमातरम ने बीते शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया को एक पत्र दिया।

‘शुभ्रा रंजन आईएएस स्टडी’ पर दो लाख रुपये का जुर्माना

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा 2023 के परिणामों के संबंध में विज्ञापन में भ्रामक दावे करने के लिए ‘शुभ्रा रंजन आईएएस स्टडी’ पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने रविवार को बताया कि यह निर्णय उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा के हित में और यह सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है कि किसी भी वस्तु अथवा सेवा का कोई गलत या भ्रामक विज्ञापन न किया जाए, जिससे उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के प्रावधानों का उल्लंघन होता है। मुख्य आयुक्त निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा की अध्यक्षता वाले प्राधिकरण ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के उल्लंघन के मद्देनजर सिविल सेवा परीक्षा 2023 के संबंध में भ्रामक विज्ञापन के लिए शुभ्रा रंजन आईएएस स्टडी के खिलाफ आदेश जारी किया है। कोचिंग संस्थान और ऑनलाइन एडटेक प्लेटफॉर्म संभावित उम्मीदवारों (उपभोक्ताओं) को प्रभावित करने के लिए सफल उम्मीदवारों की तस्वीरों और नामों का उपयोग करते हैं, जबकि ऐसे उम्मीदवारों द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम या उनके द्वारा भुगतान की गई फीस और पाठ्यक्रम की अवधि का खुलासा नहीं किया जाता है।

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

प्रिय किसान भाईओं
जोहार!

श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

कोई भी राष्ट्र किसान के बिना पूरी तरह से प्रगति नहीं कर सकता। और हमारा झारखण्ड भी एक कृषि प्रधान राज्य है। आपकी कड़ी मेहनत के बदौलत आज झारखण्ड ही नहीं पूरा भारत प्रगति कर रहा है।

झारखण्ड सरकार की उपलब्धियां :-
- झारखंड राज्य दलहन उत्पादकता में भारत में ही नहीं विश्व में अव्वल है।
- मत्स्य उत्पादन में आत्मनिर्भर एवं केज कल्चर विधि से मत्स्य उत्पादन में अगुआ है।
- झारखण्ड सब्जियों के उत्पादन में भी आज आत्मनिर्भर एवं सब्जिओं का निर्यात दूसरे राज्यों में और विदेशों में भी।
- झारखण्ड राज्य सुकर उत्पादन एवं लाह उत्पादन में भी पुरे भारत में अव्वल है।
- आने वाले वर्षो हमारा राज्य मोटे अनाज के उत्पादन में, दुग्ध उत्पादन में तथा पशुधन उत्पादन में भी अव्वल स्थान पर होगा।

झारखण्ड सरकार द्वारा चलायी जा रही मुख्य कल्याणकारी योजनाएं :-
- कृषि ऋण माफी योजना
- समेकित बिरसा ग्राम सह कृषक पाठशाला
- सब्सीडी दर पर बीज वितरण
- उद्यान विकास, शीत एवं कोल्ड रूम का निर्माण
- टपक सिंचाई, तालाबों का निर्माण एवं जीर्णोद्धार
- किसान समृद्धि योजना
- FPO को सहायता अनुदान
- झारखण्ड मिलेट मिशन,
- मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना
- ग्रामीण गोदामों का निर्माण
- कृषि ऋण पर ब्याज की माफी
- दुग्ध उत्पादकों को 5 रुपए प्रति लीटर की प्रोत्साहन राशि
- मत्स्य कृषकों के लिए केज कल्चर
- Bioflock विधि से मत्स्य पालन
- मत्स्य विपणन की सुविधा
- मछली बीज वितरण इत्यादि।

आप सभी को कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग की ओर से किसान दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

आप अपने किसी भी कृषि से संबधित समस्या के समाधान के लिए मुख्यमंत्री कृषक सहायता हेल्प लाइन नंबर 0651-2490542/ 2491642 या किसान कॉल सेण्टर टोल फ्री नंबर-18001231136 कॉल करें तथा पशुधन स्वास्थ्य समस्या या पशु चलंत क्लिनिक सेवा के लिए टोल फ्री नंबर 1962 पर कॉल करें।

शिल्पी नेहा तिर्की
माननीय मंत्री
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
झारखण्ड सरकार

PR-342645 (Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department) 24-25

एक नजर

पुर्व प्रधानाध्यापक मोहन प्रसाद की मनाई गई चौथी पुण्यतिथि

अलकडीहा (एप्र)। नेशनल हाइ स्कूल जयरामपुर कोलियरी के संस्थापक और पुर्व प्रधानाध्यापक मोहन प्रसाद की चौथी पुण्यतिथि जयरामपुर कोलियरी नेशनल हाइ स्कूल में मनाई गई।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक प्रताप शर्मा और संचालन रामजी प्रसाद ने किया। कार्यक्रम में प्रताप शर्मा ने उनके जीवनी पर प्रकाश डाला, सर्वप्रथम पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिए। तदुपरांत क्षेत्र के कई गणमान्य लोग एवं समाजसेवी मेवालाल रजक ने श्रद्धा के साथ पुष्प अर्पित किए। मौके पर सभी शिक्षक एवं छात्र और छात्राओं आदि लोग मौजूद थे।

कर्मियो को बंधक बनाकर 30 मीटर केबल की लूट

महुदा (एप्र)। भाटडीह ओपी क्षेत्र में स्थित बीसीसीएल के नागदा स्थित विद्युत सबस्टेशन में अज्ञात अपराधियों के एक दल ने दो सुरक्षा प्रहरी को बंधक बनाकर 30 मीटर केबल काटकर ले गए।घटना की जानकारी कोलियरी प्रबंधक को दी गयी। उन्होंने भाटडीह ओपी को फोन पर घटना की जानकारी दी। घटना के संबंध में बंधक बीसीसीएलकर्मी गुलाम अंसारी ने बताया कि रात्रि करीब एक बजे विद्युत सब स्टेशन में 20-25 की संख्या में नकाबपोश अपराधी आए और उसे एवं अशोक तिवारी नामक कर्मी को पीछे से हाथ बांधकर नीचे लेटा दिया और बिजली घर में घुसकर लगभग 30 मीटर केबल काटकर ले गए। अपराधियों के जाने के बाद किसी तरह हाथ खोलकर कोलयरी प्रबंधन को जानकारी दी। इधर केबल कटने से मधुडीह क्वार्टर, मधुडीह एवं नागदा में विद्युत आपूर्ति बाधित हो गयी है। इस संबंध में बीसीसीएल प्रबंधन की तरफ से भाटडीह ओपी में कोई शिकायत पत्र नहीं दिया गया है।

कुशवाहा सेवा समिति ने किया वार्षिक सम्मेलन सह वनभोज का आयोजन

मिहिजाम (एप्र)। कुशवाहा सेवा समिति ने रविवार को चित्तरंजन के कर्नल सिंह पार्क में वार्षिक सम्मेलन सह वनभोज का आयोजन किया। इस वार्षिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के तौर पर अखिल भारतीय कुशवाहा महासभा के राष्ट्रीय सचिव शिव रत्न कुमार उपस्थित रहे। उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कुशवाहा समाज के लोगों को सामाजिक, शैक्षणिक एवं राजनीतिक रूप से मजबूत बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उन्हें नैतिक और व्यावसायिक शिक्षा देने की अपील की। उन्होंने कहा कि कुशवाहा के वंशज सम्राट अशोक ने विशाल साम्राज्य की स्थापना की थी। वर्तमान में भी राजनीति में कुशवाहा को सक्रिय रूप से भागीदारी निभानी चाहिए। इसके लिए शिक्षा के स्तर को मजबूत करना होगा। शिक्षा, एकता और जागरूकता से ही समाज समाज का विकास हो सकता है। इस दौरान कुशवाहा सेवा समिति चित्तरंजन के अध्यक्ष मिथिलेश कुमार, सचिव परमात्मानंद वर्मा और कार्यकारिणी के द्वारा सेवानिवृत रेलकर्मी रामप्रवेश सिंह,राजबल्लभ कुमार और मनोज कुमार मधुकर को मोमेंटो और पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। समिति के अध्यक्ष मिथिलेश कुमार ने कहा कि एकता ही हमारा विकल्प है और शिक्षा ही हमारा संकल्प है। कार्यक्रम को सचिव परमात्मानंद वर्मा, चिरेका के सहायक कार्य प्रबंधक अजित कुमार, सहायक विद्युत अभियंता सत्येंद्र मौर्या तथा आरपीएफ सब इंस्पेक्टर अमित कुमार ने भी संबोधित किया। मौके पर समिति के उप सचिव हरिशंकर महतो, संगठन सचिव अनुपलाल महतो, उप सचिव संजय कुमार, दयानंद कुमार, रामचंद्र कुमार,अरविंद कुमार, विनय वर्मा, कोषाध्यक्ष बृजेंद्र कुमार, रामनारायण सिंह, तेजस्वी सिंह, मीरा सिंह, रविंद्र सिंह,गौतम कुमार, राजीव कुमार, श्याम नंदन प्रसाद मौके पर उपस्थित थे।मंच संचालन शिक्षक विद्या सागर ने किया । इस मौके पर बच्चों तथा महिलाओं के द्वारा कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी किया।

योजनाओं की सहायता परिसंपत्ति लाभुकों में की गयी वितरित

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायामूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा, सुजित नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश तथा न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष डालसा, रांची के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकार रांची द्वारा रविवार को कानूनी सेवा-सह-सशक्तिकरण शिविर का आयोजन रांची जिला के सभी 18 ब्लॉकों में सम्पन्न हुआ जिसमें श्रम विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कौशल विकास विभाग, सामाजिक सुरक्षा विभाग, मनरेगा एवं अन्य सरकारी विभागों की लाभकारी योजनाओं की सहायता परिसंपत्ति के रूप में लाभुकों में वितरित की गयी तथा सरकार के विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी गयी। ज्ञात हो कि अनगड़ा, बेड़ो, बुण्डू, बुड़मू, ईटकी, कांके, खेलारी, मांडर, नगड़ी, नामकूम, ओरमांझी, राहे, रातू, सोनाहातू एवं तमाड़ ब्लॉक में कानूनी सेवा-सह-सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया और लाभूकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया गया। ओरमांझी ब्लॉक में जिला स्तरीय विधिक सेवा-सह-सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि मिथलेश कुमार, अपर न्यायायुक्त-6-सह-विशेष न्यायाधीश (एफटीसी) थे। उन्होंने कहा कि झारखंड पीड़ित प्रतिकर स्कीम के संबंध में विस्तृत जानकारी दिये एवं पीड़ित पुनर्वास हेतु विधिक सेवा प्राधिकार, रांची का कार्य के विषय में बताया। डालसा सचिव कमलेश बेहरा ने जागरूकता कैंप का मुआयना किया एवं उपस्थित लोगों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची से मिलनेवाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि समय-समय पर शिविर लगाकर जरूरतमंद लाभूकों को योजनाओं का लाभ दिलाया जाता है। मांडर ब्लॉक में न्यायिक दंडाधिकारी, नुमान खान ने जागरूकता कैंप का मुआयना किया तथा लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया।

कोयला उपलब्ध कराने की मांग को लेकर असंगठित मजदूरों ने किया विरोध प्रदर्शन

लोयाबाद (एप्र)। असंगठित मजदूरों के नेता मनोज सरदार ने बताया कि तेतुलमारी कोलियरी में दिसंबर महीने में 1500 टन का डीओ आया है, लेकिन कोयला की कमी के कारण असंगठित मजदूरों ने रविवार को रोड सेल को पर्याप्त कोयला उपलब्ध कराने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। मजदूरों का कहना है कि सिजुआ क्षेत्र के तेतुलमारी कोलियरी में चेन्नई राधा आउटसोर्सिंग के पेटी कांट्रेक्टर एलपीपी कंपनी के खदान में पर्याप्त कोयला है, लेकिन वे ट्रकों को कोयला नहीं दे रहे हैं। इस कारण असंगठित मजदूरों को जरूरत के समय कोयला नहीं मिल रहा। इस मुद्दे पर तेतुलमारी कोलियरी के परियोजना पदाधिकारी पंकज कुमार ने शनिवार को ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर क्षेत्रीय प्रबंधन को सूचित किया है। इसके अलावा,डंप के मजदूरों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रबंधन रोड सेल को कोयला नहीं उपलब्ध कराता है, तो वे असंगठित मजदूरों की ओर से तेतुलमारी कोलियरी को जाम करने के लिए मजबूर होंगे। इस अवसर पर कई मजदूर, जैसे फेकू मल्लाह, रामचंद्र मल्लाह और अन्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

चिरकुंडा पंचेत रोड स्थित राशन दुकान में चोरों ने 3 लाख रू नगद की चोरी की

निरसा (एप्र)। चिरकुंडा थाना अंतर्गत पंचेत रोड स्थित मनोज अग्रवाल के राशन दुकान में चोरो ने शनिवार की रात्री पीछे का दीवार काट कर दुकान के गल्ला से नगद 3 लाख रू की चोरी कर फरार हो गया। इस संबंध में अग्रवाल ने चिरकुंडा थाना में लिखित षिकायत दर्ज की है। दुकान मालिक मनोज अग्रवाल ने बताया कि शनिवार की रात्रि करीब 8 बजे दुकान बंद कर वे नेहरू रोड स्थित नगर परिषद के समीप अवस्थित अपने घर चले गए थे। रविवार सुबह जब दुकान आकर खोला तो देखा कि चोरों ने दुकान के पीछे का दीवार व एजबेस्टर तोड़ दिया गया है और अंदर प्रवेश किया तो देखा कि दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरा काट दिया है। वही बगल में स्थित लाइफ लाइन मेडिकल में लगे सीसीटीवी कैमरा के तार को भी काट दिया है। जिसके बाद घटना को अंजाम दिया गया है। भुक्तभोगी दुकानदार ने बताया कि दुकान से और कोई समान नही ले गया है दो गल्ला को तोड़कर तथा काटकर उसमे रखे 3 लाख रू नगद चोर लेकर भाग गया। सूचना मिलते ही चिरकुंडा थाना के एसआई निरंजन सिंह घटनास्थल पर पहुचे व दुकान मालिक से घटना के संबंध में जानकारी ली। उन्होने कहा कि मामले की छानबीन में पुलिस जुट गई है जल्द ही इस घटना का उद्भेदन कर दिया जाएगा।

क्रिसमस और नववर्ष को लेकर केंदुआडीह थाना में शांति समिति की हुई बैठक

लोयाबाद (एप्र)। क्रिसमस और नववर्ष को शांतिपूर्ण और सौहार्द से मनाने के लिए केंदुआडीह थाना परिसर में शांति समिति और पुलिस सहयोग समिति की एक बैठक रविवार शाम 3:30 बजे आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी व पुलिस निरीक्षक वक्कार हुसैन ने की, जबकि संचालन राम गोपाल भुवानिया ने किया। बैठक में उपस्थित सदस्यों और गणमान्य लोगों ने थाना प्रभारी को अपने क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने सिनेमा हॉल से केंद्रुआ पुल तक सीसीटीवी कैमरे लगाने और मुख्य मार्ग से अतिक्रमण हटाने पर चर्चा की। थाना प्रभारी ने इस मुद्दे पर पहल करने का आश्वासन दिया और बताया कि आगामी 25 दिसंबर को क्रिसमस और एक सप्ताह बाद 1 जनवरी को नववर्ष मनाया जाएगा, जो बहुत महत्वपूर्ण दिन हैं। उन्होंने कहा कि इसे भाईचारे और शांति के माहौल में मनाने के लिए कानून व्यवस्था का ध्यान रखना आवश्यक है। यदि किसी प्रकार की अफवाह फैलती है, तो तुरंत पुलिस प्रशासन को सूचित करने की सलाह दी गई। केंदुआडीह पुलिस 24 घंटे आपकी सेवा में तत्पर है। साथ ही, हुड़दंगियों पर भी पुलिस की पैनी नजर रहेगी, और जो भी पकड़े जाएंगे, उन्हें किसी कीमत पर छोड़ नहीं दिया जाएगा। शांति समिति की इस बैठक में चंद्रदेव यादव, फूलचंद यादव, सियाराम चौरसिया, संजय जायसवाल, राजेश गुप्ता, अनवरी खातून, रामचंद्र चौहान सहित कई लोग उपस्थित थे।

द्वितीय श्री श्याम महोत्सव का भव्य आयोजन आज

धनबाद (एप्र)। 23 दिसंबर को श्री श्याम ध्वजा यात्रा हीरापुर में द्वितीय श्री श्याम महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम हीरापुर के चिल्ड्रन पार्क में होगा, जहां 5 हजार श्रद्धालुओं के लिए बिना बाधारहित वाले पंडाल का निर्माण किया जा रहा है, साथ ही एक आकर्षक दरबार भी सजाया जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल ने बताया कि श्रद्धालु छप्पन भोग का आनंद लेते हुए भक्ति के सागर में डुबकी लगाएंगे। प्रसिद्ध भजन गायक राज पारिख और रेशमी शर्मा के साथ धनबाद के स्थानीय भजन गायक विवेक अग्रवाल भक्तों को भक्ति में मग्न करेंगे। इस कार्यक्रम में केवल धनबाद ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों और बंगाल, बिहार, राजस्थान, उड़ीसा तथा छत्तीसगढ़ जैसे अन्य राज्यों से भी श्याम भक्त शामिल होंगे। श्रद्धालुओं के लिए प्राथमिक उपचार, शौचालय और जूते-चप्पल रखने का स्टॉल आदि की व्यवस्था की जाएगी। किसी भी तरह की परेशानी से बचने के लिए पर्याप्त संख्या में वालंटियर्स तैनात रहेंगे।

भारत स्वाभिमान न्यास, पतंजलि योग समिति व मुस्कान एक प्रयास संस्था ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

धनबाद (एप्र)। भारत स्वाभिमान न्यास, पतंजलि योग समिति एवं मुस्कान एक प्रयास ने मिलकर रविवार को एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो, झारखंड चुनाव आयोग की आइकॉन श्वेता किन्नर, मधु सिंह, युवा संघर्ष मोर्चा के संयोजक और भारतीय रेडक्रॉस समिति के संयुक्त सचिव दिलीप सिंह सहित अन्य कई प्रमुख लोग मौजूद थे। इस अवसर पर एसजेएएस हॉस्पिटल धनबाद की डॉक्टरों की टीम द्वारा 61 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया, जिसमें डॉक्टर सुदीप पांडे मुख्य रूप से उपस्थित थे। भारत स्वाभिमान न्यास के जिला संयोजक मनजीत सिंह ने कहा कि धनबाद जिले में रक्त की कमी को पूरा करने के उद्देश्य से यह शिविर आयोजित किया गया, जिससे निश्चित किया जा सके कि आपातकालीन स्थिति में मरीजों को रक्त की कमी न हो। मुस्कान एक प्रयास के संस्थापक ललिता चौहान ने कहा कि निरसा के रक्तदाताओं ने इस शिविर में सक्रिय भाग लिया, जिससे धनबाद में रक्त की कमी न होने की कामना की गई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मनोज सिंह, रविंद्र प्रधान, विजय कुमार, विशाल झूलन मिश्रा, पप्पू मिश्रा, रंजीत साव, प्रकाश कुमार, तरुण अग्रवाल, बंटी सिंह, महेश कुमार, जसपाल सिंह बॉन्ड, राजू काजल बाउरी, वंदना, मो. हाशिम, नेहा कपूर, दीपक मिश्रा, गौरव रवानी, महेश मिश्रा, गौतम रवानी और रवि सिंह चौहान का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

भाजपा ने 5628 शक्ति केंद्रों पर सदस्यता अभियान का किया शुभारंभ

मजबूत भाजपा से ही मजबूत भारत का सपना होगा साकार : बाबूलाल

रांची (एप्र)। झारखंड भाजपा ने शक्ति केंद्र, पंचायत स्तर पर कैंप लगाकर भव्य तरीके से सदस्यता अभियान संगठन महापर्व का शुभारंभ किया। गांव-गांव में जनता में सदस्यता ग्रहण करने केलिए उत्साह देखा गया। पंचायत,बूथों पर लोग एकत्रित होकर सदस्यता ग्रहण करने में जुटे रहे। ऑनलाइन सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम को तकनीक रूप में सफल बनाने में युवा कार्यकर्ताओं ने बढ़चढकर सहभागिता निभाई। उद्घाटन कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी अपने क्षेत्र में गिरिडीह जिला अंतर्गत बेलवाना पंचायत के खोरों गांव में सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया। जबकि प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने रांची जिला के हरमू मंडल अंतर्गत डीएवी स्वर्णरेखा शक्तिकेंद्र में संगठनपर्व का शुभारंभ किया।

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ चुटिया में, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय गिरिडीह के पचंबा शक्ति केंद्र में,केंद्रीय मंत्री श्री मति अन्नपूर्णा देवी इचाक के चाराडीह में,प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू ओरमांझी में, डॉ प्रदीप वर्मा टाटीसिलवे मंडल के महिलौंग शक्तिकेंद्र में,मनोज कुमार सिंह मेदिनीनगर के बारालोटा शक्ति केंद्र में,राकेश प्रसाद रामगढ़ के पतरातु स्थित जयनगर शक्ति केंद्र में उपस्थित रहे। संगठन महापर्व के तहत सदस्यता अभियान का शुभारंभ करते हुए प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि जनता के सहयोग और समर्थन से ही भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है। आज भाजपा के 11 करोड़ से ज्यादा भाजपा के सदस्य हैं। श्री मरांडी ने कहा कि भाजपा की नीतियों,कार्यक्रमों पर जनता का विश्वास बढ़ा है। देश तीसरी बार मोदी सरकार बनाने में जनता ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है।

पुलिस अफसरों के बच्चों की पढ़ाई के लिए 10.3 करोड़ रु. आवंटित

रांची (एप्र)। राज्य के विभिन्न जिलों, इकाई और वाहिनी में पदस्थापित पुलिस अफसरों और उनके जवानों को बच्चों की पढ़ाई के लिए 10 करोड़ तीन लाख 81 हजार रुपये आवंटित किये गये हैं। यह राशि पुलिस मुख्यालय द्वारा झारखंड पुलिस शिक्षा कोष से दी गयी है। स्वीकृत राशि का भुगतान संबंधित पुलिस अफसरों और जवानों को संबंधित जिला के एसपी या कमांडेंट के माध्यम से किया जा सके, इसके लिए पुलिस मुख्यालय ने भारतीय स्टेट बैंक हटिया शाखा के प्रबंधक को पत्र लिखा है। ताकि, आवंटित राशि से बैंक ड्राफ्ट तैयार कर राशि का भुगतान किया जा सके।

किस जिले को कितनी राशि आवंटित

पुलिस मुख्यालय ने रांची एसएसपी को 10,34,1000 रुपये, खूंटी एसपी को 8.95 लाख रुपये, गुमला एसपी को 1,32,5000, सिमडेगा एसपी को 20.38 लाख, लोहरदगा एसपी को 14.35 लाख, सरायकेला एसपी को 14,89 लाख, चाईबासा एसपी को 20.19 लाख, एसएसपी जमशेदपुर को 57.87लाख, पलामू एसपी को 30.30 लाख, लातेहार एसपी को 19.12 लाख, गढ़वा एसपी को 19.73 लाख, रामगढ़ एसपी को 15.9 लाख, बोकारो एसपी को 27.33 लाख, धनबाद एसएसपी को 44.10 लाख, गिरिडीह एसपी को 26.17 लाख, हजारीबाग एसपी को 39.71 लाख, कोडरमा एसपी को 8.13 लाख, चतरा एसपी को 16.79 लाख, देवघर एसपी को 9.15 लाख, जामताड़ा एसपी को 12.84 लाख, दुमका एसपी को 15.26 लाख, पाकुड़ एसपी को 5.99 लाख, गोड्डा एसपी को 6.67 लाख और साहिबगंज एसपी को 14.59 लाख रुपये आवंटित किया है। इसके अलावा रेल एसपी, जैप और आइआरबी के सभी कमांडेंट, एसआइआरबी, एसटीएफ, स्पेशल ब्रांच एसपी, एसीबी रांची, सीआइडी, आइटीएस, एटीएस, वायरलेस, ट्रेनिंग सेंटर सहित अन्य 88 पुलिसकर्मियों को शेष अलग-अलग राशि आवंटित करने का निर्देश दिया गया है।

नरेंद्र मोदी मेगा हेल्थ कैंप का हुआ आयोजन, 321 मरीजों की हुई जांच

मानव सेवा से बढ़कर कोई अन्य सेवा नहीं है: आदित्य जायसवाल

रांची (एप्र)। भाजपा नेता और समाजसेवी आदित्य विक्रम जायसवाल के सौजन्य से रविवार को रातु रोड खादगढ़ा स्थित चौधरी धर्मशाला में नरेंद्र मोदी मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें 321 मरीजों का हेल्थ चेकअप कर उन्हें मुफ्त दवाइयां भी दी गई। कैंप में डॉ. सिद्धार्थ कुमार एम.सी.एच. यूरोलॉजी (एम्स) एमएस (जनरल सर्जरी), डॉ. रीमा खलखो एमबीबीएस, एमएस, पीजीडीएफएम (सीएमसी वेल्लोर), डॉ. जैमेश कुमार भगत, दंत रोग विशेषज्ञ जेके भगत, डॉ. अपूर्वा बरियार बीडीएस, डॉ. राकेश अग्रवाल, करुणा ऑर्थो एंड स्पाइन, डॉ. सतीश ऑकोलॉजिस्ट, एचसीजी, कैंसर विशेषज्ञ मेदांता अस्पताल, डॉ. अवनीश सिंह, नेत्र विशेषज्ञ आइरिस सुपरस्पेशलिटी आई केयर सेंटर, डॉ. सुधीर पांडे एवम डॉ. मधुकर आनंद फिजियोथेरेपिस्ट के साथ साथ रांची सदर अस्पताल से सिविल सर्जन की टीम शामिल थी।

मुफ्त चिकित्सा शिविर के दौरान आदित्य विक्रम जायसवाल ने कहा कि मानव सेवा से बढ़कर कोई अन्य सेवा नहीं है, सेवा ही हमारा लक्ष्य है। आज हमलोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर मेगा हेल्थ कैंप की शुरूआत की है यह बहुत ही स्पेशलाइज्ड है इसमें सभी स्तर का इलाज परामर्श दिया गया ।

उन्होंने कहा कि यह शिविर रांची में ही सीमित नहीं रहेगा बल्कि हर वार्ड में लगाए जाएंगे आवश्यकता पड़ी तो पूरे झारखंड में कैंप लगाया जाएगा। उन्होंने कहा की झारखंड को अगर सशक्त बनाना है तो यहा के लोगों को सबसे पहले स्वस्थ्य रखना होगा।

सरस खादी मेला में उमड़ा लोगों का सैलाव, जमकर लोग कर रहे खरीदारी

रांची (एप्र)। राजधानी के ऐतिहासिक मोरहाबादी मैदान में चल रहे राष्ट्रीय खादी-सरस मेले के तिसरे दिन रविवार को सुबह से ही मेला परिसर ग्राहको से गुलजार हो गया था। रविवार होने की वजह राजधानी के अलावा कई आस-पास के गांव-कस्वा से लोग मेला स्थल पर पहुंचे थे। जहां लेगों ने जमकर खरीदारी की। वहीं, लोक कलाकारों ने झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शिल्पकला का अद्भुत प्रदर्शन किया।

जहां मेला में आये लोगों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का जमकर आनंद उठाया और कलाकारों की तालियां बजा-बजा कर उत्साह वर्धन किया। मेला के इस कार्यक्रम ने राज्य के कारीगरों और उद्यमियों को एक मंच प्रदान किया, जहां उन्होंने पारंपरिक मसाले, वस्त्र, जूते, आभूषण, हस्तशिल्प, पेंटिंग्स और घरेलू सजावट जैसी विविध वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया है। झारखंड के विभिन्न जिलों के स्टॉलों पर राज्य की शिल्पकला की विविधता को प्रदर्शित किया गया। मेला में लगे स्टोल और उत्पाद ग्राहकों को खुब पसंद आ रहे हैं। वहीं बच्चे भी मेला में जमकर आंनद उठा रहे हैं।

महिलाओं को हैंडलूम साड़ियां खूब पसंद आ रही है

सरस खादी मेला में कई जगहों के लगे हैंडलूम वस्त्रों के स्टोल पर हाथ से तैयार की गई हैंडलूम साड़ियां खुब पसंद आ रही है। वहीं महिलाएं अपने पसंदिता साड़ियों की खरीदारी करते हुए। स्टोल संचालकों का हौसला भी बढ़ा रही है। स्टोल में दुमका की जादू पाटिया, हजारीबाग की हैंडलूम साड़ियां महिलाओं की पहली पसंद बनी हुई है।

झारखंड के लजीज व्यंजन बने लोगों की पहली पसंद

खाद्य पदार्थों के स्टॉलों पर लोगों ने झारखंड के लजीज व्यंजनों का स्वाद ले रहे हैं। जहां पर लोग ठंड मे गर्मा गर्म झारखंडी व्यंजनों का जायका के स्वाद के साथ मेला का भी आनंद ले रहे हैं।

दो सौ स्वयंसहायता समूह के स्टोल मेला में

खादी महोत्सव में राज्य के 24 जिलों के 200 स्वयंसहायता समूह भाग ले रहे हैं। 10 जिलों के स्वयंसहायता समूहों द्वारा लगाए गए पालश दीदी कैफे आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। जो स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देने में इस आयोजन की भूमिका को दशार्ता है। यह महोत्सव न केवल झारखंड की सांस्कृतिक विरासत का उत्सव है, बल्कि यह राज्य के स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का एक मंच भी है। इससे स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। वहीं लगातार अब लोग वोकल फोर लोकल के सामान लोगों को खुब पसंद आ रहे हैं।

एक नजर

पासी समाज ने महाराजा बिजली पासी की जयंती मनाई

बैद्यनाथधाम (निसं)। अखिल भारतीय पासी समाज के तत्वाधान में रविवार को देवघर के रांगा मोड़ में महापुरुष महाराजा बिजली पासी की

जयंती मनाई गई। अखिल भारतीय पासी समाज के जिला अध्यक्ष दिलीप चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में पासी समाज के लोगों ने महाराजा बिजली पासी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। जिला अध्यक्ष दिलीप चौधरी ने कहा कि पासी समाज के गौरवशाली इतिहास में दर्ज महापुरुषों की ऐतिहासिक उपलब्धियों से समाज को परिचित कराकर उन्हें स्वाभिमान की अनुभूति कराना है। तूफान महथा ने महाराजा बिजली पासी, महाराजा लाखन पासी, वीरांगना उदा देवी पासी, वीरा पासी, जगलाल चौधरी जैसे महापुरुषों के इतिहास को बताकर पासी समाज को इनसे निरंतर आगे बढ़ते रहने की प्रेरणा एवं संकल्प लेने बात कहीं। मौके पर अखिल भारतीय पासी समाज के युवा जिला अध्यक्ष प्रकाश महथा, तुफान महथा, अनिल महथा, सचिन्द्र महथा, ब्रह्मदेव महथा, सुनील महथा, ब्रह्मदेव चौधरी, देवीदत्त सागर, पम्मी चौधरी, रानी चौधरी, दुलारी देवी, श्रुति कुमारी, करण महथा, मोहन महथा, गौतम महथा, सुनील महथा मौजूद थे।

नगर कांग्रेस ने गृहमंत्री का पुतला फूंका

मधुपुर (निसं)। नगर कांग्रेस कमेटी ने शनिवार गृहमंत्री का डालमिया चौक पुतला दहन किया गया। कार्यक्रम में नगर कांग्रेस अध्यक्ष सैफ अहमद, सुनील दास, जिला सचिव अनिल कुमार राव, नगर सचिव राजा, उपाध्यक्ष मुशर्रफ हुसैन, इमरान अशरफी, अभिनव, कुणाल मिश्रा, यूथ कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष राजीव कुमार, मोहम्मद अजमत अली, मोहम्मद पप्पू, मोहम्मद मोबीन और अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मधुपुर आरपीएफ के सहायक उपनिरीक्षक को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार मिला

मधुपुर (निसं)। मधुपुर में कार्यरत आरपीएफ के सहायक उपनिरीक्षक उत्पल मंडल को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया है। उल्लेखनीय है कि 69 वां रेल सप्ताह समारोह 2024 का आयोजन नई दिल्ली के भारत मंडपम में हुआ था। जिसमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले आसनसोल रेल मंडल अंतर्गत मधुपुर में कार्यरत सहायक उपनिरीक्षक उत्पल मंडल को मधुपुर रेलवे स्टेशन पर ऑपरेशन जीवन सुरक्षा के तहत छह विभिन्न घटनाओं में सात रेल यात्रियों की जान बचाये जाने पर रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने मेडल एवं सम्मान सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। यह सम्मान रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सह सीईओ सतीश कुमार, रेलवे बोर्ड के सदस्य और विभिन्न जोनों और उत्पादन इकाइयों के महाप्रबंधकों की उपस्थिति में प्रदान किया गया।

केसरवानी मिलन समारोह सह शरद मेला 11 और 12 जनवरी को

देवघर (का.प्र.)। बैद्यनाथधाम केसरवानी वैश्य सभा के तत्वाधान में केसरवानी मिलन समारोह सह शरद मेला का आयोजन किया गया है। पांच जनवरी को चित्रांकन प्रतियोगिता होगी, जिसमें जूनियर और सीनियर दोनों छात्र भाग लेंगे। इसके अलावा रंगोली, निबंध प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता होगी। सारा आयोजन केसरवानी आश्रम में होगा। 11 जनवरी को केसरवानी आश्रम में महर्षि कश्यप मुनि जी की पूजा होगी। उसके बाद महर्षि कश्यप ऋषि जी की शोभा यात्रा श्री केसरवानी आश्रम से निकलकर टावर घड़ी बाजार होते हुए केसरवानी अतिथि भवन झौसगढ़ी में समाप्त होगी। इसके बाद प्रसाद का वितरण केसरवानी अतिथि भवन में किया जाएगा। 12 जनवरी को केसरवानी मिलन समारोह सह शरद मेला का आयोजन हरिओम प्लेस (ज्योति होटल के बगल) में होगा, जिसमें की समाज के 2023-2024 मैट्रिक, इंटर, ग्रेजुएशन में 70% अंक लाने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जाएगा। सरकारी नौकरी, बैंकिंग, इंजीनियरिंग, जीपीएससी, यूपीएससी समेत अन्य परीक्षाओं में सफलता होने वाले समाज के युवक-युवतियों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही समाज में उत्कृष्ट काम करने वाले सोशल वर्कर को भी सम्मानित किया जाएगा। शरद मेला में विभिन्न प्रकार के व्यंजन का लुप्त समाज के पुरुष महिलाएं बच्चे उठा सकेंगे। साथ ही साथ गेम का भी आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी बैद्यनाथधाम केशरवानी वैश्य सभा के अध्यक्ष दीपक कुमार केसरी ने दी।

10 केंद्रों पर चौकीदार बहाली की परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न

देवघर (का.प्र.)। जिले के 10 केंद्रों पर चौकीदार बहाली की परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गई। डीसी विशाल सागर ने बताया कि परीक्षा को कदाचार मुक्त एवं शांतिपूर्ण ढंग से संचालित कराने के लिए अनुमंडल पदाधिकारी-सह-अनुमण्डल दण्डाधिकारी एवं वरीय आलाधकारियों व दण्डाधिकारियों द्वारा सभी केन्द्रों का निरीक्षण किया जा रहा था, ताकि कहीं किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो। वहीं सभी केन्द्राधीक्षकों द्वारा सतर्कता बरतते हुए यह ध्यान रखा जा रहा था कि किसी भी परीक्षार्थी द्वारा परीक्षा केन्द्र में किसी प्रकार की निषिद्ध सामग्री का प्रयोग न किया जाए और न हीं किसी बाहरी व्यक्ति का परीक्षा केन्द्र में प्रवेश हो। इसके अतिरिक्त जिला प्रशासन द्वारा सभी परीक्षा केन्द्रों में प्रतिनियुक्त सुरक्षाकर्मियों एवं दण्डाधिकारियों द्वारा भी यह ध्यान रखा जा रहा था कि परीक्षा के संचालन में अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उधर, मधुपुर के पांचों केंद्रों पर कदाचार मुक्त वातावरण में चौकीदार नियुक्ति परीक्षा संपन्न हुई। लिखित परीक्षा के परिणाम के उपरांत दौड़ होगा। अनुमंडल पदाधिकारी राजीव कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सत्येंद्र प्रसाद, सीओ यामुन रविदास, बीडीओ अजय कुमार दास आदि परीक्षा केंद्रों पर विधि व्यवस्था संधारण में भ्रमणशील रहे।

देश में सर्वाधिक साइबर अपराधी देवघर में गिरफ्तार, 651 दबोचे गए

- साइबर अपराध से जुड़े 700 केस जिले में दर्ज हुए
- गिरफ्तार अरापियों के पास से 1700 सिम हुए बरामद

बैद्यनाथधाम(निसं)।

साइबर अपराध में देवघर पूरे देश में बदनाम रहा है। लेकिन जिस तेजी से यहां के अपराधी साइबर ठगी कर रहे हैं, उतनी ही तत्परता से पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर भी कर रही है। एक साल के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। 2024 में देवघर जिले में 651 साइबर अपराधी गिरफ्तार हुए हैं। पूरे देश में किसी भी जिले में इस साल इतने साइबर अपराधी गिरफ्तार नहीं हुए। यानी साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करने में देवघर पुलिस ने इस साल पूरे देश में रिकॉर्ड बनाया है। एसपी अजीत पीटर डुंगडुंग के

कार्यकाल में साइबर अपराधियों की सर्वाधिक गिरफ्तारी का रिकॉर्ड बना है। आंकड़े बताते हैं कि इस साल जिले भर में 700 साइबर क्राइम से संबंधित केस दर्ज किए गए। साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी के साथ-साथ उनसे 1700 सिम भी पुलिस ने बरामद किए। पिछले एक माह में जिले में करीब 208 ऐसे सिम जब्त हुए, जिसका कनेक्शन साइबर क्राइम से रहा है। वहीं कई संदिग्धों पर पुलिस ने निगरानी का प्रस्ताव भी भेजा है। पिछले छह माह में साइबर अपराधियों से पचास हजार कैश भी बरामद हुए हैं।

साइबर क्राइम के खिलाफ पुलिस की रणनीति

1 स्पेशल ट्रेनिंग
पिछले कुछ साल में देवघर जिले में साइबर क्राइम में बढ़ोतरी हुई है। इससे निपटने के लिए साइबर थाना तो खुला ही है, पुलिसवालों को भी विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि साइबर से जुड़े केसों का पुलिस गुणवत्ता पूर्ण तरीके से अनुसंधान करें।

2 पांच प्रखंडों में विशेष फोकस
जिले के पांच प्रखंड मधुपुर, सारठ, देवघर, सारवां सोनारायठाढ़ी में सबसे अधिक साइबर क्राइम हो रहा है। इन्हीं प्रखंडों से सबसे अधिक साइबर अपराधी भी दबोचे जा रहे हैं। इसलिए उक्त प्रखंडों में पुलिस का विशेष ध्यान है। खासकर जंगल और पहाड़, जहां साइबर अपराधी छुपते हैं।

3 700 गिरफ्तारी का लक्ष्य
एसपी ने निर्देश दिया है कि इस साल के अंतिम दिन तक 700 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करना है। इसमें 651 को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। बचे आठ दिनों में 49 साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी का लक्ष्य एसपी ने निर्धारित किया है।

जिले में साइबर अपराध को जड़ से खत्म करना देवघर पुलिस की प्राथमिकता है। इसी कड़ी में देवघर जिले की पुलिस ने इस साल पूरे देश में सबसे अधिक साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। साइबर अपराध और अपराधी के खिलाफ पुलिस का अभियान जारी रहेगा।

– अजीत पीटर डुंगडुंग, एसपी, देवघर

खपरोडीह में घुसी लोमड़ी वन विभाग ने किया रेस्क्यू

- चोटिल थी लोमड़ी, घनी आबादी में घर के बाहर बैठ गई
- स्थानीय लोगों ने वन विभाग को सूचना देकर बस्ती में बुलाया

श्वेत पत्र/देवघर (का.प्र)।

शहर के खपरोडीह मोहल्ले में रविवार सुबह में घनी आबादी के बीच लोमड़ी घुस जाने से इलाके में दहशत फैल गया। लोमड़ी चोटिल थी, इस कारण मोहल्ले की अर्पणा झा के घर के बाहर जाकर बैठ गई थी। इससे गली में रहने वाले लोग दहशत में आ गए। लोमड़ी के भय से कोई घर से बाहर नहीं निकल रहा था। खासकर बच्चों को बाहर जाने नहीं दिया जा रहा था। क्योंकि लोमड़ी बच्चों पर हमला कर सकती थी। वहीं पशुपालक भी भयभीत थे, क्योंकि लोमड़ी गाय, बकरी, मुर्गे-मुर्गियों पर हमला कर उन्हें अपना शिकार बन सकती थी। अर्पणा झा ने आबादी के बीच लोमड़ी के घुस जाने की सूचना वन विभाग को दी। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम लोमड़ी को रेस्क्यू कर वहां से ले गई।

कुत्ते के लगातार भौंकने से मिली लोमड़ी के जानकारी

अर्पणा झा ने बताया कि सुबह से ही घर के बाहर मोहल्ले के सारे कुत्ते लगातार भौंक रहे थे। पहले तो इसे अनसुना कर दी। फिर घर के बाहर आकर देखी तो सन्न रह गई। दरवाजे के बाहर ही लोमड़ी बैठी हुई थी। उसके पास जाने में भी भय लग रहा था। क्योंकि वह हमला कर सकती थी। फिर गौर से देखने के बाद पता चला कि लोमड़ी के पैर में चोट लगी है और खून निकल रहा है। इस कारण वह लंगड़ा कर चल रही है। फिर लोमड़ी को घर से रोटी लाकर दी, जिसने उसने खाया और इसी बीच वन विभाग को सूचना दी। वन कर्मी जाल और पिंजरा लेकर मोहल्ले में आए और लोमड़ी को जाल में फंसा कर अपने साथ ले गए। वनकर्मियों ने बताया कि पहले चोटिल लोमड़ी का इलाज किया जाएगा। जब वह ठीक हो जाएगी तो उसे जंगल में ले जाकर छोड़ दिया जाएगा।

पहले जहां जंगल था, अब वहां आबादी बस गई

शहर के चारों ओर पहले जंगल थे। पुनसिया, खपरोडीह, रामपुर इलाके में शाम होते ही सियार, लोमड़ी, गीदड़ की आवाज सुनाई देने लगती थी। लेकिन आज उक्त तीनों इलाका घनी आबादी वाला मोहल्ला बन गया है। इस कारण जंगली जानवरों के मोहल्ले में घुसने की घटनाएं हो रही है। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि अगर मोहल्ले में जंगली जानवर घुस आए तो उसे मारे नहीं, हमला नहीं करे, बल्कि वन विभाग को सूचना दे।

बरनवाल समाज ने सुरेश पासवान को चांदी का मुकुट पहनाकर किया सम्मानित

श्वेत पत्र/देवघर (का.प्र)। बरनवाल समाज की ओर से देवघर विधायक सुरेश पासवान का बरनवाल सेवा सदन में सम्मान किया गया। इसमें समाज की ओर से विधायक को चांदी का मुकुट बनाकर उनको सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन विधायक सुरेश पासवान, झारखंड वैश्य मोर्चा के जिला अध्यक्ष राजकुमार बरनवाल, बरनवाल युवक संघ राष्ट्रीय महामंत्री पंचानंद बरनवाल, बरनवाल युवक संघ के जिला सचिव पंकज बरनवाल एवं समाज के नन्द लाल बरनवाल ने महाराजा अहिवरण की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम में राजकुमार बरनवाल ने कहा कि सुरेश पासवान की जीत से हमारे समाज का भी मान सम्मान बढ़ा है। उम्मीद है कि विधायक भी बरनवाल समाज के हर सुख-दुख में साथ खड़े रहेंगे। पंचानंद बरनवाल ने कहा कि सुरेश पासवान की जीत बरनवाल समाज की जीत है। विधायक ने कहा कि बरनवाल समाज से सम्मान पाकर काफी आह्लादित है। उन्होंने बरनवाल समाज को आश्वस्त किया कि वे समाज के हर सुख-दुख में साथ खड़े रहेंगे। सम्मान समारोह कार्यक्रम का मंच संचालन सुधांशु शेखर बरनवाल ने किया। कार्यक्रम में बरनवाल वैश्य महासभा के केंद्रीय सदस्य ओंकार नाथ बरनवाल, राजन शशि, आदित्य बरनवाल, रॉबिन बरनवाल, मंटू बरनवाल, आशीष बरनवाल, भीम बरनवाल, विजय कुमार बरनवाल, रवि केशरी, जीवन प्रकाश, झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के प्रमंडलीय अध्यक्ष सह समाजसेवी प्रमोद चौधरी, सुरेश साह, कृष्णा बरनवाल, राजेश बरनवाल, महेश कुमार, जलेश्वर बरनवाल, दिनेश मंडल, संजय मंडल नित्यानंद केशरी, सुनील गुप्ता, गुरुदेव बरनवाल सहित समाज के सैकड़ों लोग मौजूद थे।

महिला ट्यूटर की आत्महत्या मामले में जमीन कारोबारी पर केस दर्ज

देवघर (का.प्र.)। रिखिया थाना क्षेत्र के खपरोडीह गांव स्थित एक अपार्टमेंट में महिला ट्यूटर रीता देवी की आत्महत्या मामले में पुलिस ने जमीन कारोबारी रिंकू मंडल उर्फ रितेश मंडल (रानी कोठी) व अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपी मूल रूप से चांदन, बांका का रहने वाला है। मृतका के पिता अयोध्या साव (कानन, झाझा) के आवेदन पर उक्त प्राथमिकी दर्ज की गई है। वादी का आरोप है कि आरोपी ने जमीन दिलाने के नाम पर बेटी रीता देवी से पैसे लिए। लेकिन जमीन नहीं दिलाया। इसके बाद रीता पैसे लौटाने की मांग करने लगी तो आरोपी रिंकू ने गाली-गलौज कर जान मारने की धमकी दी, जिसके बाद बेटी ने खपरोडीह स्थित आवास पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वहीं परिजनों ने बताया कि रीता का ससुराल मुंगेर के कल्याणपुर में है। पांच वर्ष पूर्व से सभी देवघर में किराए का मकान में रह रहे हैं। मृतका के पति मुंबई में टोटो चलाते हैं और महिला 12 वर्षीय बच्चे के साथ किराए के मकान में रहकर ट्यूशन पढ़ाती थी। ट्यूशन पढ़ाकर एवं पति की कमाई से देवघर में जमीन खरीदने के लिए रीता ने आरोपी को सात लाख रुपए दिये थे। लेकिन आरोपी ने जमीन नहीं दी और पैसे भी नहीं लौटा रहा था। इसे लेकर पति और ससुरालवालों से महिला को ताना सुनना पड़ता था।

बच्चों ने मनाया क्रिसमस, केक काटे

बैद्यनाथधाम(निसं)। दुखी साह रोड के संदीपनी पब्लिक स्कूल में क्रिसमस उत्सव का आयोजन किया गया। स्कूल प्रशाल को क्रिसमस की थीम पर सजाया गया था। एक कोने में बर्फ के पहाड़ पर राजा यीशु का गोहाल झोपड़े का दृश्य था तो दूसरी ओर क्रिसमस ट्री सजाया गया था। कार्यक्रम की शुरूआत यीशु भजन के साथ हुई। उसके बाद केजी क्लास के बच्चों ने बार्बी गर्ल गाने पर नृत्य का सुंदर प्रदर्शन किया। प्ले ग्रुप के बच्चों ने हरे परिधान में आई एम अ क्रिसमस ट्री गाने पर नृत्य की प्रस्तुति दी। नर्सरी के बच्चों ने भी क्रिसमस के एक अन्य गाने पर अपनी शानदार नृत्य प्रस्तुति से सबों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अन्य छोटे-छोटे बच्चे भी सांता क्लास, मदर मेरी, फादर जोसेफ और कुछ बच्चे गड़ेरिया का भेष और लड़कियां परी बन कर आई थी। सभी बच्चों ने टन टन करता, घंटी बजाता आया सांता क्लॉज गाने पर सामूहिक

प्रस्तुति दी। उसके पश्चात बड़े शांता थैली में चॉकलेट भरे बच्चों के बीच जिंगल बेल्स जिंगल बेल्स गाते हुए आए। उनके आगे आगे परियों और पीछे-पीछे छोटे शांता क्लॉज की बहार थी। शांता को देखकर बच्चे उत्साहित दिखे। प्रभु यीशु के जन्म दिवस के उपलक्ष में केक भी काटा गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शिक्षिकाएं रिया, अंजलि, अर्चना, सोनल, सुप्रीता, निशि, रचना, मीनाक्षी, विशाखा, अनु, आकांक्षा, बिंदु, वैष्णवी तथा आरती का महती योगदान रहा। प्राचार्य के मूर्ति ने सभी अभिभावकों को अपने बच्चों को अच्छे से तैयार कर भेजने के लिए आभार व्यक्त किया।

नौवीं राष्ट्रीय लॉन बॉल चैंपियनशिप में देवघर के दो खिलाड़ियों का चयन

बैद्यनाथधाम (निसं)। दिल्ली में आगामी 26 दिसंबर से 2 जनवरी 2025 तक नौवीं राष्ट्रीय लॉन बॉल चैंपियनशिप होने जा रहा है। इसमें झारखंड की 19 सदस्य टीम भाग लेगी। इस टीम में देवघर के अंडर 25 बालिका वर्ग में सोनी कुमारी और बालक वर्ग में सूरज केशरी का चयन हुआ है। टीम 23 की रात रेल मार्ग से रांची से रवाना होगी। 25 को अभ्यास करेगी, वहीं 26 से 2 तक प्रतियोगिता चलेगी। देवघर जिला लॉन बॉल संघ के सचिव कृष्ण कुमार बर्नवाल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर 38 वीं राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड के लिए चयन होगा और उत्तराखंड से सभी अंतरराष्ट्रीय खेल के लिए भारतीय टीम का गठन किया जाएगा। पिछले वर्ष राष्ट्रीय एकल महिला वर्ग में चैंपियन देवघर की छोटी कुमारी हुई थी, उसके बाद सरकार ने लॉन बॉल का डे बोर्डिंग देवघर में खोलने का निर्देश दिया जल्द ही डे बोर्डिंग शुरू होने वाला है। देवघर से इस प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में राष्ट्रीय अंपायर आशीष झा भी शामिल होंगे। इससे पहले अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खेल में भी निर्णायक की भूमिका निभा चुके है। जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष सुनील खवाड़े ने सभी को शुभकामनाएं दी है और कहा की डे बोर्डिंग खुलने से देवघर के खिलाड़ियों की राज्य टीम में भागीदारी बढ़ेगी। खिलाड़ी मेडल जीत कर आए, जिला ओलंपिक संघ उनको सम्मानित करेगी।

जिला लॉन बॉल के पदाधिकारी समेत सचिव जिला ओलंपिक संघ चन्दना झा, नवीन शर्मा, गोपा पाठक, संजय मालवीय, आजाद पाठक, वीरेंद्र सिंह, सुरेशानंद झा, मनोज मिश्र, गिरधारी यादव, संजीव झा, कौशल सिंह, विजय प्रताप सनातन, कनिष्क कश्यप, पंकज चौधरी, ज्ञान शाही, विद्या नंद, प्रीतम कुमार भारद्वाज ने शुभकामनाएं दी।

बच्चे कल के भविष्य : एसडीओ

देवघर (का.प्र.)। ब्लूमिंग बड्स स्कूल में 24वां एनुअल फंक्शन मनाया गया। देवघर एसडीओ रवि कुमार ने कार्यक्रम का उदघाटन किया। बच्चों के

बीच बहुत सारे कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए। कविता एवं कहानियों की प्रस्तुति की गई। बच्चों ने योगा, कविता, कहानी एवं नृत्य प्रस्तुत किया। एसडीओ ने कहा कि बच्चे कल के भविष्य हैं। इन्हें अभी से ही पढ़ाई के साथ खेल और अन्य रचनात्मक काम में भाग लेना चाहिए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रामसेवक गुंजन, प्रोफेसर राम नंदन सिंह, डॉक्टर रीता ठाकुर, रीता चौरसिया, विद्यालय की प्रिंसिपल शोभा बथवाल एवं सभी शिक्षक गण उपस्थित थे।

रूपाश्री मिथिला महिला मंच की नई अध्यक्ष चुनी गई

बैद्यनाथधाम (निसं)।

मिथिला महिला मंच ने अपने नए नेतृत्व कार्यकाल की घोषणा की है। यह कार्यकाल महिलाओं के सशक्तिकरण, समाज में सकारात्मकता के प्रसार और मिथिला की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देने के लिए समर्पित होगा। रूपाश्री को मंच की नई अध्यक्ष चुना गया है। उनके नेतृत्व में संगठन का उद्देश्य महिलाओं के लिए शिक्षा, कौशल विकास और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही, मंच मिथिला की परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों को संजोने और बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करेगा। मीनू चौधरी को कोषाध्यक्ष और सीमा झा को सचिव के रूप में नियुक्त किया गया है। यह नई टीम संगठन की गतिविधियों को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त समाचार

कल्पतरु दिवस पर संस्था हजारों लोगों के बीच करेगी भोजन वितरण

पाकुड़ (एप्र)। कल्पतरु दिवस को लेकर नगर स्थित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला कार्यालय में बीते शुक्रवार को देर रात सत्य सनातन संस्था की ओर से महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष रंजीत कुमार चौबे उर्फ रंजित राणा ने किया। बैठक में प्रथम जनवरी को कल्पतरु दिवस कार्यक्रम के सफतला को लेकर विचार विमर्श किया गया। संस्था के अध्यक्ष रंजीत कुमार चौबे ने कहा कि कल्पतरु दिवस पर पिछले छह वर्षों से निशुल्क भोजन प्रसाद स्वरूप वितरण करते है। इस बार कार्यक्रम को भव्य तरीके से मनाया जाएगा। शहर के थानापाड़ा स्थित हनुमान मंदिर के समीप शिविर लगाकर कल्पतरु दिवस में हजारों गरीबों को भोजन के रूप में निःशुल्क प्रसाद वितरण कराया जाएगा। इस कार्यक्रम के सफलता को लेकर सदस्यों को अलग अलग जिम्मेवारी दी गई।जिसमें से प्रमुख अमित साहा,सत्यम भगत,हर्ष भगत,सानू रजक, भारत यादव,विशाल यादव,विशाल भगत,अभिजीत कुमार को दी गई.बैठक में संगठन को मजबूत करने के लिए सदस्यों का सुझाव लिया गया। साथ इस इस सुझाव में विचार विमर्श किया गया। मौके पर ,- सागर चौधरी,सचिव -चंदन प्रकाश, सयुक्त सचिव अजय भगत, उपाध्यक्ष - गौतम कुमार, सत्यम भगत ,विशाल भगत, अमित साहा, रंजित भगत,सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पॉलिटेक्निक कॉलेज में प्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की मनाई गई जयंती

पाकुड़ (एप्र)। पॉलिटेक्निक कॉलेज में देश के प्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के जन्म दिवस पर उन्हे याद किया गया।प्राचार्य डॉ. ऋषिकेश गोस्वामी, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी निखिल चंद्रा एवं परीक्षा नियंत्रक अमित रंजन ने अन्य शिक्षकों, संस्थान के छात्रों एवं पाकुड़ जिले के विभिन्न स्कूलों से आये हुए विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर देश के प्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन जी को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें स्मरण किया। इस अवसर पर संस्थान के गणित विभाग द्वारा एकदिवसीय विविध कार्यक्रम में वैदिक गणित पर आधारित गणित क्विज, सेमीनार, वाद-विवाद एवं अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रातः 9:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक किया गया` प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पदक और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य डॉ ऋषिकेश गोस्वामी ने बताया कि गणित का हमारी रोजमर्रा की गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण है। इस दिवस को मनाने के पीछे हमारा मुख्य उद्देश्य लोगों में मानवता के विकास एवं व्यावहारिक ज्ञान के लिए गणित के महत्व के बारे में जागरूकता लाना है। गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन ने अपने लगन एवं प्रतिभा से गणित के क्षेत्र में अद्भुत खोज किए हैं। बच्चों को संबोधित करते हुए उन्होंने आगे बताया की उनके जन्मदिन को विशेष बनाने का मुख्य उद्देश्य गणित के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए हर जरूरी कोशिश करना और रामानुजन जैसे गणितीय प्रतिभाओं को पल्लवित पुष्पित होने का अवसर देना है। राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर संस्थान में अत्यंत ही ज्ञानवर्धक तथा आकर्षक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें गणित क्विज, वैदिक गणित, गणितीय मॉडल, सेमिनार एवं प्रेजेंटेशन इत्यादि प्रमुख रहे।संस्थान के निदेशक आमिया रंजन बड़ाजेना ने कार्यक्रम में ऑनलाइन जुड़कर राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर युवा पीढ़ी को गणित सीखने के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने एवं समाज के शिक्षकों को उन्हें प्रेरित तथा जागरुक करने पर जोर दिया` मुख्य प्रशासनिक पदाधिकारी निखिल चंद्रा ने बताया कि गणितीय मॉडल एवं कंप्यूटर साक्षरता के माध्यम से गणित विषय को रुचिकर बनाया जा सकता है।प्रतियोगिता के उपरांत संस्थान के प्रतिभागी छात्रों के बीच पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र वितरित किया गया।

बीएड प्रशिक्षुओं को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

पाकुड (एप्र)। बीएड कॉलेज में 90 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति रहने वाले प्रशिक्षुओं एवं मास्टर सोबरण मांझी पुस्तकालय पाकुड़ से पढ़कर जिले का नाम रौशन करने वाले छात्रों को उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने सम्मानित किया.रविवार को जिले के बीएड प्रशिक्षुओं को लेकर कार्यशाला का आयोजन रविन्द्र भवन टाउन हॉल में आयोजित किया गया। इस कार्यशाला का उद्घाटन उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया गया।पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि हमलोगों के जीवन में सबसे बड़ा सफल योगदान रहा है वह है शिक्षक। शिक्षक की भूमिका सबों के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। बच्चे राष्ट्र के धरोहर व देश के भविष्य हैं। इन्हें संवारना शिक्षकों का काम है।उपस्थित प्रशिक्षुओं को कार्यशाला के उद्देश्य और महत्व के बारे में विस्तार से बताया। आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि आपका आचरण ऐसा होना चाहिए कि बच्चों पर उसका अच्छा प्रभाव पड़े। समाज में अच्छे शिक्षकों को आज भी बहुत ज्यादा सम्मान किया जाता है। सभी प्रशिक्षु शिक्षकों को यह समझना चाहिए कि वे बच्चों को एक योग्य नागरिक के रूप में तैयार करें। उसे अपना अधिकार के साथ-साथ कर्तव्य की भी शिक्षा दें। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को समाज की विसंगतियां दूर करने के लिए आगे आना चाहिए। माता-पिता एवं गुरु का सम्मान करना बच्चे सीखें। उपायुक्त ने कहा कि एक आदर्श शिक्षक के रूप में अपने को स्थापित करें। जीवन में कभी निराश नहीं हों। सफलता एक दिन जरूर मिलेगी, ऐसा ध्येय बनाए रखे। शिक्षक को लोग हमेशा से सम्मान की दृष्टि से देखते हैं। उपायुक्त ने सभी प्रशिक्षुओं से अपील किया कि हम चाहते हैं कि ढेड महीने आप सभी जिला के विभिन्न विद्यालयों में जाकर बच्चों को शिक्षा दें। आप विद्यालय में जाकर बच्चों को ठीक से पढ़ायें। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पुरती, जिला शिक्षा अधीक्षक नयन कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभूवन कुमार सिंह एवं जिला सहकारिता पदाधिकारी चंद्रजीत खलखो, केकेएम कॉलेज पाकुड़ एवं पाकुड़ बीएड कॉलेज के प्रशिक्षुओं समेत अन्य उपस्थित थे।

डीपीएस में आयोजित सात दिवसीय वार्षिक खेलकूद का समापन

पाकुड़ (एप्र)। पब्लिक स्कूल डीपीएस में आयोजित सात दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता (स्पोर्ट्सविटा- 2024) का शनिवार को समापन किया गया। यह प्रतियोगिता 16 दिसंबर से शुरू हुआ था और 21 दिसंबर को संपन्न हुआ। जिसमें नर्सरी कक्षा से लेकर 12वीं तक के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पूरे सप्ताह अलग-अलग खेलों में बच्चों ने अपने दमखम और जोश का भरपूर प्रदर्शन किया। बच्चों के इस जुनून में उनके शिक्षकों के साथ-साथ उनके अभिभावकों की भी विद्यालय में मौजूदगी रही। वहीं अंतिम दिन विद्यालय के निदेशक अरुणेंद्र कुमार, प्रधानाचार्य जेके शर्मा, कोर मेंबर नेहा चक्रवर्ती, को-ऑर्डिनेटर सौरीश दत्ता ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम में मौजूद बच्चों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए विद्यालय के निदेशक अरुणेंद्र कुमार ने कहा कि हमारे विद्यालय में पठन-पाठन के साथ-साथ खेलों का महत्व बहुत अधिक है। हमारा उद्देश्य है कि छात्रों को ना केवल मानसिक रूप से मजबूत बनाया जाए, बल्कि उन्हें शारीरिक रूप से भी तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि स्पोर्टसोविटा-24 खेल कार्यक्रमों का उद्देश्य है कि छात्रों को टीम वर्क, अनुशासन और निष्पक्षता के मूल्यों को सिखाया जाए। प्रधानाचार्य जीके शर्मा ने अपने संबोधन में विद्यालय की उपलब्धियों के बारे में बताया। यह भी कहा कि हमारा उद्देश्य है छात्रों को उत्कृष्टता की ओर प्रेरित करते हुए उन्हें निष्पक्ष रहते हुए ईमानदारी के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। आयोजन में कई रंगारंग कार्यक्रम हुए। इनमें नन्हें-मुन्हें बच्चों के द्वारा पोमपोम के साथ प्रस्तुत ड्रिल ने सबका मन मोह लिया। बड़े बच्चों ने भी अपनी रंगारंग प्रस्तुति से कार्यक्रम में चार चांद लगाए। एक सप्ताह से चलने वाले स्पोर्टसोविटा- 24 के छठे दिन कई खेलों के अंतर सदनीय फाइनल मुकाबले हुए। जिसमें बच्चों ने पूरे जोश के साथ अपना दमखम दिखाया। लड़कों के अंतर सदनीय खो-खो मुकाबले में एडवेंचर हाउस ने चैलेंजर हाउस को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं दूसरी तरफ वॉलीबॉल के फाइनल मुकाबले में डिस्कवरी हाउस ने कांटे की टक्कर देते हुए चैलेंजर हाउस को हराकर शानदार जीत हासिल की। लड़कियों के रस्साकशी मुकाबले में डिस्कवरी हाउस ने कैलिबर हाउस को पछाड़ते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। शतरंज के कड़े मुकाबले में अंश कुमार ने डालिम शेख को मात देते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। टेबल टेनिस के लड़कों के मुकाबले में ताज मोहम्मद ने प्रथम ईशान मध्यान ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया और लड़कियों के मुकाबले में सफिया सिद्दीकी ने प्रथम स्थान और प्रेरणा कश्यप ने द्वितीय स्थान सुनिश्चित किया। समापन समारोह में सभी विजयी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को निर्वाचित रूप से संचालित करने के लिए निर्णायक मंडली और शिक्षकों का भरपूर सहयोग रहा। कार्यक्रम के अंत में अभिभावकों के लिए भी पुश अप (दंड बैठक) और म्यूजिकल चेयर का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों के माता-पिता ने बहुत ही हर्षोल्लास के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

आदिवासी छात्रों ने मनाया संताल परगना स्थापना दिवस, वीर शहीदों को किया नमन

पाकुड़ (एप्र)। केकेएम कॉलेज के आदिवासी छात्रों ने रविवार को संताल परगना स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर सिद्धो-कान्हू मुर्मू एवं चांद-भैरो मुर्मू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस दौरान छात्र नेता कमल मुर्मू ने बताया कि संताल हुल 30 जुन 1855 से साहिबगंज जिले के भोगनाडीह से शुरू हुई थी। जिसमें सिद्धो-कान्हू सहित तीस हजार से भी अधिक वीर सपूतों ने भाग लिया था। यह आंदोलन अंग्रेजों के साथ-साथ महाजन प्रथा के विरोध में भी किया गया। इसके खिलाफ जोरदार आंदोलन हुआ था। उन्होंने कहा कि संताल परगना प्रमंडल के आदिवासियों के अलावा अन्य समुदाय के लोगों ने भी अहम भूमिका निभाई थी। यहीं नहीं, इस आंदोलन में महिलाओं ने भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। पुरुषों का नेतृत्व सिद्धो-कान्हू तथा चांद-भैरो और महिलाओं का नेतृत्व फूलों-झानो कर रही थी। इस लड़ाई में कई बार नरसंहार भी हुआ। इसमें काफी लोगों की जाने चली गई। परंतु बाद मे इसका सुखदःपरिणाम देखने को मिला। इसी आंदोलन ने इतना बड़ा रूपरेखा तैयार किया कि बिहार के भागलपुर और पश्चिम बंगाल के बीरभूम के कुछ हिस्सों को मिलाकर 22 दिसंबर 1855 को संताल परगना जिला का निर्माण किया। उन्होंने कहा कि बाद में यह प्रमंडल बन गया और बनने के बाद यहां के लोगों को भविष्य में परेशानी न हो इसके लिए कई विशेष कानून बनाए गए। जिसमें संताल परगना काश्तकारी अधिनियम प्रमुख हैं। जिसके तहत आदिवासी की जमीन की खरीद या बिक्री पर रोक रहती हैं। इस कानून के तहत आदिवासियों की सभ्यता संस्कृति को भी बचाने का प्रयास किया जाता है।

हिट एंड रन मामले में आश्रितों को मिलेंगे दो लाख का मुआवजा, भरवाया आवेदन

पाकुड़ (एप्र)। जिला परिवहन विभाग की सड़क सुरक्षा कोषांग कर्मियों ने रविवार को हिट एंड रन मामले में अमड़पाड़ा पहुंच कर आश्रितों से मिलकर मुआवजा के लिए आवेदन प्रक्रिया को पूरा कराया। इस संबंध में सड़क सुरक्षा प्रबंधक रितेश कुमार सिंह, अजहद अंसारी और अमित कुमार राम ने जानकारी दिया कि अमड़ापाड़ा प्रखंड क्षेत्र में हिट एंड रन के तीन अलग-अलग घटनाओं को लेकर मुआवजा की राशि समय पर दिलाने के लिए आश्रितों के घर पहुंचे। आश्रित परिवारों से मिलकर उनसे आवेदन प्रक्रिया पूरा कराया गया। उपायुक्त मनीष कुमार के निर्देश पर सड़क सुरक्षा की टीम ने आश्रितों से मिलकर जरूरी कागजात प्राप्त किया। ताकि उन्हें समय पर मुआवजा की राशि मिल सके। यह भी बताया कि उपायुक्त ने हिट एंड रन से जुड़े जिले के सभी 9 सड़क दुर्घटना के मामलों के निष्पादन का निर्देश दिया है। उनके निर्देश के मुताबिक आश्रित परिवारों को मुआवजा दिलाने का काम शुरू कर दिया गया है। बताया कि मुआवजा की राशि 02 लाख रुपए आश्रित परिवारों के बैंक खाते में हस्तांतरित किया जाएगा।

पुलिस ने छापेमारी कर कोयला लदे दो पिकअप वैन को किया जब्त,दो व्यक्ति को किया गिरफ्तार

हिरणपुर (एप्र)। शनिवार रात पुलिस ने झरनाटोला -तोड़ाई पथ के विपतपुर निकट अवैध रूप से कोयला लदे दो पिकअप वैन को पकड़ा। वही मौके से चौकिढाप निवासी राम किशोर साहा व देवपुर के धनन्जय साहा को गिरफ्तार किया गया। वही इस अवैध कारोबार के रेकी के संदेह में एक हुंडई कार को भी जब्त किया गया। गुप्त सूचना पर थाना प्रभारी रंजन कुमार सिंह पुलिसबल के साथ विपतपुर स्थित सड़क में रात के साढ़े 12 बजे छापेमारी किया। जहां झरनाटोला की ओर से तोड़ाई ले जाते हुए कोयला लदे पिकअप वैन संख्या डब्लूबी 93 -0778 व डब्लूबी 57 सी 9282 को जांच के लिए पुलिस ने रोका। जहां तिरपाल से ढके करीब 13- 13 टन कोयला पाया गया। जो पैनम पथ से लोड कर अवैध रूप से लाया जा रहा था । जिसे सितपहाडी स्थित एक ईंट भट्ठा तक पहुंचाना था।वही मौके से दो लोगो को गिरफ्तार भी किया गया। इसमे से एक पिकअप वैन के मालिक रामकिशोर साहा भी पकड़ा गया। वही रास्ते मे रेकी के संदेह में हुंडई कार संख्या जेएच 16 ए 9315 को भी पकड़कर थाना लाया गया। इस मामले को लेकर थाना प्रभारी ने गिरफ्त में आये दोनों आरोपी से काफी देरतक पूछताछ की गई। पुलिस इस रैकेट की उद्भेदन को लेकर गहन रूप से जांच में जुटी हुई है। सम्भवत इसमें कई माफियाओ का भी नाम सामने आ सकता है। इस सम्बंध में थाना प्रभारी ने बताया कि छापेमारी कर कोयला लदे दो पिकअप वैन को पकड़ा गया है। वही मौके से दो लोगो को गिरफ्तार भी किया गया है। इस मामले को लेकर सघन जांच की जा रही है। इसमें संलिप्त लोगो के ऊपर भी करवाई करने की तैयारी की जा रही है। वही मोबाइल तकनीक से भी साक्ष्य जुटाने की प्रयास किया जा रहा है। हुंडई कार को लेकर सघन जांच की जा रही है की इस मामले में संलिप्त है कि नही। क्षेत्र में अवैध रूप से कोयला का कारोबार किसी भी हालात में चलने नही दी जाएगी। इसको लेकर छापेमारी कार्य निरन्तर जारी रहेगी।

डीईओ ने शीतकालीन अवकाश में स्कूल संचालन के आदेश को बदला, ऑनलाइन लेंगे क्लास

पाकुड़ (एप्र)। जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) अनीता पूरति ने शिक्षकों के अनुरोध पर शीतकालीन अवकाश के दौरान भी विद्यालय का संचालन जारी रखने के फरमान को बदल दिया है। अब डीईओ ने अवकाश के दौरान स्कूलों के संचालन को जारी रखने के आदेश को बदलकर होमवर्क के तहत छात्रों को ऑनलाइन क्लास कराने का आदेश दिया है। उन्होंने बाकायदा चिट्ठी जारी कर शिक्षकों को कहा है कि शीतकालीन अवकाश के दौरान शिक्षक अपने छात्रों को ऑनलाइन पढ़ाएंगे। ताकि छात्रों के बीच मैट्रिक और इंटर परीक्षा की तैयारी का माहौल बना रहे। उन्होंने कहा है कि ऑनलाइन क्लास का साक्ष्य भी रखना जरूरी होगा। ताकि भविष्य में इसकी जरूरत पड़ने पर पुष्टि हो पाए। बता दें कि डीईओ ने मैट्रिक और इंटर परीक्षा को देखते हुए 21 दिसंबर से 31 दिसंबर तक शीतकालीन अवकाश के दौरान भी स्कूल संचालक का आदेश जारी किया था। ताकि छात्रों में परीक्षा की तैयारी का माहौल बना रहे और तैयारी में किसी तरह का बाधा उत्पन्न नहीं हो। इसके पीछे मैट्रिक और इंटर की परीक्षा में बेहतर परिणाम हासिल करना मुख्य उद्देश्य है। इस आदेश को बदलने का अनुरोध लेकर झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ के बैनर तले जिले के शिक्षकों ने शनिवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पूर्ति से मिले थे। इस दौरान शिक्षकों ने अपनी समस्याओं को बताते हुए शीतकालीन अवकाश के दौरान स्कूल संचालक के आदेश को बदलने का अनुरोध किया। शिक्षकों ने बदले में ऑनलाइन क्लास कराने का सुझाव दिया। इस पर सहमति जताते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी ने स्कूल संचालक की बाध्यता को खत्म करते हुए ऑनलाइन क्लास करने का आदेश जारी किया है। इसके अलावा शिक्षकों ने जिला शिक्षा पदाधिकारी से छह अन्य मांगों पर भी चर्चा की। इनमें शिक्षकों को वेतन हर महीने 1 से 3 तारीख तक मिलने, छुट्टी के दिन कोई भी बैठक नहीं करने और बैठक होने पर क्षतिपूर्ति देय के साथ पत्र में जिक्र करने, इंक्रीमेंट समय पर देने, नव नियुक्त शिक्षकों की सेवा पुस्तिका जल्द खुलने, शिशु गणना में माध्यमिक और प्लस- टू के शिक्षकों को मुक्त रखने की मांग की गई। वहीं किसी शिक्षक के वेतन में कटौती होने पर उन्हें वेतन का भुगतान अगले महीने एरियर के रूप में देने की भी मांग की गई। मौके पर संघ के अध्यक्ष कौशर कबीर, सचिव नमिता त्रिवेदी, प्रमंडलीय सचिव विनय भगत, संयुक्त सचिव विजय कुमार भंडारी, आनंद कुमार भगत, सच्चिदा मरांडी, एंड्रियास हेंब्रम, श्रीनिवास, प्रेमचंद राम, जॉन मुर्मू, शैलेश भगत, आलमगीर आलम, अरविंद अखिलेश, हेफजुर रहमान, राधेश्याम, विजय राय, संजीव घोष, माधव तिवारी, आलोक कुमार, अमित ठाकुर, जैनुल आबेदीन आदि शिक्षक मौजूद थे।

ग्रामीणों को अधिकारों की दी गई जानकारी

पाकुड़ (एप्र)। झालसा रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेषनाथ सिंह के निर्देश पर पाकुड़ जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड के बासमती सहित अन्य ग्रामीण आदिवासी क्षेत्रों में चलाया गया। आउटरीच सह जागरूकता कार्यक्रम के तहत पीएलवी चंदन रविदास ने नशीली दवाओं का दुष्प्रभाव, बाल विवाह, बाल श्रम, डायन प्रथा, घरेलू हिंसा सहित सरकार के द्वारा चलाई जा रही जन कल्याण योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए जागरूक किया। वहीं महेशपुर प्रखंड में पैरा लीगल वॉलिंटियर्स ज्योति कुमारी ने महिलाओं को उनके कानूनी अधिकार पर प्रकाश डालते हुए किया जागरूक साथ ही सरकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किया गया। पाकुड़िया प्रखंड के डोमनगड़िया सहित ग्रामीण क्षेत्रों में पैरा लीगल वॉलिंटियर्स मलिका सरकार ने आउटरीच कार्यक्रम के तहत विधिक जानकारी दी।

प्लेसमेंट मिलने की खुशी में सीटी ट्रेनिंग सेंटर में समारोह का आयोजन

पाकुड़ (एप्र)। शहर के बैंक कॉलोनी में संचालित सीटी कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर में रविवार को छात्रों को प्लेसमेंट मिलने की खुशी में समारोह का आयोजन किया गया। आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी लुत्फल हक शामिल हुए। वहीं पूर्व बैंक अधिकारी टीपी श्रीवास्तव ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर के निदेशक हैदर अली ने मंच का संचालन किया। इस दौरान तीन छात्रों को मिले प्लेसमेंट की जानकारी दी गई। निदेशक हैदर अली ने बताया कि सीटी ट्रेनिंग सेंटर से जुड़े नसरीन परवीन, तरन्नुम खातून और सोहेल अख्तर को अलग-अलग संस्थानों में रोजगार का अवसर मिला है। इन छात्रों के प्लेसमेंट होने से अन्य छात्रों को भी हौंसला मिला है। कंप्यूटर ट्रेनिंग सेंटर के सारे शिक्षक और छात्र-छात्राएं काफी खुश हैं। निदेशक हैदर अली ने कहा कि सिटी ट्रेनिंग सेंटर में छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ उनके प्लेसमेंट का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाता है। ताकि छात्रों को रोजगार मिले और आत्मनिर्भर बने। इससे पहले भी दर्जनों छात्रों का प्लेसमेंट हुआ है। उन्होंने कहा कि पाकुड़ जिले में होनहार छात्रों की कमी नहीं है। अपने हुनर के बदौलत छात्र अपना भविष्य बना रहे हैं। लेकिन अफसोस की बात है कि यहां स्थानीय तौर पर रोजगार के अवसर का विकल्प नहीं है। इसलिए छात्रों को या तो रोजगार की तलाश में पलायन करना होता है या फिर घर में ही बेरोजगार बैठ जाना पड़ता है। इससे छात्रों को मानसिक रूप से परेशान होना पड़ता है। इसलिए सीटी ट्रेनिंग सेंटर की ओर से हमारी अपील है कि होनहार छात्रों को जिले में ही बेहतर अवसर मिले। इस दिशा में सबको प्रयास करने की जरूरत है। आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व बैंक अधिकारी टीपी श्रीवास्तव ने कहा कि लुत्फल हक जी को सामाजिक कार्यों में काफी रुचि है। मैं इनके बारे में सुनता रहता हूं। अक्सर अखबारों में भी इनके द्वारा किए जा रहे सामाजिक और नेक कार्यों की जानकारी मिलती रहती है। मैं उम्मीद करता हूं कि लुत्फल हक जी सीटी ट्रेनिंग सेंटर के छात्रों को रोजगार का अवसर दिलाने का प्रयास करेंगे। निश्चित रूप से आपके प्रयास से किसी का घर संवारेगा। आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए समाजसेवी लुत्फल हक ने कहा कि सीटी ट्रेनिंग सेंटर में आकर मुझे काफी अच्छा लगा। यहां के छात्रों में साफ तौर पर हुनर दिख रहा है। उन्होंने कहा कि सीटी ट्रेनिंग सेंटर के छात्र प्रतिभा के धनी है। मैं हर संभव छात्रों को मदद करूंगा। निश्चित रूप से सीटी ट्रेनिंग सेंटर छात्रों का भविष्य संवारने का बेहतरीन काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आगे भी उम्मीद है छात्र हित में इसी तरह काम करते रहेंगे। मैं अपने स्तर से छात्रों के उज्जवल भविष्य के लिए हर संभव सहयोग करने को तैयार हूं। आने वाले समय में मेरी कोशिश रहेगी कि यहां के छात्रों को नौकरी दिलाऊं। उन्होंने छात्रों से वायदा भी किया कि बहुत जल्द जरूरत के मुताबिक छात्रों को नौकरी का अवसर दिया जाएगा। इस पर छात्रों के चेहरे खुशी से खिल उठे। वहीं छात्रों ने समाजसेवी लुत्फल हक का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्लेसमेंट पाने वाले नसरीन परवीन, तरन्नुम खातून एवं सोहेल अख्तर को समाजसेवी लुत्फल हक एवं पूर्व बैंक अधिकारी टीपी श्रीवास्तव के हाथों प्रशस्ति पत्र दिया गया। इससे पूर्व समाजसेवी लुत्फल हक तथा पूर्व बैंक अधिकारी टीपी श्रीवास्तव का भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद समारोह में मौजूद छात्रों ने बारी-बारी से अतिथियों को अपना परिचय दिया। इस मौके पर जाने-माने पत्रकार मकसूद आलम भी मौजूद थे

एक नजर

संथाल परगना दिवस पर पी एंड डी डांस एकेडमी ने किया प्रतिभाओं का सम्मान

गोड्डा (एप्र)। संताल परगना स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर रविवार को स्थानीय पी एंड डी डांस एकेडमी द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का

आयोजन कर दुमका में आयोजित प्रमंडलीय युवा महोत्सव के समूह लोक नृत्य स्पर्धा की अपनी विजेता टीम के प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। एकेडमी के शांति नगर अवस्थित नृत्यशाला में आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि जिला कला - संस्कृति संयोजक सुरजीत झा एवं विशिष्ट अतिथि के तौर पर जाने माने कलाकार मनीष कुमार सिंह के अलावा अन्य अतिथियों में कला प्रेमी अमरेंद्र कुमार सिंह तथा रिलायबल मोटर्स के आदर्श कुमार शामिल हुए। एकेडमी द्वारा मुख्य अतिथि श्री झा एवं विशिष्ट अतिथि श्री सिंह का कला - संस्कृति के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट एवं अतुलनीय योगदान के लिए पुष्प पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं नए साल की डायरी से सम्मान किया गया। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए एकेडमी के निदेशक प्रेमचंद महतो ने बताया की उनकी चयनित टीम रविवार शाम की ट्रेन से राज्य युवा महोत्सव के लिए रांची प्रस्थान करेगी।

डीएवी पब्लिक स्कूल के निदेशक ने मनाई पिता की पुण्यतिथि

पथरगामा (एप्र)। प्रकृति के गोद में बसी माँ चिहारी पीठ, जो पथरगामा प्रखंड मुख्यालय से 2 किलोमीटर पूर्व की ओर अवस्थित है। यह क्षेत्र

बाबा हीरा दास की तपोभूमि है, साथ ही सिद्ध पीठ भी है। ब्रह्मलीन सतन महतो की समाधि है। जिसका निर्माण कार्य 2016 ई. में हुआ है। उनके ज्येष्ठ पुत्र संतोष कुमार महतो तथा अनुज नंदलाल महतो, माता प्रेरणा पाकर के द्वारा सौम्य स्वभाव के धनी स्वर्गीय सतन महतो की नवमी पुण्यतिथि आज मनाई। आज संतोष कुमार महतो ने अपने परिवार जनों के अलावे अन्य गण्यमान लोग शंभू नाथ पांडे, बलराम कुमार, इंद्रजीत तिवारी, शिवनारायण महतो, कैलाश महतो, रतन महतो, मुकेश महतो, उत्तम महतो, प्रीतम, आदर्श आनंद नैतिक आनंद, कुणाल आनंद, रिया आनंद एवं रिशु आनंद सत्य प्रकाश, सोनू, योगेंद्र सहित अन्य प्रबुद्ध जनों के द्वारा बड़े ही भाव से श्रद्धांजलि देते हुए श्रद्धा पुष्प अर्पित किया गया।

रेनबो ने दी उस्ताद जाकिर हुसैन को श्रद्धांजलि

गोड्डा (एप्र)। पद्मविभूषण तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन को स्थानीय रेनबो म्यूजिकल ग्रुप ने रविवार शाम शोक-सह-श्रद्धांजलि सभा

का आयोजन कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। सभा में शामिल रेनबो के संस्थापक अध्यक्ष सुरजीत झा, सचिव मनीष कुमार सिंह, संरक्षक अमित राय एवं दिवाकांत पाठक ने जहां उस्ताद के जीवन वृत्त एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके निधन को हिन्दुस्तान के संगीत जगत की अपूर्णनीय क्षति बताया वहीं उक्त वक्ताओं के अलावा ग्रुप के उपाध्यक्ष अखिल कुमार झा, संयुक्त सचिव ऋषितोष झा, प्रीतम झा, मुकेश भारती, रौशन कुमार साह, पियूष कुमार साह एवं संजय कुमार ने उस्ताद जाकिर हुसैन को दो मिनट की मौन श्रद्धांजलि दी।

कौड़ियां में किया गया पंचायत प्रीमियर लीग सीजन 6 का आयोजन

काठीकुंड । रविवार को काठीकुंड प्रखंड के पंदनपहाड़ी पंचायत के ग्राम कौड़िया मैदान में पंचायत प्रीमियर लीग सीजन 6 का आयोजन किया गया।

फाइनल मैच में सुपर सिक्सर और बुलेट 11 के बीच शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिसमें सुपर सिक्सर के कप्तान चंद्रदेव मंडल ने टॉस जीतकर बोलिंग करने का निर्णय लिया और बुलेट 11 को 86 रन पर रोक दिया। गोवर्धन मंडल ने 2 ओवर में 12 रन देकर 2 विकेट लिए। बुलेट 11 के सुजल चार ने भी 3 ओवर में 4 विकेट चटकाए। उसे इस हरफनमौला प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। प्रथम पुरस्कार के रूप में सुपर सिक्सर को झामुमो मीडिया प्रभारी कलीम अंसारी ने नकद 10 हजार रुपया और ट्रॉफी दिया। द्वितीय पुरस्कार बुलेट 11 सुपर स्टार को नकद 7 हजार और ट्रॉफी पंचायत समिति जयनारायण मंडल ने दिया। पूरे टूर्नामेंट में सबसे अधिक रन बुलेट 11 के प्रदीप कुमार मंडल ने 12 मैच में 253 रन बनाए और सबसे अधिक विकेट भी बुलेट 11 के खिलाड़ी सुजल चार ने 12 मैच में 31 विकेट लिए। जिसमें मुख्य रूप से शामिल मधुसूदन मंडल, डब्लू मंडल, उत्तम मंडल, राकेश दास, अकाल दे, दीपक मंडल, प्रेमनारायण मंडल, उमिलन रजवार आदि शामिल थे।

जनविरोधी नीति के खिलाफ चल रहे हस्ताक्षर अभियान को मिला जनसमर्थन

शिकारीपाड़ा एप्र। नवनिर्मित मार्केट कांप्लेक्स दुकान कमरा आवंटन में जनविरोधी नीति को देखते हुए आक्रोशित स्थानीय प्रबुद्धजीविगणों ने आज हस्ताक्षर अभियान के दूसरे दिन बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आज दूसरे दिन आदिवासी अधिकार मोर्चा के बैनर तले मार्केट कांप्लेक्स परिसर जैसे सार्वजनिक जगह पर हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।

रामकृष्ण आश्रम में मनाई गई शारदा देवी की 172 वीं जयंती

दुमका (काप्र)। रामकृष्ण आश्रम दुमका में स्वामी विश्वरूप महाराज की अध्यक्षता एवं कुशल नेतृत्व में स्वामी विवेकानंद के गुरु रामकृष्ण परमहंस के आध्यात्मिक सहधर्मिणी जगत जननी पवित्र माता शारदा देवी की 172 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर रामकृष्ण आश्रम के अनुवाईयों ने विशेष मंगला आरती, वैदिक मंत्रोच्चार, विशेष भजन कीर्तन एवं माता शारदा देवी का नाम संकीर्तन का गायन किया। मुर्शिदाबाद से आए पलाश मुखर्जी एवं बालानंद आश्रम देवघर के प्रधान पुजारी श्रवण कुमार ठाकुर तथा सहयोगी के रूप में कुमड़ाबाद के शिशिर चक्रवर्ती ने मिलकर पूजा एवं हवन कार्यक्रम संपन्न कराया। आश्रम के ऋषि श्रीकांत एवं अरिंदम ने साज सज्जा में भरपूर सहयोग किया। इस अवसर पर स्वामी विश्वरूप महराज ने एक विचारपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक प्रवचन के माध्यम से माता शारदा देवी के जीवन दर्शन एवं शिक्षाओं के बारे मे उपस्थित जनसमूह को जानकारी साझा की। स्वामी जी ने कहा कि ईश्वर की प्राप्ति ही मानव जीवन का एकमात्र उद्देश्य है स्वामी जी ने बताया कि रामकृष्ण संघ में माता शारदा देवी को श्री मां के रुप मे जाना जाता है। माता शारदा देवी जगत जननी की अवतार थी। स्वामी जी ने बताया कि पवित्र माता शारदा देवी त्याग एवं ममता की प्रतिमूर्ति थी। मां शारदा देवी का आत्म त्याग, सेवा भावना एवं एवं सभी जीवों के प्रति निश्चल स्नेह एवं ममता के साथ उनका सम्पूर्ण जीवन दर्शन हम सबके लिए अनुकरणीय है। स्वामी जी ने कहा कि माता शारदा देवी का जीवन दर्शन नक्षत्र मंडल मे चमकता हुआ ध्रुवतारा की तरह अटल जो हम सबके लिए सदा अनुकरणीय है। स्वामी जी ने उपस्थित जनसमूह को

लोककल्याण में सहभागी बनने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि रामकृष्ण आश्रम लोककल्याण एवं पुण्य कार्य के लिए हमेशा क्रियाशील है। सभी भक्त जन रामकृष्ण आश्रम को तन मन धन से सहयोग अवश्य करें। उन्होंने कहा कि विद्या दान भी महान दान है। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए वक्ता राजकुमार हिम्मत सिंह ने कहा कि संतों की महिमा भगवान से भी बड़ा है। सत्संग से अध्यात्म एवं ज्ञान रूपी अमृत फल प्रप्त होता है क्योंकि सत्संग में अध्यात्म एवं ज्ञान का अमृत वर्षा होती है। कहा कि धन की तीन गति होती है। धन को भोगिए, दान कीजिए नहीं तो अंत मे धन का नाश हो जायेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में विपिन, श्रीकांत, ऋषि, पार्थ सारथी सेन, अरिनंदम, बाबू सेन, शिबू बाबू के अलावे कुल्टी के भक्त समूह की मुख्य भूमिका रही।

फरीद बने 53 नेशनल सीनियर हैंडबॉल टूर्नामेंट के टेक्निकल पदाधिकारी

दुमका (एप्र)। दुमका के जाने-माने कोच और कई राष्ट्रीय एवं राज्य खेलों में टेक्निकल पदाधिकारी के भूमिका निभाने वाले इस बार 53 सीनियर नेशनल हैंडबॉल टूनार्मेंट जो कि केरल के कोट्टायम डिस्टिक में होने वाला है वहां पर सीनियर ऑफिशल की भूमिका निभाएंगे। इससे पहले फरीद खान ने कई नेशनल गेम और यूनिवर्सिटी गेम में ऑफिशल की भूमिका निभा चुके हैं, हाल ही में फरीद खान को झारखंड खेल रत्न अवार्ड से सम्मानित भी किया गया है। फरीद खान दुमका के कई बच्चों को निःशुल्क प्रशिक्षण देते आ रहे हैं जिससे बच्चे राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपना बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। दुमका में फरीद खान की भूमिका अहम मानी जाती है यहां के बच्चों के लिए फरीद खान ने निःशुल्क प्रशिक्षण केंद्र खोला है, जिसमें बच्चे जाकर सुबह शाम प्रैक्टिस करते हैं। फरीद खान के इस भूमिका के लिए एसकेएमयू के पूर्व सपोर्ट डायरेक्टर समस्त तबरेज खान ने बधाई दिया है। दुमका हैंडबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीपतो मुखर्जी, संत जेवियर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर वर्गीश पल्ली ने उन्हें बधाई देते हुए उनके आगे आने वाले अच्छे भविष्य की कामना की।

सांगा ने मनाया गया संथाल परगना स्थापना दिवस

जरमुंडी एप्र। जरमुंडी ब्लॉक मैदान में संथाल आदिवासी नावा गादेल आखाड़ा (सांगा) के बैनर तले संथाल परगना स्थापना दिवस सह

भाषा विजय दिवस वीर सिदो कान्हू एवं फूलो झानों के फोटो पर माल्यार्पण कर मनाया गया। सांगा के सक्रिय सदस्य देवीलाल मरांडी ने कहा कि हमारे वीरों के बलिदान के फलस्वरूप हमें संथाल परगना भूभाग प्राप्त हुआ, इसे संजोने की जिम्मेदारी हमें उठानी पड़ेगी। आज के आदिवासी युवा पीढ़ी मार्गदर्शन के अभाव में दिग्भ्रमित होते जा रहे हैं, इसे मार्गदर्शन देने की जरूरत है। रसिक टुडू ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति और भाषा को संजोए रखना है, युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आप ही समाज और देश के भविष्य हैं। हमारे समाज को आपसे बहुत अपेक्षा है। आनंद हांसदा ने कहा कि हम आदिवासियों को विभिन्न क्षेत्रों में हुनर सीखने की आवश्यकता है, ताकि हम रोजगार पाकर वित्तीय रूप से मजबूत हो सकें। इग्नासियुस मुर्मू ने गुणवत्ता शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि आधुनिक युग में गुणवत्ता शिक्षा का होना बहुत जरूरी है ताकि हम अपने हक अधिकारों को जानकर अपने जल जंगल जमीन की रक्षा कर सकें। राकेश कुमार मरांडी ने सांगा का विस्तारीकरण पर जोर देते हुए कहा कि हम संगठित होकर ही लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। मौके पर शेखर टुडू, राजीव किस्कू, रामबाबू बास्की, बाबुशल किस्कू, महेश मुर्मू, नायके हांसदा, मंगल सोरेन, लालू बास्की, कालेश्वर मरांडी, हेमलाल सोरेन, एनथोनी मरांडी, शिवलाल सोरेन, आनंद हांसदा, हिमांशु हांसदा, मेरुलाल टुडू, समुएल मरांडी, मंशु मरांडी, दिलीप किस्कू, सुरेश मरांडी, गीता हेमब्रम आदि मौजूद रहे।

गोड्डा प्रीमियर लीग मैच के ग्यारहवें सीजन का उपायुक्त ने किया शुभारंभ

- **खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उपायुक्त ने सभी को दी शुभकामनाएं**

गोड्डा (एप्र)। रविवार को जिला क्रिकेट संघ, गोड्डा के तत्वावधान में आयोजित गोड्डा प्रीमियर लीग (जीपीएल) के ग्यारहवें सीजन का शुभारंभ जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त जिशान कमर के द्वारा गुब्बारा उड़ाकर एवं बल्लेबाजी कर किया गया। इससे पूर्व उपायुक्त ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया एवं सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। वहीं जिला क्रिकेट संघ के सचिव रंजन कुमार के द्वारा उपायुक्त को बुके देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आपको अपना लक्ष्य निर्धारित करते हुए अपनी सफलता के लिए संकल्प लेना होगा। वहीं अपना संकल्प पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी, तभी आप सफलता हासिल कर सकते है। उन्होंने कहा कि आगे बढ़ने में संसाधन का अभाव मायने नहीं रखता है। आप अपने लक्ष्य के लिए कितनी मेहनत करते हैं, यह मायने रखता है। जिंदगी में आप अनुशासित रहते हैं, तो अवश्य सफल होंगे।

इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी बैद्यनाथ उरांव ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल आवश्यक है। खेल से मानसिक तथा शारीरिक दोनों ही विकास होता है। खेल से आपका स्वास्थ्य भी बेहतर रहता है स्वस्थ शरीर में स्वस्थ तन का निवास होता है। उन्होंने खिलाड़ियों को अपने खेल में निखार लाने के लिए सदैव अपने खेल पर ध्यान देने को कहा। उल्लेखनीय है कि जीपीएल-11 में कुल 6 टीमें गोड्डा ब्लास्टर, गोड्डा टाइगर, एसआर के म्यूजिक मुंबई, गोड्डा रॉयल्स, एस टी ब्रदर्स, नंदन वॉरियर्स भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर जिला क्रिकेट संघ के सचिव श्री रंजन कुमार, क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष अमित बोस, डॉ0 मौसम ठाकुर, मोहम्मद किरमान अंसारी, संजीव कुमार, सनोज कुमार, मुकेश मंडल, राजीव भंडारी सहित अन्य सदस्य एवं दर्शकगण मौजूद थे।

हूल फाउंडेशन के सहयोग से युवा महोत्सव झारखंड के लिए टीम रवाना

- **23 दिसम्बर को रांची में झारखंड युवा महोत्सव में संथाल परगना का करेंगे प्रतिनिधित्व**

गोड्डा (एप्र)। 23 दिसम्बर को रांची में आयोजित झारखंड युवा महोत्सव के लिए संथाल परगना की विजेता टीम को गोड्डा रेलवे स्टेशन से रवाना किया गया। उक्त आशय की जानकारी हूल फाउंडेशन के कार्यवाहक पदधारी किशोर कुमार महतो ने दी। उन्होंने बताया कि पी एंड डी डांस ऐकडमी के आग्रह पर फाउंडेशन के संस्थापक निदेशक संजीव कुमार महतो व चंद्रशेखर मंडल ने 12 सदस्य प्रतिभागी मंडल के रांची जाने आने का सहयोग हेतु फाउंडेशन को अनुशंसा किया था। अनुशंसा अनुसार पी एंड डी डांस ऐकडमी के प्रबंधक प्रेमचंद महतो के देख रेख में सांस्कृतिक दल को रांची रवाना किया गया। फाउंडेशन द्वारा बताया गया कि झारखंड राज्य स्तर पर युवा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसके

तहत पिछले दिनों दुमका में संथाल परगना स्तरीय युवा महोत्सव में सास्कृतिक दल की प्रतियोगिता हुआ था जिसमें पी एंड डी डांस ऐकडमी गोड्डा द्वारा जीत दर्ज की गई और राज्य स्तरीय कार्यक्रम झारखंड युवा महोत्सव के लिए इनका चयन हुआ है जो संथाल परगना का प्रतिनिधित्व करेंगे। गोड्डा से 12 सदस्य दल में पी एंड डी डांस ऐकडमी के संयोजक प्रेमचंद महतो के अगुवाई में नंदनी कुमारी, श्रद्धा कुमारी, जूली कुमारी, काजल कुमारी, प्रितम दास, शशिभूषण टुडू, सियाराम मड़ैया, राजकुमार महतो, बिनोद कुमार दास, आशिष मालतो, दीपक टुडू संथाल परगना से प्रतिनिधित्व को चयनित हुए हैं जिन्हें हूल फाउंडेशन के द्वारा सहयोग कर रांची भेजा गया। मौके पर विदाई के लिए हूल फाउंडेशन के देवेंद्र कुमार महतो, पवन झा, ठाकुर शिवेंद्र सिंह व किशोर कुमार महतो रेलवे स्टेशन गोड्डा में मौजूद रहे और प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ देकर विदा किया।

विजय बाबू को दी गई भावभीनी श्रद्धांजली

दुमका (काप्र)।

जिला खेलकूद संघ दुमका के तत्वावधान में विभिन्न खेलकूद संघ के अभिभावक, वरीय अधिवक्ता, प्रख्यात समाजसेवी, राजनीति सहित अन्य अनेक क्षेत्रों में सिद्दत से अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज रखने वाले विराट व्यक्तित्व के स्वामी स्व. विजय कुमार सिंह के निधन पर दुमका के इंडोर स्टेडियम परिसर में एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। श्रद्धांजलि सभा में विभिन्न खेलकूद संघ के प्रतिनिधियों सहित समाज के विविध क्षेत्रों से जुड़े ख्यातिप्राप्त लोगों ने उनके निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इससे पूर्व उपस्थित लोगों ने स्व. सिंह के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए समाज के लिए इसे अपूरणीय क्षति बताया। इस अवसर पर जिला खेलकूद संघ के सचिव उमाशंकर चौबे, जिला एथलेटिक संघ के सचिव वरुण कुमार, जिला बास्केटबॉल संघ के अमित कुमार, जिला वालीबाल संघ के सचिव मुकेश कुमार, तीरंदाजी संघ के देवीधन टुडू, कैरम संघ के विकास कुमार झा, कबड्डी संघ के हैदर हुसैन, कुश्ती संघ के संदीप कुमार जय, शिक्षक मदन कुमार, साहिय्यकार विद्यापति झा, समाजसेवी प्रेम केसरी, लायंस क्लब के मनोज कुमार घोष, चैंबर ऑफ कॉमर्स के मुस्ताक अली, समाजसेवी मिथिलेश झा, व्याख्याता सिद्धोर हेंब्रम, दैनिक हिंदुस्तान के ब्यूरो चीफ सुमन सिंह, दैनिक जागरण के ब्यूरो चीफ राजीव रंजन तथा डा. सत्यम ने अपने उद्बोधन के माध्यम से स्व. विजय कुमार सिंह के साथ बिताये गये क्षणों को याद कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर खेलकूद संघ के निमायकांत झा, मनीष कुमार, दाउद अली, समाजसेवी श्याम सुंदर सिंह,राधेश्याम वर्मा, प्रदीप मिश्रा आदि ने भी स्व. विजय बाबू को श्रद्धांजलि अर्पित किया।

संताल परगना के सर्वांगीण विकास के लिए क्रासकंट्री दौड का आयोजन

दुमका (काप्र)। 169 वें संथाल परगना स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को दुमका के अंबेडकर चौक से पुरुष, महिला एवं मास्टर्स के लिए क्रॉसकंट्री दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पुरुषों के लिए यह प्रतियोगिता 12 किलोमीटर की थी जबकि महिला एवं मास्टर्स के लिए 6 किलोमीटर थी। पुरुष वर्ग में ब्रेन्टियस मरांडी, टोनाय मुर्मू सुनील टुडू, सतीश मुर्मू अभिषेक कुमार, सोकोल किस्कू, आशीष हेंब्रम, रामचंद्र मुर्मू और मुकेश हांसदा तथा महिला वर्ग में दीपिका कुमारी, बिजोली हेंब्रम, शांत्री हेंब्रम, सुहागिन हेंब्रम, सुनीता सोरेन, प्रिया हेंब्रम,अश्विनी मरांडी,पुष्पलता हांसदा और सुमित्रा मुर्मू क्रमशः पहले से दसवें स्थान पर रही। मास्टर्स के लिए आयोजित दौड में सतीश चौरसिया, राजीव रंजन तथा जयराम सिंह क्रमशः पहले से तीसरे स्थान पर रहे।

विजेताओं को मुख्य अतिथि जामा विधानसभा की विधायक डॉ. लुईस मरांडी, डॉ. सुशील मरांडी, जिला खेलकूद संघ के सचिव उमाशंकर चौबे, जिला एथलेटिक संघ के सचिव वरुण कुमार, जिला खेलकूद संघ के संयुक्त सचिव निमायकांत झा, कबड्डी संघ के हैदर हुसैन, गबालियल हांसदा, शिक्षक मदन कुमार, अरविंद साह, इमामी मुर्मू, मुखोदी सोरेन, सनातन मुर्मू, सुलेमान मरांडी, फादर जान फेलिक्स, फादर सुलेमान, ई. जे सोरेन, मनीष किस्कू, रामचंद्र लाल मरांडी, विजय सिंह, मंतोष कुमार सिंह आदि ने नकद एवं प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर हूल आंदोलन के संबंध में डा सुशील मरांडी द्वारा क्वीज प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। जिसमें सिदो, कान्हू, चांद भैरव, फूलो और झानू के बारे में विभिन्न तरह के प्रश्न पूछकर न सिर्फ उनके बारे में जानकारी ली गई बल्कि समाज के बेहतरी के लिए उनके दिये गये बलिदान को भी सदा याद रखने की नसीहत दी गई। इस अवसर पर खेलकूद संघ के सदस्यों सहित बडी तादाद में खिलाड़ी और दर्शक मौजूद थे।

सुभाषितम्

बड़ा सोचे, जल्दी सोचे, आगे सोचे विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है। - धीरूभाई अंबानी

एक देश एक चुनाव का संवैधानिक प्रावधान, आसान नहीं एक साथ चुनाव

भारत के संवैधानिक, लोकतांत्रिक ढांचे में लोकसभा और विधानसभा चुनावों का समय निर्धारित करना आसान नहीं है। 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ था। 1952 में पहली बार लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ हुए थे। चूंकि 1952 में ही लोकसभा और विधानसभा का जन्म हुआ अतः चुनावी भी एक साथ हो गए थे। पिछले 75 वर्षों में राज्यों में और केंद्र में कई बार ऐसे अवसर आए जिसके कारण मध्यावधि चुनाव कराने पड़े। इस कारण अलग-अलग समय पर लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव होने लगे। हाल ही में प्रस्तावित विधेयक में राज्यों और केंद्र के चुनावों को एक साथ कराने की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। जो देश की राजनीति में एक बड़ा बदलाव ला सकता है। इसके कई पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श की आवश्यकता है। यह न केवल चुनाव प्रक्रिया बल्कि विभिन्न राज्यों के विधानसभाओं के कार्यकाल को और विधायकों के कार्यकाल को भी प्रभावित करेगा। विधेयक के अनुसार, लोकसभा चुनाव के बाद राष्ट्रपति द्वारा अधिसूचना जारी की जाएगी। जिसे नियत तारीख माना जाएगा। यह तारीख अगले चुनावों के लिए आधार बनेगी। इसका प्रभाव यह होगा, कि जिन राज्यों में चुनाव नियत तारीख के करीब होंगे, उनके विधानसभा के कार्यकाल में कटौती करनी पड़ेगी। जैसे कि पंजाब, मणिपुर, गुजरात, और हिमाचल प्रदेश की विधानसभाओं का कार्यकाल 2027 तक सीमित हो सकता है। जिसके कारण उक्त राज्यों के संवैधानिक अधिकारों और संघीय ढांचे को चुनौती देने जैसा हो सकता है। इस संशोधन से राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना जैसे राज्यों के लिए भी असमंजस की स्थिति पैदा होगी। जहां चुनाव लोकसभा चुनाव के ठीक पहले होते हैं। यदि इन राज्यों के कार्यकाल को छोटा या बड़ा किया जाता है, तो यह राजनीतिक अस्थिरता का कारण बन सकता है। इसके अलावा, राज्यों की विकास योजनाओं और राजनीतिक रूप से इसका विपरीत असर हो सकता है। एक साथ चुनाव से खर्च कम होगा यह तर्क दिया जा रहा है। मतदान की प्रक्रिया अधिक सुगम होगी। नई व्यवस्था से चुनावी राजनीति का केंद्रीकरण होगा। केंद्र एवं राज्य सरकारें विकास कार्यों पर अधिक ध्यान दे सकेंगी। एक साथ चुनाव कराने की यह दलील दी जा रही है। लेकिन, यह ध्यान रखना आवश्यक है, कि भारत में संघीय गणराज्य है। विभिन्न राज्यों की संवैधानिक स्वायत्तता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। राज्यों में राजनीतिक कारणों से यदि राज्य सरकारें अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाते हैं। ऐसी स्थिति में 6 माह के अंदर जो चुनाव कराए जाएंगे वह अल्पकालिक होंगे। उसके कारण भी जो वर्तमान की स्थिति है वह भविष्य में भी बनी रहेगी। एक साथ चुनाव कराने का जो दावा किया जा रहा है, उस समय यह निरर्थक साबित होगा। ऐसी स्थिति में राज्य इस मुद्दे पर सहमत होंगे या नहीं यह भी बड़ा सवाल है। संविधान में संशोधन करना है तो इसमें राज्यों की भी सहमति आवश्यक होगी।

संविधान विशेषज्ञ पीडीटी आचार्य और अन्य विशेषज्ञों ने सही कहा है, कि यह विधेयक राज्यों के अधिकारों और संघीय ढांचे पर विपरीत प्रभाव डाल सकता है। इस स्थिति में, विधेयक को संसद में पास करने से पहले सभी राज्यों, राजनीतिक दलों और संवैधानिक रूप से जो हितधारक हैं, उनकी सहमति जरूरी होगी, तभी संसद में यह संशोधन किया जा सकता है। यह जरूरी है, लोकतंत्र की जड़ें अधिक मजबूत हों। कोई भी बदलाव संविधान और संघीय ढांचे की भावना को कमजोर करने वाला ना हो। चुनाव सुधार आवश्यक हैं, चुनाव सुधार का क्रियान्वयन संवैधानिक संतुलन, राजनीतिक, आर्थिक एवं सामाजिक रूप से जिसे केंद्र एवं राज्य स्वीकार करें। उसके परिणाम जनता के हित में हों। राजनीतिक फायदे के लिए इस तरह के संविधान संशोधन आगे चलकर देश की संघीय व्यवस्था को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर सकते हैं।

चिंतन-मनन

अपने अंदर रहना ही ध्यान

जब हम दुखी होते हैं तो लगता है समय बहुत लम्बा है। जब प्रसन्न होते हैं तो समय का अनुभव नहीं होता है। तो प्रसन्नता या आनन्द क्या है? यह हमारी स्वयं की आत्मा है। यही आत्मतत्व शिव तत्व है या शिव का सिद्धांत है। प्रायः हम जब भगवान की बात करते हैं तो प्रत्येक व्यक्ति तुरन्त ऊपर की ओर देखता है। पर ऊपर कुछ नहीं है। प्रत्येक वस्तु हमारे अन्दर है। अन्दर की तरफ देखना या अपने अन्दर रहना ही ध्यान है। जब तुम अपने किसी नजदीकी व्यक्ति, अपने मित्र या किसी अन्य की तरफ देखते हो तो तुम्हें क्या लगता है? तुम्हारे अन्दर कुछ-कुछ होता है। तुम्हें ऐसा अनुभव होता है कि कोई नई ऊर्जा तुम्हारे अन्दर से होकर प्रवाहित हो रही है। उन महान क्षणों को पकड़ो। यह वही महान क्षण हैं, जो समयशून्य क्षण होते हैं। ईश्वर ने तुमको दुनिया में सभी छोटे-मोटे सुख व आनन्द दिया है, लेकिन चरम आनन्द अपने पास रखा है। उस चरम आनन्द को प्राप्त करने के लिए तुम्हें उस ईश्वर और केवल ईश्वर के पास ही जाना होगा। अपने प्रयासों में निष्ठा रखो। जब तुम इस चरम आनन्द को प्राप्त करते हो तो बाकी प्रत्येक वस्तुएं आनन्दमय हो जाती हैं। ईश्वर को अच्छा समय दो, इससे तुम पुरस्कृत होगे। यदि तुम्हारी प्रार्थना स्वीकार नहीं होती तो इसका मतलब है कि तुमने ईश्वर को अच्छा समय नहीं दिया है। सत्संग और ध्यान को अपनी सबसे ऊंची प्राथमिकता दो। भगवान को सबसे महत्त्वपूर्ण समय दो। इसका तुम्हें अवश्य ही अच्छा पुरस्कार मिलेगा। जब तुम भगवान से कोई वरदान प्राप्त करने की शीघ्रता में नहीं हो तब तुम्हें यह अनुभव होगा कि भगवान तुम्हारा है। सजगता या अभ्यास द्वारा तुम इसी बिन्दु पर पहुंच सकते हो।

चीर के जमीन को मैं उम्मीद बोता हूँ, मैं किसान हूँ

निमिषा सिंह

आज का मेरा यह लेख बदलते मौसम जीवन और मृत्यु के चक्र और प्रकृति के खिलाफ निरंतर संघर्ष को झेलने वाले हमारे उन गुमनाम नायकों को समर्पित है जिनकी खुशियाँ सरल हैं -अच्छा मानसून भरपूर फसल और अपने बच्चों के चेहरे पर मुस्कान हालांकि उनके दुख गहरे हैं - बंजर खेत और बढ़ता कर्ज। राष्ट्रीय किसान दिवस यानी एक ऐसे राजनीतिक व्यक्तित्व की जयंती का दिन जिन्होंने भारतीय राजनीति के जाने कितने ही बड़े संवैधानिक पदों पर रहकर ये दिखा गया कि कतार में खड़े आखिरी व्यक्ति के जीवन में कैसै बदलाव लाया जा सकता है। जी हां मैं बात कर रही हूं किसानों के मसीहा कहे जाने वाले भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जिन्होंने 1979 से 1980 तक के अपने कार्यकाल के दौरान ना केवल किसानों की स्थिति में सुधार लाने का प्रयास किया बल्कि देश की कृषि नीतियों को आकार देने में बेहद अहम भूमिका निभाई और कई कल्याणकारी कार्यक्रम विकसित किए। भारत की ग्रामीण आबादी का अधिकांश हिस्सा जो देश के सकल घरेलू उत्पाद का 20% हिस्सा है अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है जो कि आबादी का लगभग 50% है लिहाजा दसवीं भारतीय सरकार ने कृषि उद्योग और किसानों के कल्याण में चौधरी चरण ३ल्लँ ी योगदान का सम्मान करने के लिए 2001 में उनकी जयंती को किसान दिवस के रूप में नामित करने का फैसला किया। 23 दिसंबर 1902 को गाजियाबाद (पश्चिम उत्तर प्रदेश) के नूरपूर गांव में जन्मे चौधरी चरण सिंह बचपन से ही क्रांतिकारी स्वभाव के रहे हैं। बचपन से ही देश के लिए कुछ करने की ललक रखने वाले चरण सिंह अपने अक्खंड़ रवैये और सिद्धांतों से समझौता न करने के लिए मशहूर थे। कांग्रेस में ही रहते हुए उन्होंनने नेहरू के विचारों, योजनाओं और उनकी संकल्पंनाओं को गलत कहने का साहस दिखाया। उनकी शिक्षा सरकारी उच्च विद्यालय और विश्वविद्यालय मेरठ से पूरी हुई। उन्होंने विज्ञान स्नातक कला स्नातकोत्तर और विधि स्नातक की पढ़ाई की थी। कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में पूर्ण स्वराज का प्रस्ताव पारित हुआ जिससे प्रभावित होकर युवा चौधरी चरण सिंह राजनीति में सक्रिय हो गए। उन्होंने गाजियाबाद में कांग्रेस कमेटी का गठन किया। 1930 में जब महात्मा गांधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन का आह्वान किया तो उन्होंने हिंडन नदी पर नमक बनाने के प्रयास के क्रम में उन्हे जेल भी जाना पड़ा। 1937 में छपरौली (उत्तर प्रदेश) विधानसभा के लिए चुने गए एवं 1946, 1952, 1962 एवं 1967 में विधानसभा में अपने निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। उनके निर्देशन में ऋण मोचन विधेयक 1939 का मसौदा तैयार किया गया और उसे पूरा किया गया। इस विधेयक का उद्देश्य ग्रामीण आबादी को साहूकारों से बचाना था। 1946 में पंडित गोविंद बल्लभ पंत की सरकार में वह संसदीय सचिव बने और राजस्व, चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य, न्याय, सूचना इत्यादि विभिन्न विभागों में कार्य किया। जून 1951 में उन्हें राज्य के कैबिनेट मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया एवं न्याय तथा सूचना विभागों का प्रभार दिया गया। ०एक जुलाई1952 को यूपी में उनके बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ। यकीनन उनके द्वारा तैयार किया गया जमींदारी उन्मूलन विधेयक राज्य के कल्याणकारी सिद्धांत पर आधारित था। उन्होंने न केवल लेखापाल के पद का सृजन किया बल्कि किसानों के हित में उन्होंने 1954 में उत्तर प्रदेश भूमि संरक्षण कानून को भी पारित कराया। बाद में 1954 में वे डॉ. सम्पूर्णानन्द के मंत्रिमंडल में राजस्व एवं कृषि मंत्री बने। अप्रैल 1959 में जब उन्होंने पद से इस्तीफा दिया, उस समय उन्होंने राजस्व एवं परिवहन विभाग का प्रभार संभाला हुआ था। श्री सी.बी. गुप्ता के मंत्रालय में वे गृह एवं कृषि मंत्री थे। 1960 में भूमि जोत अधिनियम लाने में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी जिसका उद्देश्य भूमि जोत की अधिकतम सीमा को कम करके उसे पूरे राज्य में एक समान बनाना था। श्रीमती सुचेता कृपलानी के मंत्रालय में वे कृषि एवं वन मंत्री (1962-63) रहे। उन्होंने 1965 में कृषि विभाग छोड़ दिया एवं 1966 में स्थानीय स्वशासन विभाग का प्रभार संभाल लिया। कांग्रेस विभाजन के बाद फरवरी 1970 में दूसरी बार वे कांग्रेस पार्टी के समर्थन से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने हालांकि राज्य में 2 अक्टूबर 1970 को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था। निसंदेह एक कठोर कार्यपालक के रूप में ख्याति अर्जित करने वाले चौधरी चरण सिंह प्रशासन में अकुशलता भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करते थे। 28 जुलाई 1979 विषम परिस्थितियों में चौधरी चरण सिंह के सिर पर प्रधानमंत्री का ताज सजा। मगर यह ताज कांटों भरा था। सदन में बहुमत साबित करने के दौरान इंदिरा गांधी ने अपना समर्थन वापस ले लिया और उनकी सरकार गिर गई। मजह 23 दिनों तक प्रधानमंत्री के पद पर काबिज रहे चौधरी चरण सिंह संसद का मुंह नहीं देख पाए। चौधरी चरण सिंह को 20 अगस्त 1979 को अपना इस्तीफा देना पड़ा लेकिन 14 जनवरी 1980 तक कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहे। वह सामाजिक न्याय में दृढ़ विश्वास रखते थे और लाखों किसानों के बीच उनका विश्वास कायम था। समाज में हाशिए पर पड़े लोगों के सशक्तिकरण के लिए किए गए उनके अथक प्रयास को याद करते हुए फरवरी 2024 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने की घोषणा की गयी। सादा जीवन उच्च विचार वाले चौधरी चरण सिंह ने अपने खाली समय में कई किताबें एवं पुस्तिकाएं भी लिखी जिसमें ह्यजमींदारी उन्मूलनह्ण, ह्यभारत की गरीबी और उसका समाधानह्ण, ह्यकिसानों की भूसंपत्ति या किसानों के लिए भूमि, ह्यप्रिवेंशन ऑफ डिवीजन ऑफ होल्डिंग्स बिलो ए सर्टेन मिनिममह्ण, ह्यको-ऑपरेटिव फार्मिंग एक्स-रयेद्ह्ण आदि प्रमुख हैं। यकीनन आज राष्ट्रीय किसान दिवस के मौके पर देश भर में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों की योजना बनाई गई होगी जिनमें कार्यक्रम, वाद-विवाद, सेमिनार, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, चचाएं, कार्यशालाएं, प्रदर्शनियां और समारोह शामिल होंगे पर क्या इन सभी आयोजनों से हमारे किसान भाइयों के जीवन शैली में कुछ परिवर्तन आएगा। अत्यंत दुखद है कि नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चरल एंड रूरल डेवलपमेंट (ठअइअफ्ऊ) की एक रिपोर्ट में किसान परिवारों की आय के बारे में चौकाने वाले खुलासे किए गए हैं। इसमें बताया गया है कि 2021-22 में प्रति किसान परिवार सभी स्रोतों से औसत मासिक कमाई स़िर्फ 13,661 रुपये है। किसान फिर सड़क पर है और एक बार फिर किसान की आय और एमएसपी की कानूनी गारंटी पर बहस छिड़ चुकी है। किसानों पर बढ़ता कर्ज उपज का सही दाम ।ना मिलना,बिजली के बढ़ते बिल आदि उनके प्रमुख मुद्दे हैं लेकिन किसानों की प्रमुख मांगें पूरी होना तो दूर उनकी हालत और खराब होती जा रही है। यकीनन जरूरत एक ऐसे माहौल की जिसमें किसानों में प्रगतिशील सोच विकसित हो और वे अपनी फसलों पर ऊँचा मुनाफा पा सकें।

संसद की गरिमा का दांव पर लगना चिन्ताजनक

ललित गर्ग

संविधान-निमार्ता भीमराव आंबेडकर को लेकर भारतीय संसद में जो दृश्य पिछले कुछ दिनों में देखने को मिले हैं, वे न केवल शर्मसार करने वाले है बल्कि संसदीय गरिमा को धुंधलाने वाले हैं। अंबेडकर को लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने हैं। दोनों पक्षों ने गुरुवार को संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान हाथापाई भी हुई जिसमें भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत घायल हो गए। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों को चेतावनी देते हुए कहा कि सभी को नियमों का पालन करना पड़ेगा। संसद की मयार्दा और गरिमा सुनिश्चित करना सबकी जिम्मेदारी है। भारतीय संसद के प्रांगण में जिस तरह की अशोभनीय एवं त्रासद स्थिति का उत्पन्न हुई है, वे हर लिहाज से दुखद, विडम्बनापूर्ण और निंदनीय है। आरोप-प्रत्यारोप की वजह से परिवेश ऐसा बन गया है, मानो सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच शुद्ध शत्रुता, द्वेष, नफरत की स्थितियां उग्रतर हो गई हो। और तो और, धक्का-मुक्की, दुर्व्यवहार जैसे आरोपों को लेकर पुलिस में मामला दर्ज होना वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है। इन दुखद एवं अशालीन स्थितियों का उपचार न किया गया, तो संसद में काफी कुछ अप्रिय एवं अशोभनीय होने की आशंकाएं बलशाली होगी।

कहना न होगा कि देश की संसद लोकतंत्र के वैचारिक शिखर और देश की संप्रभुता को रेखांकित करने वाला शिखर संस्थान है। इसलिए इसकी गरिमा बनाए रखना सभी सांसदों का मूल कर्तव्य बन जाता है। इसके लिए जनप्रतिनिधियों से यह अपेक्षा होती है कि वे संसद की गरिमा को भंग न करे, अपना आचरण शुद्ध, शालीन एवं व्यवस्थित रखेंगे और व्यर्थ की बयानबाजी, धक्का-मुक्की, दुर्व्यवहार की जगह सार्थक बहस की संभावनाओं को उजागर करें। भारत की परंपरा कहती है कि वह सभा, सभा नहीं, जिसमें शालीनता एवं मयार्दा न हो। वह संसद संसद नहीं, जो लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा न करें। वह धर्म, धर्म नहीं, जिसमें सत्य न हो। वह सत्य, सत्य नहीं जो कपटपूर्ण हो। आज संसद में सांसदों का व्यवहार शर्म की पराकाष्ठा तक पहुंच गया है। पूरे देश की जनता ने बड़ा भरोसा जताते हुए अपने प्रतिनिधियों को चुनकर लोकसभा में भेजा है, ताकि वे सांसद के रूप में देश की भलाई के लिए नीति एवं नियम बनाएं, उसे लागू कराएं और जनजीवन को सुरक्षित तथा खुशहाल बनाते हुए देश का विकास करें। संसद की सदस्यता की शपथ लेते समय सांसदगण इन सब बातों को ध्यान में रखने की कसम भी खाते हैं, लेकिन उनकी कसम बेबुनियाद ही होते हुए संसद की मयार्दाओं को आहत कर रही है। बीते कुछ समय से धरना-प्रदर्शन के साथ सड़क पर राजनीतिक दमखम दिखाने वाले नजारे संसद के दोनों सदनों में भी दिखने लगे हैं। भौतिक रूप से छीना-झपटी और हाथापाई की नौबत भी दिखती रही है और विचाराधीन विषय से दूर एक-दूसरे को हीन साबित करना ही उद्देश्य बन गया है।

संसद का मूल्यवान समय बर्बाद हो रहा है, यह इससे स्पष्ट होता है कि पहली लोकसभा में हर साल 135 दिन बैठकें आयोजित हुई थीं। आज स्थिति कितनी नाजुक हो गई है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि पिछली लोकसभा में हर साल औसतन 55 दिन ही बैठकें आयोजित हुईं। नयी लोकसभा की स्थिति तो और भी दुखद एवं दयनीय है। संसद में काम न होना, बार-बार संसदीय अवरोध होना तो त्रासद है ही, लेकिन धक्का-मुक्की तक नौबत पहुंचना ज्यादा चिन्ताजनक है। कोई भी दल हो, किसी भी दल के सांसद हो, उन्हें यह संदेश देने की जरूरत है कि संसद ऐसे किसी संघर्ष का अखाड़ा नहीं है। संसद और संविधान, दोनों ही सांसदों से उच्च गरिमा एवं मयार्दाओं की अपेक्षा करते हैं। संसद देश की आवाजों और दलीलों का मंच है, यह किसी भी प्रकार की शारीरिक जोर-आजमाइश का मंच न बने, इसी में देश की भलाई है, लोकतंत्र की अक्षुण्णता है। सार्थक और उत्पादक संवाद के लिए हर सांसद को संविधान का ज्ञान, संसदीय परंपराओं की जानकारी एवं उनके प्रति प्रतिबद्धता भी होनी चाहिए। दुर्भाग्य से बहुत कम सांसद ही इस ओर ध्यान देते हैं। मुखर प्रवक्ता के रूप में विपक्ष के कई सांसद अक्सर बेलगाम, फूहड एवं स्तरहीन आरोप-प्रत्यारोप दर्ज कराने में जुट जाते हैं। आधी-अधूरी सूचनाओं या गलत जानकारी के साथ विपक्ष के नेता सरकारी पक्ष को आरोपित करने में जुट जाते हैं, बयानों तो तोड़मरोड़ का प्रस्तुत करते हैं। निश्चित ही विपक्ष लगातार अपनी जिम्मेदारी से विमुख होता दिख रहा है। वह सरकार को घेरने और आरोपित करने के उद्देश्य से संसद के कार्य में अक्सर व्यवधान डालता है। लगता है विपक्ष का मकसद यही हो गया है कि संसद की कार्यवाही सुचारु रूप से न चल सके और सरकार की विफलता दर्ज हो। इस तरह की विपक्ष की बौखलाहट का बड़ा कारण भाजपा की लगातार चमत्कारी जीत है। सांसदों को समग्रता में सोचना चाहिए कि अगर संसद जोर आजमाइश एवं हिंसा का अखाड़ा होकर बात एफआईआर की राजनीति तक बढ़ेगी, तो संसद का संचालन जटिल से जटिलतर होता जायेगा। संसद में तनाव कोई नई बात नहीं है। तनाव और तल्खी का इतिहास रहा है, पर बहुत कम अवसर ऐसे आए हैं, जब शारीरिक बल का दुरुपयोग देखा गया है। संसद भवन के प्रांगण में ही नहीं, बल्कि देश में कहीं भी सांसदों को ऐसे आमने-सामने नहीं आना चाहिए, जैसे गुरुवार को देश ने देखा है। संसद भवन के प्रांगण में जगह-जगह कैमरे लगे हैं। उन कैमरों की मदद से कम से कम यह तो सुनिश्चित करना चाहिए कि दोषी कौन है? दुध का दुध एवं पानी का पानी हो और सच सामने आये। सच की जीत हो और झूठ नैस्तनाबूद हो। अगर किसी सांसद के सिर में चोट लगी है, तो यह वैसे भी गंभीर मसला है। भाजपा सांसद सारंगी ने यही बताया है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की वजह से एक व्यक्ति उनसे टकराया और वह गिर गए। ऐसा ही आरोप कांग्रेस ने भी लगाया है। पक्ष-विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप लगेंगे, पर ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि सच सामने आए। यदि सच सामने न आए, तो कम से कम सभी सांसद ऐसी स्थिति फिर न बनने दें, इसके लिये संकल्पित हो। शीतकालीन सत्र में आंबेडकर के नाम पर संसद के भीतर-बाहर जो कुछ हो रहा है, उससे यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल संसद की गरिमा से जानबूझकर खिलवाड़ करने पर तूले है।

बहनें लाड़ली हैं तो भाई लाडले क्यों नहीं?

राकेश अचल

मध्यप्रदेश में शुरू हुई लाड़ली बहना योजना और उससे मिलती जुलती महतारी योजनाओं ने भाजपा और झारखण्ड मुक्ति मोर्चा को सत्ता तक पहुंचा दिया ,लेकिन दुर्भाग्य देखिये कि किसी भी चुनाव में बहनों की तरह भाइयों को किसी भी राजनीतिक दल ने लाडला नहीं माना। लाड़ली या लाडला का मतलब होता है प्रिय। बुंदेली में इसे हिजगरा कहते हैं। मध्यप्रदेश में मप्र लोकसेवा आयोग के खिलाफ आंदोलन कर रहे युवकों ने कहा है की उन्हें भी बहनों की तरह सरकार लाडला माने और भत्ता नहीं रोजगार दे। संसद के मकर द्वार पर धक्का-मुक्की की सर्खियों में मप्र के युवाओं का आंदोलन कहीं दबकर रह गया। आपको बता दें कि इंदौर में मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के खिलाफ छात्रों का धरना प्रदर्शन चार दिन से जारी है। छात्र अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आयोग के मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। चौथे दिन प्रदर्शन के दौरान छात्राओं ने मातम मनाया और कहा कि आज लाड़ली बहना अपनी किस्मत पर रो रही हैं। हम भी लाड़ली बहना हैं लेकिन हमें महीने के 1250 रुपए नहीं, बल्कि एक अच्छी नौकरी चाहिए। कड़ाके की सर्दी में आंदोलनरत छात्र-छात्राओं की मुख्य माँगें 87/13 फॉमूर्ला लागू कर सभी परिणाम सौ प्रतिशत जारी करने। 2019 की मुख्य परीक्षा की कॉपियां दिखने और मार्कशीट जारी करने की है। छात्र 2023 राज्य सेवा मुख्य परीक्षा का परिणाम तुरंत जारी करने और एमपीपीएससी 2025 के लिए राज्य सेवा में 700 और वन सेवा में 100 पदों के साथ नोटिफिकेशन जारी करने की भी मांग कर रहे है। मप्र के छात्र भर्ती प्रक्रिया में सुधार, छत्तीसगढ़ लोकसेवा आयोग की तरह मुख्य परीक्षा की कॉपियां जांचने की मांग भी कर रहे हैं कर रहे हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इंदौर में रहते हुए इन छात्र-छात्रों से मिलने से इंकार कर दिया। आपको बता दें की मप्र सरकार ने लाड़ली बहना योजना के लिए इसी साल के पूरक बजट में 450 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। लाड़ली बहन योजना के चलते मप्र में भाजपा सरकार 2023 के विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से जीती। इसी योजना को लागू कर महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने 2024 में विधानसभा का चुनाव प्रचंड बहुमत से जीता और इसी योजना की नकल ने झारखण्ड में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा को विधानसभा का चुनाव जितवा दिया। झारखण्ड में इस योजना का नाम महतारी योजना है। यानि सरकारें इस तरह की योजनाओं से महिलाओं को वोट बैंक में तब्दील कर चुनाव तो जीत रहीं है लेकिन इन्हीं बहनों के पतियों और बच्चों को रोजगार के लिए कोई सरकार तैयार नहीं है। नौकरी के लिए परीक्षाएं देकर नतीजों का इन्तजार लाड़ली बहनों के पतियों और बच्चों को आंदोलन के लिए मजबूर कर रही है।

मप्र में लाड़ली बहनों को 1250 रुपए ,महाराष्ट्र में 2100 रुपए और झारखण्ड में 3000 रुपए प्रति माह दिए जा रहे हैं। इस तरह की योजना दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने भी इसी तरह की योजना बनाई है। ये योजना फ्रीबिज के तहत आती है। लाड़ली बहना योजना के जनक मप्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान हैं।

आज का राशिफल

मेष आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपके भाग्य में वृद्धि होने से मन प्रसन्न रहेगा।

तुला आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपका नुकसान कम होगा।

वृषभ आज आर्थिक लाभ होगा और आपको संतान की सफलता से यश और हर्ष प्राप्त होगा।

वृश्चिक लाभ होने की संभावना है। आप नौकरी करते हैं तो आपके पद और अधिकार में वृद्धि होगी।

मिथुन आज करियर के मामले में लाभ होगा और आपका दिन तरक्की से भरा होगा।

धनु आपका दिन ज्ञान से भरा होगा। आप अपनी बुद्धि और विवेक से नई खोज कर पाने में सक्षम होंगे।

कर्क समस्याओं का अंत होगा। निर्णय लेने की क्षमता का लाभ होगा। अधिक तीखा भोजन न करें।

मकर आज दिन उत्साह से भरा रहेगा किन्तु ऐसे अनावश्यक खर्चे सामने आएंगे।

सिंह आज लाभ होगा और यदि आप व्यापारी हैं तो आपके व्यापार में कुछ खास परिवर्तन हो सकते हैं।

कुंभ आज लाभ होगा और कोई भी फैसला जल्दी में लेना आपके लिए भारी पड़ सकता है।

कन्या आपके अधिकारों में वृद्धि होगी। अधिकारों में वृद्धि के साथ साथ उत्तरदायित्व भी बढ़ेंगे।

मीन जवाबी से हर जगह सफलता प्राप्त कर सकते हैं पैतृक संपत्ति से लाभ भी मिलने के योग बन रहे हैं।

विशेष

यूनुस तो ट्रूडो से भी नकले आगे...

बांग्लादेश के हालात शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से लगातार बद से बदतर होते जा रहे हैं। मोहम्मद यूनुस की अगुवाई में बनी अंतरिम सरकार भी स्थिति को संभालने में नाकाम साबित हो रही है। ऐसे में भारत के लिए भी परेशानियां बढ़ गई हैं। खासतौर पर तब जबकि कनाडा के जस्टिन ट्रूडो भारत के खिलाफ जहर उगल रहे हैं, ऐसे में बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों और मंदिरों पर हमले होना वाकई चिंता का विषय बना है। ऐसे में ट्रूडो से अब मोहम्मद यूनुस की सरकार दो कदम और आगे निकल गई है। दरअसल यूनुस ने भारत पर एक सनसनीखेज आरोप लगाया और कहा, कि बांग्लादेश में शेख हसीना के शासन के दौरान जबरन गायब करने की घटनाओं में भारत का हाथ रहा है। खास बात यह है कि इसके कोई सुबूत नहीं हैं, जैसे कि कनाडा मामले में बिना सबूत मामले को तूल दिया जा रहा था, अब वही काम यूनुस ने करना शुरू कर दिया है।

बढ़ता आयात-घटता निर्यात, व्यापार घाटे से सरकार की चिंता बढ़ी

2024 केंद्र सरकार के लिए कहीं से भी अच्छी खबर लाने वाला नहीं है। कहां 400 पार जाने की बात भाजपा के नेता कर रहे थे। कहां 240 में संतोष करना पड़ा। डॉलर के मुकाबले रुपया गिरता ही जा रहा है। मनमोहन सरकार के समय डालर 57 का था। अब मोदी सरकार में 85 का हो गया है। आयात बढ़ता जा रहा है। निर्यात घटता जा रहा है। व्यापार घाटा बढ़ रहा है। जिसके कारण विदेशी मुद्रा का संकट भारत में खड़ा हो रहा है। हर दांव भाजपा और सरकार का उल्टा पड़ रहा है। भाजपा को समझ ही नहीं आ रहा है, कि यह क्या हो रहा है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1465 अहमदनगर, बीदर, बीजापुर और गोलकुंडा की संयुक्त फौजों ने विजयनगर के विरुपाख द्वितीय को पराजित किया. 1832 एंटवर्थ पर फ्रांस के कब्जे के बाद हालैंड ने बेल्जियम की स्वतंत्रता को मान्यता दी. 1972 वायसराय लार्ड हार्डिंग हाथी पर सवार होकर दिल्ली में घुसे लेकिन बम विस्फोट में घायल हो गए. 1926 स्वामी श्रद्धानंद की हत्या हुई. 1929 लार्ड इर्विन ने गांधी जी का अपने निवास पर स्वागत किया. 1948 जापान के पूर्व प्रधानमंत्री हिदेकी तोजो और छह अन्य लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया. 1968 भारत का पहला मौसम संबंधी राकेट मेनका प्रक्षेपित किया गया. 1969 चांद से लाए गए पत्थर को प्रदर्शनी में रखा गया. 1972 मानागुवा में भूकंप से दस हजार से अधिक लोग मारे गए. 1993 प्रत्येक सांसद को अपने क्षेत्र में एक करोड़ की विकास योजनाओं के अधिकार देने की घोषणा. 2003 महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री छगन भुजबल ने त्यागपत्र दिया.

दैनिक पंचांग

23 दिसम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

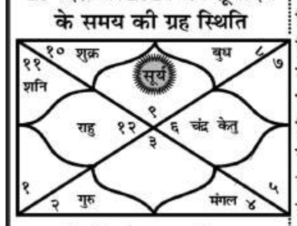

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	मकर	08.14 बजे से
चंद्र	कन्या में	कुंभ	10.01 बजे से
मंगल	कर्क में	मीन	11.34 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मेष	13.04 बजे से
गुरु	वृष में	वृष	14.44 बजे से
शुक्र	मकर में	मिथुन	16.42 बजे से
शनि	कुंभ में	कर्क	18.56 बजे से
राहु	मीन में	सिंह	21.12 बजे से
केतु	कन्या में	कन्या	23.24 बजे से
राहुकाल		तुला	01.34 बजे से
7.30 से 9.00		वृश्चिक	03.49 ब.से
बजे तक		धनु	06.05 बजे से

सोमवार 2024 वर्ष का 358 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** हेमन्त। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** अष्टमी 17.08 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 09.09 बजे को समाप्त। **योग** सौभाग्य 19.54 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 17.08 बजे तदनन्तर तैतिल 06.31 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.7 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 23° 26' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872202 **जूलियन दिन** 2460667.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जमादि उस्सानी **तारीख** 20 **विशेष** रुक्मिणी अष्टमी, किसान दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

धूमधाम से मनाया गया 69वां संथाल परगना स्थापना दिवस

संथाल परगना और इसकी भाषा-संस्कृति हमारी पहचान : रवींद्रनाथ

जामताड़ा (एप्र)। झारखंड के जामताड़ा जिले में 169वां संथाल परगना स्थापना दिवस और 22वां संथाली भाषा दिवस बड़े ही धूमधाम और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। यह ऐतिहासिक अवसर इंडिया गठबंधन और विभिन्न सामाजिक संगठनों के संयुक्त प्रयास से आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो रहे, जिनका पारंपरिक आदिवासी नृत्य और रीति-रिवाजों के साथ भव्य स्वागत किया गया। आयोजन की शुरूआत एक भव्य रैली से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने हिस्सा लिया। रैली गांधी मैदान पहुंची, जहां सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनकी ऐतिहासिक योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न वक्ताओं ने संथाल परगना की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित करने और नई पीढ़ी को इसके महत्व से अवगत कराने की आवश्यकता पर जोर

दिया। विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने कहा कि संथाल परगना और इसकी भाषा-संस्कृति हमारी पहचान है। हमें इसे संजोकर रखना होगा और इसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना होगा। इस अवसर पर संथाली भाषा और आदिवासी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। स्थानीय कलाकारों ने पारंपरिक गीत, नृत्य और नाटकों की प्रस्तुतियां दीं, जो संथाल परगना के गौरवशाली इतिहास और आदिवासी जीवन के विविध पहलुओं को दशार्ते थे। 22वें संथाली भाषा दिवस के अवसर पर वक्ताओं ने इस भाषा की समृद्धि और साहित्यिक योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने इसे वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के प्रयासों को तेज करने की अपील की। यह कार्यक्रम न केवल ऐतिहासिक धरोहर को याद करने का माध्यम बना, बल्कि आदिवासी समाज की एकजुटता और उनके अधिकारों की आवाज को बुलंद करने का अवसर भी बना। आयोजन में विभिन्न समुदायों के लोगों ने मिलकर अपनी सांस्कृतिक जड़ों का जश्न मनाया और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन एक सांस्कृतिक जुलूस और संथाली गीतों के सामूहिक प्रदर्शन के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने संथाल परगना की विरासत को आगे बढ़ाने और इसे संरक्षित रखने की शपथ ली। मौके पर अशोक मंडल, रवींद्रनाथ दुबे, प्रदीप मंडल, इम्तियाज अंसारी,सगीर खान इमरान अंसारी, किशोर रवानी, प्रोफेसर कैलाश साव, रवींद्रनाथ दुबे, प्रदीप मंडल, इम्तियाज अंसारी, सगीर खान इमरान अंसारी, किशोर रवानी, प्रोफेसर कैलाश साव आदि उपस्थित थे।

यज्ञ के सफल संचालन हेतु किया गया समिति का गठन

नारायणपुर (एप्र)। प्रखंड के दक्षिणीडीह ग्राम में आयोजित नौ दिवसीय मारुतिनंदन रुद्र महायज्ञ के सफल संचालन को लेकर दक्षिणीडीह ग्राम स्थित यज्ञ मैदान में दक्षिणीडीह के अलावा विभिन्न ग्राम के ग्रामीणों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रवीण कुमार चौधरी ने की। इस अवसर पर मुख्य रूप से यज्ञ समिति के अध्यक्ष चमेली देवी उपस्थित थी। बैठक में यज्ञ के सफल संचालन को लेकर विचार विमर्श किया गया एवं आगे की रणनीति पर चर्चा की गई। यज्ञ के आयोजन को लेकर बैठक में सर्वसम्मति से यज्ञ संचालन समिति का गठन किया गया, जिसमें 51 लोगों को इसका सदस्य बनाया गया। गठित संचालन समिति में गिरिजा मिश्रा, प्रवीण चौधरी, मनमोहन सिंह, रामकिशोर यादव, चेतन मरांडी, भूदेव नारायण सिंह, गुलाब सिंह, संजय राय, नरेश मंडल, साबिर अहमद, जयराम रवानी एवं मृत्युंजय ओझा आदि शामिल हैं। मौके पर यज्ञ समिति के अध्यक्ष चमेली देवी ने संचालन समिति के सभी सदस्यों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया और उन्हें अपने दायित्वों का निर्वहन सही ढंग से करने का निर्देश दिया गया। चमेली देवी ने कहा कि संचालन समिति का गठन हो जाने से यज्ञ के संचालन एवं रूपरेखा को लेकर काफी सुविधा होगी एवं यज्ञ का आयोजन भव्य रूप से किया जा सकेगा। कहा कि आगामी 29 दिसंबर को पुनः एक बैठक आयोजित की जाएगी एवं यज्ञ के सफल संचालन को लेकर विचार विमर्श किया जाएगा। यह भी तय किया जाएगा की किस प्रकार लोगों का सहयोग प्राप्त किया जा सके । 15 जनवरी के बाद से सहयोग को लेकर ग्राम भ्रमण किया जाएगा। मौके पर हरिहर सिंह, प्रदीप चौधरी, पप्पू सिंह, संदीप सिंह,जय किशोर, मुरली सिंह, रामदेव सिंह, दिलीप सिंह, सुधीर राय, कुणाल किशोर, सचिदानंद सिंह, परगण यादव, रंजीत यादव आदि उपस्थित थे।

एक नजर

साजिश के तहत संताल परगाना का नाम मिटाने का चल रहा प्रयास : सुनील

जामताड़ा (एप्र)। माझी परगाना सरदार महासभा जिला जामताड़ा की ओर से स्थानीय पाटोदिया धर्मशाला में 169 वां संताल परगाना स्थापना दिवस एवं 22 वां संताली भाषा विजय दिवस समारोह आयोजित की गई। समारोह की अध्यक्षता माझी परगाना सरदार महासभा के जामताड़ा जिला अध्यक्ष सुनील कुमार हांसदा ने किया जबकि समारोह का संचालन संताली मासिक पत्रिका दिसोम गोडित के संपादक विलियम हांसदा ने किया। समारोह में मुख्य रूप से संताल परगाना सरना धर्म गुरु लश्कर सोरेन,राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक सुनील कुमार बास्की, संताली भाषा के प्रसिद्ध लेखक कृष्णा मुर्मू उपस्थित थे। समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक सुनील कुमार बास्की ने कहा कि आज साजिश के तहत संताल परगाना का नाम मिटाने का प्रयास चल रहा है हमें पुरजोर विरोध करने की जरूरत है। इस बात को समाज के लोगों तक जाना चाहिए, इसके लिए एक अभियान चलाने की जरूरत है। हम आज संताली भाषा संस्कृति से समाज के बच्चों को दूर कर रहे हैं जो आने वाले समय के लिए समाज के लिए ठीक नहीं है। सरना धर्म गुरु लश्कर सोरेन ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज समाज के बूढ़े बुजूर्ग और नौजवानों को एक साथ ताल-मेल कर चलना होगा तभी समाज की रूढ़ि परंपरा बचेगी। उन्होंने कहा कि नौजवानों को नशापन से बचाने की जरूरत है और नहीं तो समाज को बचाना मुश्किल हो जाएगा। मांझी परगाना सरदार महासभा जामताड़ा जिला अध्यक्ष सुनील कुमार हांसदा ने कहा कि हमे फिर से 30 जून 1855 की संताल विद्रोह के जैसा क्रांति लाने की जरूरत है तभी संताल परगाना काश्तकारी कानून को बचा पाएंगे। संताल परगाना काश्तकारी अधिनियम का खुलमखुल्ला उल्लंघन हो रहा जो राज्य की सरकार को रोकना चाहिए। श्री हांसदा ने कहा कि झारखंड सरकार संताली भाषा को राजभाषा का दर्जा देना चाहिए। इस समारोह में सरकार को देने के लिए वर्तमान संताल परगाना प्रमंडल के जिलों का नामकरण संताल परगाना दक्षिण जामताड़ा, संताल परगाना पश्चिम देवघर, संताल परगाना उत्तर पूर्व साहेबगंज, संताल परगाना उत्तर गोड्डा,संताल परगाना पूर्व पाकुड़, संताल परगाना मध्य दुमका के रुप में नामकरण करते हुए प्रमंडल का नाम संताल परगाना दुमका के रूप में करने, संताली को राजभाषा बनाये जाने का प्रस्ताव लिया गया। संताल परगाना काश्तकारी अधिनियम को सख्ती से लागू किया जाए। संताल परगाना के सभी पर्व त्योहारों में सरकारी अवकाश घोषित हो ,जिसमें मुख्य रूप से सोहराई पांच दिन, बाहा तीन दिन का सरकारी अवकाश हो। परंपरा व्यवस्था के सभी पदाधिकारियों यथा परगाना, मांझी, नाइकी, प्राणिक, गुडित, जोग प्राणिक, जोगमांझी, कुडाम नाइकी, भद्दो, आदि को 15000 हजार सम्मान राशि दिया जाए। इस अवसर पर मुख्य रूप से नाजिर सोरेन, सिकंदर टुडू, सहेबलाल मरांडी, छकुलाल मुर्मू, नबीन मरांडी, कालेश्वर मरांडी, परेश मरांडी, परमेश्वर सोरेन, रमेश बास्की, गोबिंद हेम्ब्रम आदि मौजूद थे।

युवा शक्ति क्लब ने 29 रनों से जीता फाइनल मुकाबला

करमाटांड़ (एप्र)। करमाटांड़ प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत मट्टांड (झिलुवा)गांव में जेपीएल सीजन का फाइनल मुकाबला युवा शक्ति क्लब बनाम प्रदुम 11 के बीच रविवार को खेला गया। जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए युवा शक्ति क्लब के टीम ने 14 ओवर में 82 रन बनाए। वहीं जवाबी पारी खेलने उतरे प्रदुम 11 के टीम 53 रन पर ही सिमट गई। फाइनल मुकाबले में युवा शक्ति क्लब सियाटांड के टीम 29 रन से टूर्नामेंअ मे खिताब अपने नाम कर लिए। टूर्नामेंट में मैन ऑफ द सीरीज विवेक कुमार को खिताब से नवाजा गया। वहीं आज के फाइनल मुकाबले में मैन ऑफ द मैच विष्णु कुमार मंडल को मिला। जेपीएल के फाइनल मुकाबले में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी वीरेंद्र मंडल उपस्थित हुए। मुख्य अतिथि ने विजेता एवं उपविजेता टीम को खिताब, शील्ड एवं मैडल से देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि खेल में हार और जीत तो लगा ही रहता है। हार और जीत एक ही सिक्के के दो पहलू है। उन्होंने कहा कि खेलकूद जीवन का एक अभिन्न अंग मानना चाहिए। खेल से मानसिक संतुलन बना रहता है। मौके पर कमेटी के कार्तिक मंडल, राहुल मंडल, धनंजय मंडल, रंजीत मंडल, प्रदुम मंडल, मिथुन मंडल, नीरज मंडल, संजय मंडल एवं हजारों की संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने चलाया जागरूकता कार्यक्रम

नाला (एप्र)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार जामताड़ा के द्वारा नाला प्रखंड अंतर्गत डुमरिया, गोपालपुर, पुनसिया आदि गांवों में झालसा रांची के निदेर्शानुसार एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार जामताड़ा के अध्यक्ष एवं सचिव के दिशा निर्देश पर 90 दिवसीय विशेष जागरूकता शिविर सह आउटरीच कार्यक्रम के तहत विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें प्राधिकार के पीएलभी सह अधिकार मित्र अमित कुमार सिंह, जयंती दत्ता, प्रेम कुमार सिंह, अरूप मंडल ने उपस्थित लोगों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार जामताड़ा के द्वारा मिलने वाली निःशुल्क विधिक सहायता के साथ साथ नालसा - झालसा के विभिन्न स्कीमों की विस्तृत जानकारी दी। वहीं सड़क दुघर्टना दावा वाद एवं हिट एंड रन के तहत मिलने वाली मुआवजा राशि, घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम, बाल विवाह, दहेज प्रथा रोक थाम, सरकार द्वारा संचालित महत्वकांक्षी योजनाओं एवं आवेदन प्रक्रिया संबंधित जानकारी दी गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुवैत यात्रा कई मायनों में ऐतिहासिक : अब्दुर रकीब

जामताड़ा (एप्र)। पसमांदा नेता मौलाना अब्दुर रकीब अंसारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुवैत यात्रा कई मायनों में ऐतिहासिक है। इस दौरान उन्होंने कुवैत में अब्दुल्लाह अल बैरन और अब्दुल लतीफ अलनसेफ से विशेष मुलाकात की। मौलाना ने बताया कि अब्दुल्ला अल बैरन ने भारतीय महाकाव्य रामायण और महाभारत का अरबी भाषा में अनुवाद करके ग्लोबल लिटरेचर में नया रिकॉर्ड कायम किया है। वहीं इसका पब्लिकेशन कुवैत के प्रमुख पब्लिशर अब्दुल्ल लतीफ अलनेसेफ ने किया है। पीएम मोदी ने इन दोनों शख्सियतों से कुवैत में मुलाकात की। अब्दुल्लाह बैरन और अब्दुल लतीफ ने पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान उनको अरबी भाषा में अनुवाद की गई रामायण और महाभारत की प्रति भी प्रदान की। इससे पहले पीएम मोदी ने अरबी भाषा में अनुवादित इन दोनों महाकाव्यों पर अपना हस्ताक्षर किया। अब्दुल लतीफ अलनेसेफ ने कहा "यह मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है कि पीएम मोदी इन किताबों से बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि अरबी भाषा में लिखा गया यह ग्रंथ दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूती देगा। इस ग्रंथ के

अनुवाद में उन्हें करीब 2 साल का समय लगा है। पीएम मोदी ने अब्दुल्लाह बैरन और अब्दुल लतीफ का जिक्र मन की बात में भी किया था। उन्होंने बताया था कि कुवैत में इन दोनों विद्वानों ने रामायण और महाभारत का अरबी भाषा में अनुवाद किया है। पीएम मोदी ने कहा था कि उनका यह प्रयास भारत और कुवैत के सांस्कृतिक संबंधों के आदान-प्रदान की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। इससे दोनों देशों के संबंध और भी अधिक गहरे हुए हैं। अब्दुल्लाह बैरन कुवैत के मशहूर साहित्यकार होने के साथ ही साथ बेहतरीन अनुवादक भी हैं। भारतीय महाकाव्यों रामायण और महाभारत को अरबी भाषा में अनुवाद करते समय उन्होंने भारतीय दर्शन, इतिहास और परंपराओं का गहराई से अध्ययन किया। उनके इस अनुवाद को रीडर्स ने अनूठे अनुभव के रूप में स्वीकार किया। यह उपलब्धि भारतीय महाकाव्यों की गहराई और समझ को अरबी भाषी समाज तक पहुंचाने की महत्वपूर्ण कड़ी है। साहित्य और अनुवाद के क्षेत्र में बैरन का योगदान सराहनीय रहा है। वहीं अब्दुल लतीफ कुवैत के जाने-माने प्रकाशक हैं। अब्दुल्लाह अल बैरन अब तक 30 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय महाकाव्यों और कृतियों का अनुवाद कर चुके हैं, जिसका प्रकाशन अब्दुल लतीफ ने किया है। इसमें रामायण और महाभारत भी शामिल है। यह भारतीय संस्कृति और सभ्यता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने का अद्भुद प्रयास है। 43 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री द्वारा की गई कुवैत यात्रा के दौरान इस महाकाव्य का अरबी भाषा में अनुवाद और प्रकाशन पीएम मोदी की अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का हिस्सा माना जा रहा है। इन प्रयासों ने भारत और अरब देशों के बीच साहित्य और सांस्कृतिक संबंधों को नई उंचाई दी है।

चिरेका को दिया भारतीय रेल की बेस्ट प्रोडक्शन यूनिट शील्ड 2024

मिहिजाम (एप्र)। चितरंजन रेलइंजन कारखाना (चिरेका) को शानदार उत्पादन प्रदर्शन के लिए भारतीय रेल की बेस्ट प्रोडक्शन यूनिट शील्ड 2024 प्रदान किया गया है। 21 दिसंबर को भारत मंडपम नई दिल्ली में आयोजित 69वें रेलवे सप्ताह केंद्रीय समारोह 2024-अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2024 के तहत यह शील्ड चिरेका को और भारतीय रेल की अन्य उत्पादन इकाई आरसीएफ को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से विजय कुमार, महाप्रबंधक ने यह शील्ड प्राप्त किया। जहां इस दौरान एसके वर्मा, प्रमुख मुख्य बिजली इंजिनीयर महाप्रबंधक के साथ उपस्थित थे। चिरेका कर्मियों के निरंतर परिश्रम व सफल प्रयास के लिए चिरेका को यह पुरस्कार प्रदान किया गया है। जो संपूर्ण चितरंजन रेलइंजन कारखाना परिवार के लिए गौरव की बात है। चिरेका को बेस्ट प्रोडक्शन यूनिट शील्ड 2024 प्राप्त होने पर विजय कुमार, महाप्रबंधक, चिरेका ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए चिरेका परिवार को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। इसके अलावा, चिरेका कर्मी, अनूप कुमार महतो, वरीय अनुभाग इंजीनियर को 69वें रेलवे सप्ताह केंद्रीय समारोह 2024-अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया।

तीन दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट को लेकर तैयारी शुरू

नाला (एप्र)। नाला नेताजी स्टेडियम में फुटबॉल टूर्नामेंट को लेकर दिशोम गुरू क्लब कालीपाथर की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष सह बीस सूत्री अध्यक्ष उज्वल भट्टाचार्य ने की। इस दौरान फुटबॉल टूर्नामेंट के सफल क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक बिन्दुओं पर चर्चा की गई। इस अवसर पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष उज्वल भट्टाचार्य ने कहा कि आगामी 26, 27, 28 दिसंबर को फुटबॉल टर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि खेल में मुख्य अतिथि के तौर पर नवनिर्वाचित विधायक सह झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो शिरकत करेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर सांसद नलीन सोरेन, राजमहल के सांसद तथा झामुमो गठबंधन के संथाल परगना के विधायकगण शिरकत करेंगे। मौके पर नाला पंचायत के मुखिया अजीत मुर्मू, अनंत मंडल, कृष्णा टुडू, दयामय घोष, नुनूलाल टुडू, धोनालाल सोरेन, प्रेम मरांडी, हेमलाल सोरेन, रुपधन हेम्ब्रम, पूर्ण चंद्र सोरेन, अशोक सोरेन, सानु टुडू, सरकार सोरेन, सेवाधन सोरेन, गजनी टुडू, शिराय सोरेन, सुकूमार सोरेन, संजीव सोरेन सहित कमेटी के अन्य सदस्य मौजूद थे।

संथाल परगना स्थापना दिवस संथाली संस्कृति को जानने का बेहतर प्रयास : रविन्द्र नाथ

जामताड़ा (एप्र)। आदिकाल से संघर्ष की भूमि के रूप में इस संथाल परगना क्षेत्र की पहचान बनी हुई है। जब भी अन्य अत्याचार बढ़ा है सिद्धो-कान्हो, चांद-भैरव, फूलो-झानो, तिलका मांझी जैसी महान विभूतियों ने आंदोलन का रास्ता तैयार किया है, हथियार उठाया है और संघर्ष किया है। झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला कमेटी के द्वारा आयोजित 159 में संथाल परगना स्थापना दिवस महोत्सव के अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो ने अपने संबोधन में उक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि संथाल परगना में यहां की संस्कृति से जुड़े जितने भी धरोहर हैं उन्हें सामने लाने का काम करेंगे, उसे उजागर करेंगे ताकि आने वाली पीढ़ी पुरानी सांस्कृतिक गाथाओं को जान सके और याद रख सके। उन्होंने कहा कि हमारे देश में, राज्य में, समाज में भ्रष्टाचार, अनियमितता, समाज को बांटने का काम, आर्थिक शोषण आज भी व्याप्त है और इसके खिलाफ हम सभी को फिर से आंदोलन करने की जरूरत है ताकि हमारा हक और अधिकार हमें मिल सके। उन्होंने कहा कि संथाल परगना में सड़यंत्र करने वाले आज भी विराजमान हैं, उनके मंसूबों पर पानी फेरने के लिए यहां के लोगों को बहुत ही जागरूक रहने की जरूरत है, क्योंकि ऐसे लोग मौका पाकर कभी भी हमारा अहित कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में मंच संचालन का दायित्व वरिष्ठ झामुम नेता आनंद टुडू ने की। झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन के सहयोगी रहे नरसिंह मुर्मू, मनोरथ मरांडी, रविंद्र नाथ दुबे, केंद्रीय कार्य समिति सदस्य सगीर खान, राजद जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष डॉक्टर अब्दुल मन्नान अंसारी, साकेश सिंह, जमीरूद्दीन अंसारी, मुखिया संघ के जिला अध्यक्ष देवीसन हांसदा, अजीत दुबे, बासुदेव मरांडी, अमित मंडल, मेरी सरांडी, विजय राउत, नंदत्ताल सोरेन इम्तियाज अंसारी, किशोर रवानी, रहीम अंसारी, नंदकिशोर सिंह, मंगोली सोरेन केलवे सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता और सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र से भारी संख्या में महिला और पुरुष उपस्थित हुए।

झारखंड पुलिस एसोसिएशन का चुनाव संपन्न नवनियुक्त पदाधिकारियों को मिली जिम्मेदारी

जामताड़ा (एप्र)। झारखंड पुलिस एसोसिएशन का चुनाव जामताड़ा जिले के थाना परिसर में शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ। इस चुनाव में विभिन्न पदों के लिए हुए मतदान में सर्वसम्मति से उम्मीदवारों का चयन किया गया। चुनाव के परिणाम स्वरूप नीतीश कुमार को एसोसिएशन का अध्यक्ष, जय किशोर मरांडी को उपाध्यक्ष, बालाजी राजहंस को सचिव, अजय कुमार को कोषाध्यक्ष और प्रदीप कुमार सिंह को मंत्री चुना गया। चुनाव परिणाम की घोषणा के बाद, सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया गया और उन्हें पर्यवेक्षक द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह चुनाव झारखंड पुलिस एसोसिएशन के लिए ऐतिहासिक महत्व रखता है, क्योंकि इससे संगठन में नई उर्जा का संचार हुआ है, और पुलिसकर्मियों के बीच एक नई दिशा और उद्देश्य की भावना पैदा हुई है। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने चुनाव के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, वे उसे पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ निभाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उनका उद्देश्य एसोसिएशन में सुधार और बदलाव लाना है, ताकि पुलिसकर्मियों को बेहतर सुविधाएं मिलें

और पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता हो। नवनियुक्त पदाधिकारियों का कार्यकाल तीन साल का होगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस कार्यकाल में वे एसोसिएशन में नई योजनाओं और सुधारों को लागू करेंगे, ताकि पुलिसकर्मियों के कामकाजी माहौल में सुधार हो सके और जनता के प्रति पुलिस की सेवा बेहतर हो सके। इस चुनाव में सफलता के बाद, यह उम्मीद जताई जा रही है कि पुलिस संगठन में नए दृष्टिकोण और कार्यप्रणाली से एसोसिएशन को एक नई दिशा मिलेगी। इस चुनाव ने यह सिद्ध कर दिया है कि एसोसिएशन में चुनावी प्रक्रिया के जरिए लोकतांत्रिक तरीके से नेतृत्व चुना जा सकता है, जो आगे चलकर पुलिस बल को और सशक्त बनाएगा। एसोसिएशन में पदाधिकारियों का चयन होते ही पुलिसकर्मियों में एक नई उम्मीद और ऊर्जा देखने को मिल रही है, और वे अपने नेताओं के मार्गदर्शन में पुलिस सेवा के लिए और बेहतर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय सदस्यता अभियान का शुभारंभ

नारायणपुर (एप्र)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संगठन महापर्व राष्ट्रीय सदस्यता अभियान सत्र 2024 -30 का शुभारंभ रविवार को नारायणपुर मंडल में भी किया गया। जिसमें मुख्य रूप से सदस्यता अभियान के जिला संयोजक विनोद मंडल, जिला महामंत्री मितेश शाह, मंडल अध्यक्ष दीपक सिंह जिला सोशल मीडिया संयोजक आनंद पोद्दार सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे। नारायणपुर मंडल में सदस्यता अभियान की शुरूआत के अवसर पर जिला संयोजक विनोद मंडल ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी का सदस्यता अभियान का शुभारंभ रविवार को नारायणपुर मंडल के चंद्रपुर ग्राम से किया गया। इस अवसर पर काफी संख्या में महिला एवं पुरुष ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण किया साथ ही साथ विनोद मंडल ने कहा कि दिए गए लक्ष्य को निश्चित रूप से पूर्ण किया जाएगा। इसके लिए जिले के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता लगे हुए हैं। आनंद पोद्दार ने कहा कि राष्ट्रीय सदस्यता अभियान 22 दिसंबर से 14 जनवरी तक पूरे देश में चलेगा लोगों को मोबाइल के माध्यम से मिस्ड कॉल के द्वारा भी सदस्य बनाया जा रहा है। लोगों में भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने के लिए काफी उत्साह देखा जा रहा है। इस अवसर पर कालीचरण दास, रमेश दुबे, पुरुषोत्तम पंडित, नकुल पंडित, अरुण पंडित, दुखी पंडित आदि लोग उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
श्वेत पत्र
आपकी बात सच के साथ
देवघर, सोमवार, 23 दिसम्बर, 2024

एक नजर

आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य देने के लिए पेड़ों की सुरक्षा जरूरी : शैलेश

जमुई (निसं)। हर परिसर हो हर भरा अभियान के तहत आज साइकिल यात्रा एक विचार,जमुई के 468वें क्रम में श्री कृष्णा स्टेडियम से साइकिल यात्रा निकाली गई जो बाजार होते हुए केकेएम कॉलेज परिसर में स्थित राजकीय अंबेडकर कल्याण छात्रावास परिसर पहुंची जहां दर्जनों पौधा लगाकर हर परिसर हरा भरा परिसर करने का संदेश दिया गया। मौके पर प्रखंड कल्याण पदाधिकारी राजेश कुमार ने उपस्थित छात्रों को पर्यावरण और उनके स्वास्थ्य हेतु जागरूक करते हुए बताया कि वृक्ष हमें केवल आक्सीजन ही नहीं देते,अपितु स्वादिष्ट फलों, इमारती लकड़ियों, ईधन के अलावा जरूरी दवाएं उपलब्ध कराते हैं। इसके अलावा यह वातावरण में मौजूद जहरीलों को अवशोषित कर पर्यावरण को संरक्षित करते हैं। सबसे खास बात यह है कि यह पेड़ पौधे प्रकृति का श्रंगार कर हमें सुंदर एहसास कराते हैं। इसीलिए वृक्षारोपण पर जोर दिया जा रहा है। हम सभी को मिलकर प्रकृति की रक्षा के लिए प्रतिवर्ष कम से कम एक पेड़ लगाकर उनकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए। तभी हम प्रकृति के साथ मानव जीवन को भी सुरक्षित रख पायेंगे। सदस्य शैलेश भारद्वाज ने बताया कि कि हर खाली परिसर को हरा भरा करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वृक्ष बचायें तभी आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य दे सकते हैं। यह तभी संभव है जब हर घर के लोग अपने घर में छोटे बड़े पौधे का रोपण करें। इस अवसर पर शैलेश भारद्वाज, गोलू कुमार, हर्ष कुमार सिन्हा, राकेश कुमार, चंदन कुमार दास, अमरजीत कुमार, जितेंद्र कुमार, राहुल कुमार, अजीत कुमार, पिंटू कुमार, सचिन कुमार, सौरभ कुमार, सुमन कुमार, सूरज कुमार, नीतीश कुमार, संजीव दास, राजेश कुमार, शिव कुमार, कृष्ण कुमार, विवेक कुमार सहित कई छात्र उपस्तिथ थे।

बैंक स्थापना दिवस पर किया गया क्रिकेट मैच का आयोजन

बरहट (एप्र)। दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक के स्थापना दिवस के उपलक्ष पर रविवार को प्लस टू उच्च विद्यालय मलयपुर के मैदान में जमुई रीजन और भागलपुर रीजन बैंक कर्मियों के बीच एक दिवसीय क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। मैच का उद्घाटन जमुई जिला के रीजनल मैनेजर शैलेंद्र कुमार तथा भागलपुर जिले के रीजनल मैनेजर पुरुषोत्तम कुमार घोष ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।मैच 16 ओवर की खेली गई।जमुई के टीम ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग करने का निर्णय लिया। वहीं पहले बल्लेबाजी करने मैदान में उतरे भागलपुर रीजन के टीम ने निर्धारित 16 ओवर में 146 रन का स्कोर खड़ा किया।लक्ष्य का पीछा करने उतरे जमुई रीजन के टीम ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट के नुकसान पर 15 वां ओबर में 145 रन पर शानदार चौका मार कर मैच अपने पाले में डाल ली। इस दौरान जमुई रीजन के टीम की ओर से प्रभास कुमार सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी करते हुए 63 रनों पर नवाद रहे तथा तीन विकेट भी चटकाए। जिसके उपरांत उन्हें मैन ऑफ द मैच का पुस्कार मिला। निर्णायक की भूमिका नीरज बतस्य तथा गौरव कुमार ने निभाई। इस मौके पर दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक मलयपुर के मैनेजर दिपक कुमार व बैंक कर्मी सानू कुमार ,सौरभ कुमार तथा कई खेल प्रेमी मौजूद थे।

पति की गुमशुदगी को ले पीड़िता ने थाने में दिया आवेदन

सोनो (निसं)। सोनो बटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत दहियारी निवासी देवकी देवी ने अपनी पति की गुमशुदगी को लेकर थाने में आवेदन दिया है। उसने बताया कि उसका पति सुखदेव पासवान बिते 17 दिसंबर को इलाज के लिए अपने घर से रांची के लिए निकला था, जो आज तक वापस नहीं लौटा है। आवेदन में पीड़िता ने अपने पति वापस लाने की गुहार लगाई है।

खैरा के ढाब में मिला दुर्लभ प्रजाति का गिद्ध

खैरा/जमुई (निसं)। गिद्धेश्वर पहाड़ की तलहटी में अवस्थित गोपालपुर पंचायत के ढाब गांव में एक अजूबा किस्म का गिद्ध रविवार के अहले सुबह देखा गया। इस प्रकार का गिद्ध इस इलाके में कभी भी देखा नहीं गया था। उसका सर सफेद रंग का और पंखों की लंबाई लगभग 4 फीट की थी। इस विशाल काय अजूबे पक्षी को देखने के लिए धीरे-धीरे वहां भीड़ जमा हो गई। उसके बारे में ग्रामीणों ने बताया कि इस वजन लगभग 10 किलो होगा। गिद्धेश्वरपहाड़ के उत्तरी क्षेत्र में ढाब गांव बसा हुआ है। गिद्धेश्वर पहाड़ के सबसे ऊंची चोटी पर गिद्धों का बसेरा रहा करता था जहां कई दशको तक यहां गिद्धों का बास हुआ करता था मगर इधर लगभग डेढ़ दशक से उसका बसेरा समाप्त हो गया है। वृद्ध जनों ने बताया कि सुबह से लेकर अंधेरा होने तक सबसे ऊंची चोटी पर गिद्धों का झूंड हर हमेशा उड़ते रहता था लेकिन अब गिद्धेश्वर पहाड़ पर गिद्धों का बसेरा नहीं है और ऊंची चोटी पर गिद्धों का मंडराना अब बंद हो गया।अब स्थानीय ग्रामीण इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि गिद्धों का इतना बड़ा झूंड कैसे लुप्त हो गया। स्थानीय ग्रामीणों ने इस दुर्लभ जाति के पक्षी के संबंध में वन विभाग को सूचना दिया सूचना पाकर वन विभाग की टीम वहां पहुंचे और इस संबंध में पूरी जानकारी जुटाने के प्रयास में है।

रामल्ला के वार्षिक महोत्सव को लेकर श्रीमद् भागवत का आयोजन

जमुई (निसं)। जिले के सिकंदरा प्रखंड अंतर्गत महादेव सिमरिया बाजार में रामल्ला के वार्षिक महोत्सव के शुभ अवसर पर विश्व कल्याण हेतु श्रीमद् भागवत अमर कथा एवं संगीत मय भक्ति प्रेम ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया। जिला परिषद अध्यक्ष दुलारी देवी पूर्व बिहार विधान परिषद उम्मीदवार गुड्डू यादव एवं सिकंदरा प्रखंड के प्रखंड प्रमुख घनश्याम राम ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर श्रीमद् भागवत अमर कथा का शुभारंभ किया गया। पंचायत के मुखिया विनोद यादव पंचायत के सरपंच केदार प्रसाद सिंह, पंचायत समिति संतोष यादव, पंचायत समिति बुलबुल सिंह, पैक्स अध्यक्ष सुबोध सिंह, गुड्डू यादव ने कथावाचक को अंग वस्त्र देकर स्वागत किया। यह कथा 22 से 29 दिसंबर तक लगातार चलेगा। इस कथा को सुनने के लिए सिकंदरा प्रखंड से कई गांव से लोग पहुंचकर कथा का श्रवण कर रहे हैं। श्रीमद् भागवत कथा के शुभारंभ से पहले 251 कुमारी कन्याओं एवं सुहागिन महिलाओं के द्वारा भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई। जो सिमरिया बाजार होते हुए बाबा धनेश्वर नाथ महादेव मंदिर सिमरिया पहुंची। ब्राह्मणों के द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ अपने-अपने कलश में जल भरा गया और वहां से वापस बाजार के समीप पहुंचे जहां श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया। मौके पर पंचायत के मुखिया विनोद कुमार, सरपंच केदार प्रसाद, पंचायत के पैक्स अध्यक्ष सुबोध सिंह, कमेटी के सुनील भगत, धर्मेंद्र केसरी, विष्णु देव भगत, विजय तमोली, किशोरी विश्वकर्मा, मुकेश तमोली, सुमित कुमार भगत, विष्णु देव भगत, सागर भगत, विजय तमोली, दशरथ साव, अशोक तमोली आदि उपस्थित हुए।

बच्चों के मानसिक एवं शारीरिक संतुलन के लिए खेल आवश्यक : प्राचार्य

जमुई (निसं)। जिले बरहट प्रखंड क्षेत्र के कटौना ब्लैक डायमंड पब्लिक स्कूल के खेल परिसर में 9वां खेल दिवस का आयोजन किया गया। खेल परिसर को नए-नए पोस्टर और रंग-बिरंगे झंडों से सजाया गया था। खेल दिवस का उद्घाटन स्कूल की प्राचार्य डॉ.कमल लता सोनी ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्राचार्य ने उपस्थित बच्चों का हौसला अफजाई करते हुए कहा कि इस तरह के खेल आयोजन से बच्चों के मानसिक,कौशल एवं प्रतिभा को प्रदर्शित करने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि बच्चों के मानसिक संतुलन और शारीरिक संतुलन के के लिए खेल अति आवश्यक है। खेल दिवस का मुख्य आकर्षण मार्च पास्ट और डांस रहा। खेल दिवस में 100 मी 200 मी, 400 मी, दौड़, लंबी कूद और कोण रेस खेल को शामिल किया गया था। खिलाड़ियों को रेड हाउस ग्रीन हाउस येलो हाउस एवं ब्लू हाउस में बांटा गया। रेड हाउस का अंगद वैभव, येलो हाउस अंकित कुमार, ग्रीन हाउस मो.जिदान एवं ब्लू हाउस का अनमोल ने कप्तान के रूप में प्रतिनिधित्व किया। खेल परिसर में उपस्थित अभिभावकों छात्र छात्राओं एवं शिक्षक शिक्षकों ने अपनी अपनी टीमों का खूब उत्साह वर्धन किया। मौके पर स्कूल के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं कर्मचारी एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे। खेल के समापन पर प्राचार्य द्वारा विजेताओं को पदक और पुरस्कार का वितरण किया गया।

मानव सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं : डॉ. नीरज

जमुई (निसं)। रविवार को उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय सिमुलतला में समाजसेवी व प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. नीरज साह ने कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मानव सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। जानकारी हो कि वे पिछले 20 वर्षों से लगातार समाज सेवा में लगे हैं। बच्चों के लिए पाठ्य सामग्री, महिलाओं के लिए साड़ी और ठंड के मौसम में हर साल पांच हजार से अधिक कंबल वितरित करते आ रहे हैं। कहा कि जब तक मेरे हाथ-पैर काम करेंगे और उपरवाले का आशीर्वाद रहेगा, यह सेवा जारी रहेगी। डॉ. नीरज ने बताया कि उनके क्लिनिक पर आने वाले गरीब और असहाय मरीजों के लिए रहने और खाने की व्यवस्था भी मुफ्त में की जाती है। रविवार को उन्होंने सिमुलतला और टेलवा बाजार में कुल एक हजार से अधिक कंबल का वितरण किया। राजद नेता श्रीकांत यादव ने डॉ. नीरज साह के सेवा कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि गरीबों और असहायों के लिए ठंड में कंबल वितरण करना एक सराहनीय कदम है। उन्होंने डॉ.नीरज को गरीबों की पार्टी राजद का सक्रिय सदस्य बताते हुए धन्यवाद दिया। वहीं, जिला परिषद प्रतिनिधि आलोक सिंह और समाजसेवी भुनेश्वर साह ने भी डॉ. साह के कार्यों को खूब सराहा। कार्यक्रम में सैंकड़ों गरीब, असहाय महिला-पुरुष और बुजुर्ग उपस्थित थे। कंबल पाकर उनके चेहरों पर खुशी झलक रही थी। मौके पर मुकेश यादव समेत अन्य कार्यकर्ता एवं ग्रामीण लोग मौजूद थे।

डीएवी में राष्ट्रीय हिन्दी एवं साइबर ओलंपियाड परीक्षा आयोजित

जामताड़ा (एप्र)। सावित्री देवी डीएवी पब्लिक स्कूल, जामताड़ा में साइंस ओलिंपियाड फाउंडेशन, गुरुग्राम, हरियाणा के तत्वावधान में राष्ट्रीय हिंदी एवं साइबर ओलंपियाड परीक्षा आयोजित की गई। हिंदी ओलंपियाड में कुल 9 एवं साइबर ओलिंपियाड में छह विद्यार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा में सभी प्रश्न बहु वैकल्पिक थे, जिनका ओएमआर शीट के माध्यम से उत्तर दर्ज करना था। परीक्षार्थियों को शुभकामना देते हुए प्राचार्य डॉक्टर विजय कुमार ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने से बौद्धिक विकास होता है। इससे अनुभव प्राप्त होता है एवं भविष्य में जटिल प्रश्नों को हल करने में इससे काफी मदद मिलती है। जब भी अवसर मिले विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लेते रहना चाहिए। विषय का गहन अध्ययन परीक्षाओं में सफलता प्रदान करता है।

विधिक जागरूकता शिविर में लोगों को दी गई कानूनी जानकारी

जमुई (निसं)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार जमुई के तत्वावधान में जिले के झाझा प्रखंड अंतर्गत केशोपुर पंचायत के मूसहरी टोला में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जागरूकता शिविर का विषय सूचना के अधिकार अधिनियम था। शिविर का आयोजन पैनल अधिवक्ता पंकज कुमार शर्मा एवं पाराविधिक सेवकअविनाश पांडे द्वारा किया गया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए पैनल अधिवक्ता ने सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 एवं संशोधन 2019 के बारे में लोगों को जागरूक किया। उन्होंने बताया कि इस अधिकार के तहत कोई भी आम नागरिक किसी भी सरकारी प्राधिकरण से सूचना की मांग कर सकता है। इस अधिनियम से सरकारी कामकाजों में भ्रष्टाचार से मुक्त करने में सहायता मिली है क्योंकि सूचना के अधिकार के माध्यम से कोई भी नागरिक उनके कार्यकलापों के विषय में जानकारी मांग सकता है। एक आवेदक द्वारा यदि आपको किसी विभाग से वांछित सूचना चाहिए तो आप उसे विभाग से सूचना प्राप्त कर सकते हैं जिसे 30 दिन के अंदर संबंधित विभाग को आवेदक को प्रदान करना होता है। आरटीआई एक्ट के फायदे के अलावा निशुल्क विधिक सेवा के विषय में भी लोगों को जानकारी दी गई। जिला प्राधिकार द्वारा आम जनों को निशुल्क विधिक सुविधा प्रदान करने के लिए पराविधिक सेवक एवं पैनल अधिवक्ता प्रतिनियुक्ति है जिसे आप सलाह एवं सहायता प्राप्त कर सकते हैं। प्राधिकार कार्यालय में भी फ्रंट ऑफिस की व्यवस्था है जहां कोई भी व्यक्ति जिसे विधिक सेवा प्राप्त करना है जाकर आवेदन दे सकता है। नालसा के ऑनलाइन पोर्टल पर भी आवेदन दिया जा सकता है सारे प्रकार की विधि सेवाएं बिल्कुल निःशुल्क है। उन्होंने लोगों से आवाहन किया कि वे आवश्यकता पड़ने पर इन सेवाओं का लाभ अवश्य लें।

भ्रष्टाचार पूरे बिहार को दीमक की तरह कर रही खोखला : दिनेश

खैरा/जमुई (निसं)। खैरा प्रखंड अंतर्गत रायपुर पंचायत के पकरी एवं जलयोगा में पूर्व मुखिया प्रतिनिधि दिनेश कुमार ने जन सुराज के विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार पूरे बिहार को दीमक की तरह खोखला कर रही है। कहा कि जो पदाधिकारी जिस पद पर हैं उस विभाग को लूटने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यहा केवल बालू एवं दारू से ही नहीं बल्कि सभी विभाग से पैसा मुख्यमंत्री तक पहुंचता है। न्यायालय की भी वही दशा है, यहां सिर्फ तारीख पर तारीख मिलती है और कुछ भी नहीं होता है। कहा कि जमुई जिला में खनिज पदार्थ भरे पड़े हैं, लेकिन उस पर ध्यान किसी नेताओं का नहीं है। वहीं यहां के नेताओं ने जमुई जिले के सारी चांदी जैसी चमचमाती नदियों को मिट्टी में बदल के रख दिया है और अपना जेब भर रहे हैं। कहा कि यहां शराबबंदी के नाम पर शराब होम डिलीवरी हो रही है, हजारों हजार करोड़ रुपया की छती इस शराबबंदी से हो रही है। अगर यही पैसा सरकार हमारे बच्चे के पढ़ाई में खर्च कर देती तो हमारे बच्चे को कम से कम फ्री शिक्षा तो मिल जाती। दिनेश कुमार ने बताया कि इस पार्टी का जन्म होने का सिर्फ एक ही कारण है कि 77 वर्ष आजादी के हो गए हैं सभी राज्य जो अत्यंत पिछड़े में कहलाते थे वह अग्रिम 10 राज्यों में की पंक्ति में खड़ा हो गया और बिहार पीछे की ओर खींसकते चला गया। उन्होंने कहा कि बिहार को भ्रष्टाचार से कोई मुक्त कर सकता है तो वह है जन सुराज पार्टी। यह पार्टी यहां की जनता का सुंदर राज दे सकता है, क्योंकि इस पार्टी के जन्मदाता प्रशांत किशोर जैसे व्यक्ति हैं और इस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती जैसे लोग हैं। इस दौरान 101 लोगों ने पार्टी की सदस्या ग्रहण किया। मौके पर डोमन यादव, सुनील यादव, भारत शाह, धर्मेंद्र शाह, राजेंद्र शाह, महेश यादव, काशी यादव, केसो यादव, चानो देवी, शोभा देवी, गीत देवी, मुन्नी देवी, पूजा देवी, पुजारी देवी, मूर्ति देवी, चांदनी देवी, कविता देवी, साबिया देवी समेत अन्य लोग इस पार्टी में शामिल हुए।

रेल मंत्री ने 101 कर्मचारियों को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से किया सम्मानित

हाजीपुर (एजेंसी)। रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 21 दिसंबर की संध्या भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में पूर्व मध्य रेल के 01 अधिकारी तथा 04 कर्मचारी सहित भारतीय रेल के कुल 101 समर्पित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को रेल सेवा में उनके असाधारण योगदान के लिए प्रतिष्ठित 69वें अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2024 प्रदान कर सम्मानित किया। रेल मंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर जोनल रेलवे/प्रोडक्शन यूनिट को शील्ड भी प्रदान किया। रेल मंत्री द्वारा इस वर्ष सिविल इंजीनियरिंग कंस्ट्रक्शन शील्ड पूर्व मध्य रेलवे, मध्य रेलवे एवं दक्षिण मध्य रेलवे को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। पूर्व मध्य रेल की ओर से रेल मंत्री से यह शील्ड महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने प्राप्त किया। पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र ने बताया कि इस अवसर पर रेल मंत्री ने सभी पुरस्कार विजेताओं को उनके असाधारण कार्यों और प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने पिछले एक दशक में भारतीय रेल में हुई परिवर्तनकारी प्रगति को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि वंदे भारत, नमो भारत और माल ढुलाई गलियारों जैसी परियोजनाओं ने रफ्तार पकड़ी है। कवच सुरक्षा प्रणाली को बड़े पैमाने पर लागू किया गया है।

कुकुरझप डैम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग हुई तेज

बरहट (एप्र)। जमुई रेलवे स्टेशन से 9 किलो मीटर दूर हसीन वादियों में स्थित कुकुरझप डैम पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की मांग तेज हो गई है। डैम के किनारे हिलकोर मारते पानी, बांध के चारों ओर पीपल, शीशम, महुआ तथा अन्य फल -फूलों के पेड़ से निकलने वाली अमृत ह्रदय को तृप्त कर देता है। जिसकी वजह से यहां नए साल में सैकड़ों लोग अपने -अपने परिवार के साथ न्यू ईयर सेलिब्रेट करने आते हैं। प्राकृतिक के गोद में बसे कुकरझप डैम के छिलका से निकले वाली इको आवाज लोगों को खूब मन भाती है। जिससे जश्न दुगना हो जाती है।वहीं डैम के तीन ओर पहाड़ों के हसीन वादियां रहने से डेम का सौंदर्य काफी बढ़ जाती है। जिससे कि लोग यहां नए साल में खींचे चले आते हैं। वही लोग अपने परिवार के साथ भोजन बनाकर पिकनिक का लुफ्त उठाते हैं ।

पर्यटन स्थल के रुप मे विकसित होने से रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

कुकुरझप डैम बरहट पंचायत के इलाका में स्थित है। यहां के लोग आज भी जंगल से लड़कियां लाकर अपना जीवन बसर करते हैं। इस डैम को अगर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित की जाती है तो बेशक रोजगार को बढ़ावा मिलेगा और लोगों को रोजी-रोटी का साधन मिल जाएगा।इसके साथ ही इस इलाके की तस्वीर बदल जाएगी।

बीआईए के पर्यटन कमिटी के अध्यक्ष कर चुके है डैम का दौरा

हाल के ही दिनों में बीआईए पर्यटन कमिटी के अध्यक्ष डैम का दौरा कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने बताया था कि आज से यहां पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। बस थोड़ा और इंतजार करना होगा। हम टूरिज्म डेवलपमेंट अथॉरिटी इसके लिए प्रयासरत हैं। यहां भी पहाड़ियों को जोड़कर रोपवे हो सकता है। सुरक्षा और कम्यूनिकेशन स्थापित कर जिले के लोगों को आकर्षित किया जा सकता है।

1 बरहट निवासी समाजसेवी श्रीकांत यादव उर्फ बिट्टू कहते हैं कि कुकरझप डेम का सौन्दर्यता काफी निराली है। इस डैम में सालों भर पानी भरा रहता है। आसपास के लोग 12 महीना घूमने के लिए आते रहते हैं। इस दम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की आवश्यकता है।

2 पेंघी गांव निवासी अरुण सिंह कहते हैं कि कुकुरझप डेम निश्चित रूप से आकर्षण का केंद्र है। जिस कारण यहां जिले के कई पदाधिकारी घूमने के लिए भी आते हैं और हसीन वादियां का लुफ्त उठा सुकून महसूस करते हैं। दम को सौंदर्य करण कर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।

3 नव निर्वाचित पैक्स अध्यक्ष रामाशीष यादव कहते हैं कि कुकरझप डेम का वातावरण बहुत निराली है। प्रत्येक साल यहां जिले के विभिन्न इलाके से लोग पिकनिक मनाने आते हैं। पहाड़ों से घिरा कुकुरझप डेम का नजारा काफी सुंदर है। डेम को विकसित करने के बाद चार चांद लग जाएगी।

कहते है प्रखंड विकास पदाधिकारी

इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी एसके पांडेय बताया की ने कुकुरझप डैम का सुंदरता देखते हुए इसे नागी नकटी डैम के तरह यहां भी व्यवस्था होना चाहिए। जिसके लिए वरिय पदाधिकारी को कलमबद रिपोर्ट भेजी गई है।

एक नजर

अपराध की योजना बना रहे छह अपराधी दो देसी कट्टे के साथ गिरफ्तार

गिरिडीह (निस)। गिरिडीह पुलिस ने जिले के बिरनी थाना क्षेत्र के घुज्जी जंगल में अपराध की योजना बना रहे छह अपराधियों को गिरफ्तार किया

है। उनके पास से पुलिस ने दो देसी कट्टे भी बरामद किए हैं। यह जानकारी पुलिस अधीक्षक डॉक्टर विमल कुमार ने रविवार को प्रेसवार्ता कर दी। उन्होंने बताया कि अपराधियों की योजनाओं के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। जिसके बाद पुलिस सक्रिय हुई और यह कार्रवाई की। एसपी ने बताया कि सूचना के आलोक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धनंजय राम की अगुवाई में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटनास्थल पर पहुंच अपराधियों की योजना का सत्यापन किया और उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों में मो समीर अंसारी, रेहान अंसारी और रिजवान अंसारी धनवार का निवासी है। जबकि फणीभूषन साव एवं शिबू साव बिरनी का तथा सिराजुद्दीन अंसारी लालबाजार का निवासी है। सभी छह अपराधियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट सहित अन्य धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। गिरफ्तार अपराधियों ने पुलिस को दिए स्वीकारोक्ति बयान में बताया कि वे सभी इलाके में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए जुटे हुए थे। लेकिन पुलिस की तत्परता ने उनकी योजनाओं को नाकाम कर दिया। इधर, एसपी डॉक्टर विमल कुमार ने इस सफलता पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि गिरिडीह पुलिस क्षेत्र में अपराधों पर काबू पाने के लिए लगातार मेहनत कर रही है और आगे भी इस तरह की कार्रवाइयों को जारी रहेगी।

जिला पर्यटन सवर्धन परिषद् की शासी निकाय बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

गिरिडीह (निस)। आज उप विकास आयुक्त, गिरिडीह की अध्यक्षता में जिला पर्यटन सवर्धन परिषद के शासी निकाय का बैठक उप विकास

आयुक्त के कार्यालय प्रकोष्ठ में आहूत किया गया। उक्त बैठक के सदस्य के रूप में मुख्य रूप से विधायक, बगोदर विधानसभा क्षेत्र, केंद्रीय मंत्री - सह - कोडरमा लोकसभा संसाद के प्रतिनिधि, मंत्री-सह-विधायक, गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र के प्रतिनिधि, राज्यसभा सांसद के प्रतिनिधि, प्रतिनिधि, गांडेय विधानसभा क्षेत्र के प्रतिनिधि, विधायक, जमुआ विधानसभा क्षेत्र के प्रतिनिधि एवं जिला खेल पदाधिकारी -सह -पर्यटन नोडल पदाधिकारी, गिरिडीह, उप नगर आयुक्त गिरिडीह एवं अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित हुए। बैठक में मुख्य रूप जिले के सभी पर्यटक स्थलों में निर्मित परिसम्पतियों का संचालन सम्बन्धी निर्णय, पारसनाथ महोत्सव, बाहा पर्व महोत्सव का प्रस्ताव राज्य पर्यटन संवर्धन समिति को उपलब्ध कराना एवं सभी पर्यटक स्थलों में आवश्यक पर्यटकीय विकास एवं झारखण्ड धाम में पुलिस पिकेट का अधिष्ठान करने का निर्णय लिया गया।

मोंगिया नेशनल बॉलीबॉल अकादमी में ओपन सलेक्शन ट्रायल कैम्प का आयोजन

गिरिडीह (निस)। जिला के अजीडीह स्थित मोंगिया नेशनल वालीबॉल अकादमी में आज सीनियर राष्ट्रीय वालीबॉल चैंपियनशिप 2025 के आयोजन को लेकर ओपन सिलेक्शन ट्रायल कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खेल निदेशक एवं युवा कार्य विभाग झारखंड सरकार के संदीप कुमार, मोंगिया स्टील के सीएमडी डॉ. गुणवंत सिंह मोंगिया के अलावे ऑब्जेर्वर के रूप में जम्मू कश्मीर से मो. तारिक, सलेक्टर के रूप में दिल्ली से मो. बाबर खान शामिल हुए। बताया गया की जयपुर में 7 जनवरी से 13 जनवरी तक इस चेम्पियनशिप का आयोजन होना है इसके लिए आज मोंगिया बॉलीबॉल अकादमी में सलेक्शन कैम्प का आयोजन किया गया। इस कैम्प में अलग - अलग राज्यों से कई खिलाडियों ने अपने प्रतिभा का जोहार दिखाया। इस बाबत बताया गया की इस कैम्प में 19-19 खिलाड़ियों का चयन (बालक - बालिका वर्ग) का चयन होगा और इसमें 14खिलाडियों का चयन किया जाएगा जो 4जनवरी को सभी खिलाडी जयपुर के लिए रवाना होंगे। इस दौरान मोंगिया स्टील के सीएमडी दो गुणवंत सिंह मोंगिया ने कहा कि वॉलीबॉल खेल को बढ़ावा देने के लिए उनके द्वारा कई वर्षो से लगातार प्रयास किया जा रहा है और देश के अलग-अलग राज्यों से खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने का वॉलीबॉल अकादमी में निःशुल्क किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि उनका सपना है की बॉलीबॉल खेल में देश का नाम रोशन करना और विजेता बनाना है, उन्होंने कहा की इस बर यंहा से चयनित सभी खिलाडी देश में अपना नाम रोशन करेगी. वंही खेल निदेशक संदीप कुमार ने कहा की डॉ. गुणवंत सिंह मोंगिया के द्वारा चलाये का रहे मोंगिया नेशनल अकादमी में खिलाडियों को बेहतर रुप से प्रशिक्षित किया जा रहा है को बहुत ही गर्व की बात है। उन्होंने कहा की जयपुर में होने वाले सीनियर राष्ट्रीय बॉलीबॉल चेम्पियनशिप 2025 के लिए यंहा सरकार की और से सलेक्शन कैम्प का आयोजन किया जा रहा है. उन्होंने कहा की इस कैम्प में खिलाड़ियों के बेहतर खेल का प्रदर्शन देख कर उनका चयन किया जा रहा है. उन्होंने कहा की उन्हें पूरी उम्मीद है की नेशनल लेबल पर भी आने वाले समय में यंहा मैच का आयोजन हो ताकि खिलाडियों के प्रतिभा में निखार आये।

पांडेय पोखर के पास फेंका आपत्तिजनक सामान, केस दर्ज

देवघर (का.प्र)। बंधा के पांडेय पोखर के पास रविवार सुबह में आपत्तिजनक सामान फेंक दिया गया। इसकी जानकारी पाकर मोहल्ले के लोग वहां जमा हो गए। कुंडा थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंचे उसे जब्त किया और जांच को पशुपालन विभाग ले गई। वहां सैंपल को सील कर विधि-विधान प्रयोगशाला रांची भेजा गया। इस मामले में बंधा निवासी सोनू कुमार ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

कबरिबाद माइंस के करीब हुई हत्या के मामले में गिरिडीह में उबाल, कई घंटों तक रहा सड़क जाम

गिरिडीह (निस)। के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में एक युवक की निर्मम हत्या ने इलाके में उबाल ला दिया है। धारदार हथियारों से हमला कर दामोदर यादव की हत्या कर दी गई, जिसके बाद पूरे इलाके में आक्रोश फैल गया है। गांव का गुस्सा पुलिस के दरवाजे पर. हत्या की खबर के बाद कबरीबाद खदान से सटें चुंजका व चिल्ला दास टोला क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीण मुफ्फसिल थाना पहुंचे। गुस्से से लाल लोगों ने मुख्य सड़क पर जाम लगा दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। भीड़ में महिलाएं और बच्चे भी थे, जो न्याय की मांग कर रहे थे। लगातार नारेबाजी किया जा रहा था ₹आरोपी को फांसी दो₹ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि जब तक दोषियों को सख्त सजा नहीं दी जाती, उनका विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। घटना शनिवार की है घटना के संबंध में उपस्थित ग्रामीणों ने बताया कि शनिवार दिन के करीब 2:00 बजे के करीब ब्लास्टिंग से पहले लोगों को प्रिमाइसेस क्षेत्र से दूर किया जा रहा था इसी दौरान खदान के करीब जा रहें कुछ युवकों को ब्लास्टिंग पदाधिकारी बसंत कुमार एवं आउटसोर्सिंग कुर्मी मृतक दामोदर गुप्ता अजीत यादव सेम टी कुछ अन्य कर्मचारी लोगों को सावधान कर वहां से जाने के लिए कह रहे थे इसी दौरान उन युवकों ने पदाधिकारी बसंत कुमार के साथ अभद्र व्यवहार करने लगे उन्हें गाली-गलौज करने लगा। इसके बाद पास के ग्रामीणों ने भी बसंत कुमार का पक्ष लेते हुए लड़कों को वहां से भगा दिया इस धक्का -मुक्की भागते हुए युवकों ने धमकी देते हुए वहां से गया। करीब आधा पौन घंटा बाद 15 से 20 की संख्या में सारे युवक जिसमें झगड़ा करने वाले युवक भी शामिल थे, धारदार हथियारों के साथ वहां पहुंचा, युवकों को देखकर उपस्थित ग्रामीण वहां से भाग खड़े हुए बताया जाता है कि दामोदर गोप जो किसी फैक्ट्री में काम करता था नाइट शिफ्ट में काम करने के बाद अपने घर के पास पेड़ के नीचे बैठ कर सुस्ता रहा था, मृतक दामोदर गोप को इन सब घटनाओं की जानकारी भी नहीं थी इसलिए वह वहां बैठा रह गया आरोपी दामोदर को पकड़ लिया एवं चाकू से कई बार कर दिया जब बचाने के लिए ग्रामीण व परिवार वाले पहुंचे तब तक सारे युवक वहां से भागने लगे, इसी दौरान दो आरोपियों का बाइक स्टार्ट नहीं होने के कारण ग्रामीणों के हत्या चढ़ गया। जैसे ग्रामीणों द्वारा मारपीट करने के बाद पुलिस को सौंपा गया। इस बर्बर हमले में गंभीर रूप से घायल दामोदर ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सात अन्य अपराधियों को भी पकड़ लिया। 7 आरोपियों को हिरासत में लिया जा चुका है, और अन्य की तलाश में छापेमारी जारी है। दूसरी और घटना का राजनीतिक कारण भी जोर-जोर से होने लगा सारे अपराधी किसी एक समुदाय के होने के कारण जमकर राजनीति भी किया जा रहा है। घटना के सूचना मिलने है रविवार को जयराम महतो की इंट्री होती है जयराम महतो द्वारा कहा गया के गिरिडीह समेत पूरे झारखंड में अपराधी बेखौफ हो चुका है, हत्या अब दिनदहाड़े होने लगी है। उन्होंने पुलिस से सारे अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने की मांग किया। सुरक्षा का दावा, लेकिन सवाल बरकरार। हत्या के बाद मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एसडीपीओ जितवाहन उरांव और डीएसपी नीरज कुमार सिंह के नेतृत्व में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। हालांकि, घटना ने इलाके में कानून व्यवस्था को लेकर गहरी चिंता पैदा कर दी है। ग्रामीणों का कहना है, अगर पुलिस सतर्क होती तो यह घटना नहीं होती। हमें सुरक्षा चाहिए, सिर्फ दावे नहीं।

इस निर्मम हत्या ने गिरिडीह के लोगो को झकझोर कर रख दिया है। वहीं दूसरी ओर ऐसी घटनाओं से सीसीएल खदान में काम करने वाले आउटसोर्सिंग कर्मचारी एवं सीसीएल कर्मचारियों में भय और असुरक्षा का माहौल बना दिया है। पुलिस प्रशासन पर अब यह दबाव है कि वह दोषियों को जल्द से जल्द सजा दिलाए और इलाके में सुरक्षा का भरोसा बहाल करे।

कुल सात आरोपियों की गिरफ्तारी हुई : एसपी

गिरिडीह (निस)। सीसीएल के कबरीबाद माइंस के समीप हुए चाकूबाजी की घटना में दामोदर यादव की इलाज के दौरान मौत होने से जहां एक ओर स्थानीय लोगों में आक्रोश है। वहीं दूसरी ओर मामले को गंभीरता से लेते हुए मुफ्फसिल थाना पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। शनिवार की शाम प्रेसवार्ता आयोजित कर गिरिडीह पुलिस अधीक्षक डॉ विमल कुमार ने बताया कि दामोदर यादव हत्याकांड में अब तक कुल सात आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। वहीं हत्याकांड में कुछ और लोगों के शामिल होने की बात सामने आई है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि हत्याकांड के 24 घंटे के अंदर सातों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अपराधियों में मो0 ताजउद्दीन उर्फ बिट्ठू, मो० एहसान अंसारी, मो० ताजउद्दीन उर्फ ताज, मिथुन हाड़ी, मोहन कुमार पासवान उर्फ रितिक, मो० समीर एवं मो० तौगिक विदित हो कि शनिवार को कबरीबाद माइंस में ब्लास्टिंग के दौरान ग्रामीणों ने ब्लास्टिंग की जगह पर जाने से रोका था। जिसके बाद वे लोग पांच से छह बाइक पर सवार होकर वापस आए थे और दामोदर यादव के ऊपर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया था। इसके बाद धनबाद में इलाज के दौरान दामोदर की मौत हो गई थी।

संताल काटा पोखर में धूमधाम से मनाया गया संताल परगना स्थापना दिवस

दुमका (एप)। संताल हूल अखड़ा के तत्वधान में रानेश्वर प्रखंड के दिगुली गांव स्थित संताल हूल के ऐतिहासिक शहीद स्थल संताल काटा पोखर में 169 वां संताल परगना स्थापना दिवस धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जानकारी हो कि इस दिन की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता बहुत खास है क्योंकि यह दिन भारतीय इतिहास के उस अध्याय से जुड़ा है, जब आदिवासी समुदाय ने अपने अस्तित्व, अधिकार और अस्मिता की रक्षा के लिए ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ एक अद्वितीय संघर्ष किया था। संताल हूल (1855) के विद्रोह के परिणामस्वरूप, ब्रिटिश सरकार को मजबूर होकर संताल परगना नामक एक अलग प्रशासनिक क्षेत्र का गठन करना पड़ा। इस क्षेत्र को विशेष रूप से संताल आदिवासियों के अधिकारों और उनके सांस्कृतिक, सामाजिक और भूमि संबंधी अधिकारों की रक्षा के लिए बनाया गया था। संताल परगना की स्थापना का सीधा संबंध 1855 के संताल हूल से है। यह विद्रोह ब्रिटिश हुकूमत, स्थानीय जमींदारों और महाजनों के अत्याचारों के खिलाफ सिदो मुर्मू, कान्हू मुर्मू, चाँद मुर्मू, भैरव मुर्मू,फूलो मुर्मू और झानो मुर्मू के नेतृत्व में हुआ था। जो सभी एक ही परिवार के थे । संताल आदिवासी समुदाय अपनी भूमि, जल, जंगल और आजीविका की सुरक्षा के लिए एकजुट हुआ और ब्रिटिश प्रशासन के खिलाफ एक सशक्त आंदोलन खड़ा किया। संताल परगना का गठन संताल हूल के बाद, ब्रिटिश प्रशासन ने महसूस किया कि आदिवासी समुदाय को दबाने के लिए केवल सैन्य बल ही पर्याप्त नहीं है। आदिवासियों के भूमि, जंगल और संस्कृति के प्रति विशेष लगाव को देखते हुए, ब्रिटिश शासन ने एक नई रणनीति अपनाई। 22 दिसंबर 1855 को, ब्रिटिश सरकार ने संताल परगना क्षेत्र को एक स्वतंत्र प्रशासनिक इकाई के रूप में स्थापित किया। इस इकाई के भूमि और सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा के लिए संताल परगना काश्तकारी अधिनियम बनाया गया। संताल परगना काश्तकारी अधिनियम सिर्फ आदिवासियों पर लागू नहीं होता है, बल्कि यह अधिनियम आदिवासी समुदाय के अलावे सभी समुदाय के काश्तकारों (किसानों) और भूमि धारकों पर भी लागू होता है जो संताल परगना क्षेत्र के भीतर भूमि का उपयोग करते हैं। इसका उद्देश्य भूमि पर आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा करना था, लेकिन इसके नियम और प्रावधान अन्य समुदाय के काश्तकारों पर भी लागू होते हैं। जानकारी हो कि संताल परगना क्षेत्र पहले एक ही जिला हुआ करता था जो अब झारखंड के छह जिलों में विभाजित हो गया है। इसमें दुमका, साहिबगंज, गोड्डा, पाकुड़, जामताड़ा और देवघर जिला शामिल है। इस अवसर पर संताल हूल के ऐतिहासिक शहीद स्थल संताल काटा पोखर में सिदो मुर्मू, कान्हू मुर्मू, चाँद मुर्मू, भैरव मुर्मू,फूलो मुर्मू और झानो मुर्मू के साथ संताल काटा पोखर में शहीद गुमनामो के नाम आदिवासी रीतिरिवाज के साथ श्रद्धांजलि दिया गया।

एफसी इलेवन डायनामाइट ने किंगफिशर पोटका को 2-1 से रौंदा, ट्रॉफी पर जमाया कब्जा

पाकुड़ (एप्र)। सदर प्रखंड अंतर्गत शहरकोल पंचायत के गोकुलपुर में चांद भैरों क्लब गोकुलपुर के द्वारा आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल चैंपियनशीप का फाइनल मुकाबला रविवार को खेला गया। इस खास अवसर पर रंगारंग कार्यक्रम आयोजित कर फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन किया गया।फाईनल मुकाबला एफसी किंगफिशर पोटका उड़ीसा बनाम इलेवन डायनामाइट पश्चिम बंगाल के बीच खेला गया। जिसमें एफसी इलेवन डायनामाइट पश्चिम बंगाल 2-1 गोल से विजयी हुआ। इस समापन कार्यक्रम में बतौर चीफ गेस्ट पाकुड़ शहर के विख्यात समाजसेवी लुत्फल हक ने विजेता टीम एफसी इलेवन डायनामाइट को चार लाख रुपए और कप देकर सम्मानित किया। जबकि उप विजेता टीम एफसी किंगफिशर टीम को बीडीओ सदर समीर अलफ्रेड मुर्मू ने तीन लाख रुपए और कप देकर सम्मानित किया। वहीं सेमी फइनल में पहुंचने वाली विजेता और उप विजेता टीम को 75-75 हजार रुपए देकर सम्मानित किया गया। शहरकोल फुटबॉल मैदान में आयोजित तीन दिवसीय फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल मुकाबला में पच्चीस हजार से अधिक दर्शकों की भीड़ थी। आयोजकों को पुलिस का सहारा लेना पड़ा। मैदान के चारों तरफ जिला पुलिस बल को तैनात किया गया। थाना प्रभारी नगर दिलीप बास्की, सनातन मांझी खुद भीड़ को नियंत्रित करने में लगे थे। मुख्य सड़क पर जाम से निजात पाने के लिए तीन तीन ट्रेफिक जवान को तैनात किया गया था। फुटबॉल चैंपियनशिप कार्यक्रम में खेल मैदान में आदिवासी नृत्य और संगीत प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। महिलाओं के द्वारा घड़ा रेस, नाटक मंचन, आदिवासी नृत्य, बच्चों, युवाओं और महिलाओं का रेस आयोजित किए गए थे। जिसमें प्रथम और दूसरे स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

रामगढ़ एप्र। बीते शनिवार को जमीन विवाद सुलझाने रामगढ़ बाजार पहुंचे समाजसेवी जितलाल राय के साथ महिलाओं द्वारा मारपीट करने तथा पोल से बांधने के साथ ही गलत

आरोप लगाकर जितलाल राय पर मामला दर्ज कराने का मामला तूल पकड़ता दिखाई दे रहा है। रविवार को मोहनपुर स्थित जितलाल के आवास पर सैकड़ों की संख्या में पहुंचे भुईयां, घटवार, घटवाल संगठन के लोगों ने शनिवार की घटना का विरोध करते हुए राघव राय के साथ घटना में शामिल सभी आरोपियों की त्वरित गिरफ्तारी की मांग पुलिस प्रशासन से की है। साथ ही जितलाल राय पर लगाए गए छेड़खानी के आरोप को निराधार एवं बेबुनियाद बताते हुए पुलिस के वरीय पदाधिकारी से जांच करने की मांग की है। संगठन के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष नागेन्द्र राय ने कहा कि अगर प्रशासन जितलाल राय पर गलत मुकदमा दर्ज करती है तो पूरा भुईयां समाज रामगढ़ थाना परिसर में आमरण अनशन करेगा।

मंडलडीह टीम ने टूर्नामेंट पर जमाया कब्जा

रामगढ़ एप्र। दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता के फाइनल मैच का उद्घाटन जामा विधानसभा के विधायक डॉ. लुईस मरांडी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इससे पूर्व विधायक डॉ. लुईस मरांडी जी ने वीर सिद्धो - कान्हू की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वीर सपूतों को नमन किया। मौके पर उनका भव्य स्वागत किया गया। प्रतियोगिता के विजेता मंडलडीह टीम को विधायक डॉ. लुईस मरांडी जी ने पुरस्कृत किया। वहीं उपविजेता गरडी सी टीम को शिवलाल मरांडी, अभय कुमार सिंह, छोटेलाल मंडल, तृतीय पुरस्कार विजेता राजापाथर टीम को गुरु टुडू, लोबिन टुडू ने संयुक्त रूप से पुरस्कृत किया। मौके पर मुख्य रूप से झामुमो रामगढ़ प्रखंड अध्यक्ष शिवलाल मरांडी, झामुमो दुमका जिला उपाध्यक्ष अभय कुमार सिंह, छोटेलाल मंडल, मुखिया गुरु टुडू, निरंजन जायसवाल, पवनचंद्र मांझी, लोबिन टुडू, रामानंद महतो, अर्जून मुर्मू, हेमलाल सोरेन, सिद्धू-कान्हू स्पोर्टिंग क्लब गरडी सह फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजन समिति के राजकुमार टुडू, पलटन मुर्मू, मार्शल टुडू, बबलू हांसदा सहित हजारों महिला-पुरुष दर्शक उपस्थित रहे।

रेड क्रॉस सोसाइटी ने जरूरतमंदों के बीच बांटे कंबल

मधुपुर (निसं)। स्थानीय भारतीय रेड क्रास सोसायटी शाखा मधुपुर के तत्वाधान में रविवार को जरुरतमंद लोगों के बीच ठंड के मौसम को देखते हुए कंबल का वितरण का आयोजन किया गया। इस दौरान बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित सोसाइटी के पदेन अध्यक्ष सह एसडीओ राजीव कुमार, पदेन उपाध्यक्ष सह एसडीपीओ सत्येंद्र प्रसाद व कार्यपालक दंडाधिकारी विनय कु पांडेय ने लाभुकों को अपने हाथों कंबल प्रदान किया। सचिव महेंद्र घोष ने बताया कि समाजसेवी अरुण गुटगुटिया के

द्वारा बॉडी फ्रीजर व आजीवन सदस्य अजीत साह के द्वारा एयर बैग व बेड रेड क्रॉस को सहयोग के रूप में दिया गया है। साथ ही समाजसेवी व सोसायटी के सदस्यों के सौजन्य से प्राप्त कंबल को बुजुर्ग महिला व पुरुष जरूरतमंद के बीच बांटा गया है। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष मोती सिंह, पूर्व प्रमुख सुबल प्रसाद सिंह, अरविंद तिवारी, पूर्व नप अध्यक्ष फैयाज केशर, एस एन सिंह, रामसेवक पासवान, एनुल होदा, मो. शाहिद फेकू, श्रीकांत मंडल, संतोष दे, रंजन सिन्हा, शाहिद अल्मी, मोहम्मद सुल्तान उर्फ दिलीप, दीपक मिश्रा, सबिला अंजुम, सुचेता घोष, सुनीता जयसवाल, राकेश वर्मा, अनिल शर्मा, सरोज शर्मा, शारदा सिन्हा, दसरथ रवानी, शिव कुमार राय, मोहम्मद कमरान, राजेश कुमार, सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

पीटीजी योजना के तहत हुआ अनाज का वितरण

रानीश्वर एप्र। दुमका के रानीश्वर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत प्रखंड के अंचलाधिकारी सह प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सदा नुसरत ने रविवार को पीटीजी योजना के तहत कई लाभुकों के बीच चावल-दाल का वितरण किया गया। बता दें, आदिम जनजाति पहाड़िया लाभुकों को चावल, दाल व धोती-साड़ी का वितरण किया जाना है। प्रति कार्ड पर 35 किलोग्राम चावल में बगैर कटौती के ही देना है।

गणितज्ञ रामानुजन की जयंती मनाई गई

मधुपुर (निसं)। भेड़वा स्थित इंस्पायर क्लासेस द्वारा भारत के महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती व राष्ट्रीय गणित दिवस को समारोह पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षकों तथा बच्चों ने रामानुजन जी की तस्वीर पर मल्यार्पण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पण किया।

हिन्दी दैनिक
श्वेत पत्र
आपकी बात सच के साथ
देवघर, सोमवार , 23 दिसंबर, 2024

संक्षिप्त समाचार

किआ की नई एसयूवी सिरोस बाजार में पेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। किआ मोटर्स ने अपनी नई एसयूवी सिरोस को बाजार में पेश किया है। इस मॉडल का लॉन्च ऑटो एक्सपो 2025 में किया जाएगा। किआ इस एसयूवी के जरिए अपनी दो अन्य एसयूवी मॉडल्स, सेल्टॉस और सोनेट, के बीच के ग्राहकों को आकर्षित करने की योजना बना रही है। यह एक बी सेगमेंट की एसयूवी है, जिसकी बुकिंग 3 जनवरी 2025 से शुरू होगी, और इसकी डिलीवरी फरवरी 2025 से शुरू हो जाएगी। सिरोस को एचटीके, एचटीके (ओ),एचटीके प्लस, एचटीके एचटीएक्स प्लस औरएचटीएक्स प्लस(ओ) के छह वैरिएंट्स में उपलब्ध कराया जाएगा, और यह 8 आकर्षक रंगों में उपलब्ध होगी। डिजाइन के मामले में, किआ ने एसयूवी सिरोस को खासतौर पर स्पेशियस बनाने की कोशिश की है। इस एसयूवी की फ्रंट डिजाइन को बेहद बोल्ड और आकर्षक बनाया गया है, जिसमें वर्टिकल आइस क्यूब एलईडी हेडलाइट्स और बड़ा एलईडी डीआरएल शामिल हैं। इसके फ्रंट में शानदार लुक के साथ हाई सेट बोनट, बंपर में सिल्वर एलिमेंट्स और एडवांस ड्राइविंग असिस्टेंस सिस्टम के लिए रडार मॉड्यूल दिए गए हैं। इसकी साइड प्रोफाइल में लंबी रूफ टेल, ब्लैक बॉडी क्लैडिंग और 17 इंच के अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। इसके अलावा, डबल पैन पैनोरमिक सनरूफ और केबिन में 30 इंच का पैनोरमिक स्क्रीन सेटअप भी उपलब्ध है, जो वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले कनेक्टिविटी को सपोर्ट करता है। सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो किआ ने सिरोज में 6 स्टैंडर्ड एयरबैग्स और 360 डिग्री कैमरा सुविधा दी है। इसके अलावा, इसमें ऑटो होल्ड के साथ इलेक्ट्रिक पार्किंग ब्रेक की भी सुविधा है। इंजन के विकल्प में, किआ सिरोस में 1.5 लीटर डीजल इंजन दिया गया है, जो 116 बीएचपी की पावर और 250 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। पेट्रोल विकल्प में 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन मिलेगा, जो 120 बीएचपी की पावर और 172 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। यह एसयूवी 6-स्पीड मैनुअल, 7-स्पीड डीसीटी और 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन गियरबॉक्स के साथ उपलब्ध होगी।

तीसरी तिमाही के नतीजे कमजोर होने की आशंका से शेयर बाजार में घबराहट

मुंबई (एजेंसी)। दिसंबर माह में समाप्त होने वाली तीसरी तिमाही के कमजोर नतीजे को लेकर शेयर बाजार का ब्लड प्रेशर बढा हुआ है। दिसंबर माह में शेयर बाजार की जो स्थिति है। वह जुलाई और सितंबर तिमाही के नतीजे के कारण है। जब दिसंबर में समाप्त होने वाली तीसरी तिमाही के नतीजे आएंगे। तब शेयर बाजार में और भी बड़ी उथल-पुथल होने की संभावना आर्थिक विशेषज्ञों द्वारा जताई जा रही है।जिस तेजी के साथ शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। उसका सिलसिला जल्द थमेगा, ऐसा दिखता नहीं है सिर्फ 5 दिनों में शेयर बाजार में 4092 अंक की गिरावट आई है। हाल ही के महीने में जो आर्थिक आंकड़े सामने आ रहे हैं। वह जीडीपी के हों, या महंगाई के सभी ओर से नकारात्मक आंकड़े मिल रहे हैं। डॉलर के मुकाबले रुपया बहुत कमजोर हो चुका है। आयातित सामान मे अब और ज्यादा पैसा भारत को खर्च करना पड़ेगा। जिसके कारण भारत में महंगाई बढ़ने की आशंका बन गई है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार लगभग 6 माह तक शेयर बाजार की यही स्थिति बनी रह सकती है। केंद्र सरकार के बजट आने के बाद और केंद्र सरकार द्वारा इस स्थिति से निपटने के लिए कौन से प्रयास किये जा रहे हैं। उसको देखने के बाद ही शेयर बाजार के बारे में कुछ कहा जा सकता है। आर्थिक विशेषज्ञों की माने, तो अभी शेयर बाजार भगवान भरोसे है।इस तरह की गिरावट इसके पहले कभी नहीं देखी गई। बिकवाली और आर्थिक मंदी के कारण शेयर बाजार का ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ है। आने वाले दिनों में शेयर बाजार में कुछ भी हो सकता है। इसका असर बैंकों और बीमा क्षेत्र में भी पडने की संभावना जताई जा रही है।भारत की आर्थिक स्थिति 2008 की अमेरिका की आर्थिक मंदी जैसी स्थिति में पहुंचती हुई दिख रही है। जिसके कारण आर्थिक जगत में घबराहट मची हुई है।

एलआईसी के पास लावारिस पड़े 880 करोड़ रुपए अब तक लगभग 3,72,282 बीमा ली गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में बिना दावा किए पड़ी परिपक्वता राशि जो मिली थी, वह 880.93 करोड़ रुपये थी। इस समय तक लगभग 3,72,282 पॉलिसीधारकों ने बीमा पॉलिसियां ली थीं, लेकिन मैच्योरिटी पर पैसे निकलवाए नहीं। अगर किसी पॉलिसीधारक ने तीन साल से अधिक समय तक कोई लाभ नहीं प्राप्त किया तो वो राशि बिना दावा की गई मानी जाती है और अगर पैसा 10 साल से अधिक समय तक बिना दावा के रह जाता है, तो वह पूरी राशि सरकार के सीनियर सिटिजन वेलफेयर फंड में स्थानांतरित कर दी जाती है। लेकिन अनक्लेम्ड राशि होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। एलआईसी अपने पॉलिसीधारकों तक पहुँचने और अनक्लेम्ड राशियों का निपटारा करने के लिए जागरूकता अभियानों और डिजिटल माध्यमों का सहारा ले रही है। अगर आपके भी किसी एलआईसी पॉलिसी पर अनक्लेम्ड पैसा है, तो आपको एलआईसीकार्यालय जाकर आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। सभी एलआईसी पॉलिसीधारकों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी पॉलिसी की स्थिति को समय-समय पर जांचते रहें ताकि उनकी मेहनत की कमाई सुरक्षित रहे और उन्हें अपने भविष्य के लिए भी सुरक्षा मिले। अब एलआईसी ने जनता को ऑनलाइन भी सुविधा दी है, जिससे कोई भी पॉलिसेधारक घर बैठे अपनी पॉलिसी की स्थिति जान सकता है।

देश के नौ प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री में 21 फीसदी गिरावट की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। रियल एस्टेट की एक आंकड़ा विश्लेषक कंपनी ने जारी की एक रिपोर्ट में कहा है कि देश के प्रमुख नौ आवास बाजारों में अक्टूबर से दिसंबर तिमाही के दौरान घरों की बिक्री में 21 फीसदी की गिरावट की संभावना है। इसका कारण उच्च आधार प्रभाव है, जिसके कारण लगभग 1.08 लाख इकाई रह जाएगी। कंपनी ने दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, नवी मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई, और ठाणे के लिए बिक्री आंकड़े जारी किए हैं। दिल्ली-एनसीआर में ही बिक्री में वृद्धि की संभावना है जबकि अन्य शहरों में गिरावट की संभावना है। जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार कुल बिक्री तिमाही में 1,08,261 इकाई रह जाने की संभावना है, जो पिछले साल से कम है। हालांकि, सितंबर तिमाही में बिक्री में पांच प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है। रिएल स्टेट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उच्च आधार प्रभाव के कारण बिक्री में गिरावट आई है, लेकिन त्योहारी मांग के कारण इसमें सुधार हो सकता है। वे ने दावा किया कि आपूर्ति-खपत अनुपात मजबूत और स्वस्थ है, जिससे रियल एस्टेट क्षेत्र में स्थिरता बनी रहेगी। हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, कोलकाता, और पुणे में भी बिक्री में गिरावट की संभावना है। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर में बाजार इस रुझान को बदलने के लिए तैयार है और बिक्री में वृद्धि की संभावना है। यह आंकड़े रियल एस्टेट बाजार की मानें और इस क्षेत्र में संवेदनशीलता का पूरा काम करते हैं। देश विस्तार से यह गिरावट के संकेत के रूप में देखी जा सकती है, जो क्षेत्र के निर्माण और विकास की दिशा में महत्वपूर्ण है।

वैश्विक रुझान, एफआईआई की गतिविधियां तय करेंगी शेयर बाजार की दिशा

मुंबई (एजेंसी)।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुझान और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियों से तय होगी। विश्लेषकों ने कहा है कि इस कम कारोबारी सत्र वाले सप्ताह में घरेलू मोर्चे पर कोई प्रमुख घटनाक्रम नहीं है। ऐसे में बाजार भागीदारों की नजरें वैश्विक संकेतकों पर रहेगी। बाजार के एक वरिष्ठ शोध विश्लेषक ने कहा कि आगे की ओर देखें तो घरेलू मोर्चे पर किसी बड़े संकेतक का अभाव है। हालांकि, कुछ वैश्विक संकेतक बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसमें अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल, डॉलर इंडेक्स का प्रदर्शन, बेरोजगारी दावे और नए घरों की बिक्री के आंकड़े शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बाजार में उतार-चढ़ाव का सिलसिला चल रहा है। साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशक लगातार बिकवाल बने हुए हैं। ऐसे में निवेशकों द्वारा सतर्क रुख अपनाए जाने की उम्मीद है। हालिया कमजोरी के रुख के बावजूद बाजार का दृष्टिकोण सतर्क रूप से आशावादी बना हुआ है। हालांकि, एफआईआई की लगातार बिकवाली ने बाजार पर दबाव बढ़ा दिया है। बाजार के जानकारों ने कहा कि एफआईआई का रुख अचानक से लिवाल से बिकवाल का हो गया, जिससे बाजार प्रभावित हुआ है। विश्लेषकों ने कहा कि रुपये-डॉलर का रुख और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों का रहेगा। बाजार भागीदारों की निगाह एफआईआई के प्रवाह और वैश्विक बाजारों के प्रदर्शन पर रहेगी। बाजार के जानकारों ने कहा कि भारतीय बाजार में कमजोरी बने रहने की संभावना है। उतार-चढ़ाव के बीच बाजार की निगाह वैश्विक संकेतकों पर रहेगी। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन आ रहा है और वैश्विक बाजारों में दो-तीन दिन अवकाश रहेगा। ऐसे में स्थानीय बाजार में भी गतिविधियां सुस्त रहेंगी।

इस साल आईपीओ बाजार में 90 कंपनियों ने रिकॉर्ड 1.6 लाख करोड़ जुटाए

मुंबई (एजेंसी)। आर्थिक वृद्धि की रफ्तार और अनुकूल बाजार परिस्थितियों के साथ, 2024 में आईपीओ के बाजार में भारी चल रही है। इस साल कंपनियों ने आईपीओ के माध्यम से भारी राशि जुटाई है। इस वृद्धि में निवेशकों का भरोसा और नियामकीय ढांचे में सुधार का महत्वपूर्ण योगदान है। साल के दौरान कंपनियों ने आईपीओ के जरिये रिकॉर्ड 1.6 लाख करोड़ रुपये की राशि जुटाई है। एक्सचेंज के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, 2024 में 90 आईपीओ आए जिनके जरिये सामूहिक रूप से 1.6 लाख करोड़ रुपये जुटाए गए। माना जा रहा है कि अगला साल भी आईपीओ के लिए काफी अच्छा रहेगा। आईपीओ के लिए असाधारण रहा यह साल न केवल निर्गम लाने वाली कंपनियों के भरोसे को दशार्ता है, बल्कि इससे निवेशकों के विश्वास का भी पता चलता है। आईपीओ ने न केवल निगमों के भरोसे को बल्कि निवेशकों के विश्वास को भी प्रमाणित किया है। निवेशकों ने सिर्फ लाभ कमाने के लिए नहीं बल्कि दीर्घकालिक निवेश के लिए भी कंपनियों में विश्वास जताया है। हुंदै मोटर इंडिया का ऐतिहासिक 27,870 करोड़ रुपये का आईपीओ इस साल का सबसे बड़ा आईपीओ हुआ है। छोटी, मझोली और बड़ी कंपनियों ने साझेदारी जुटाते हुए धन जुटाया है। निवेशकों की बढ़ती भागीदारी के साथ आईपीओ के बाजार में आने वाले साल में भी तेजी की संभावना है। साल के तैयारी में हैं कंपनियां, जो आईपीओ के माध्यम से और अधिक धन जुटाने की सोच रही हैं।

गरीबों की मदद के लिए चावल पर जीएसटी घटाया : निर्मला सीतारमण

जैसलमेर (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक के बाद बड़े फैसले किए। उन्होंने घोषित किया कि चावल पर कर दर को 18 से 5 प्रतिशत कम किया जाएगा। इसके साथ ही, जीवन रक्षक जीन थेरेपी और एसएएम मिसाइलों के लिए उपयोग होने वाले पुर्जों पर जीएसटी छूट की अवधि भी बढ़ा दी गई है। सभी एसएएम मिसाइलों के निर्माण में उपयुक्त पुर्जों को जीएसटी से छूट दी जाएगी। उन्होंने छोटे व्यवसायों की मदद के लिए कई और कदम उठाए, जैसे 2,000 रुपये से कम के लेन-देन के लिए छूट देना। वित्त मंत्री ने महसूस किया कि ई-कॉमर्स कंपनियों और खाद्य पदार्थों की डिलीवरी सेवाओं पर जीएसटी को लेकर और चर्चा होनी चाहिए। इसके साथ ही, बैठक में और विस्तृत चर्चा की जाएगी। वित्त मंत्री ने उधारकताओं के लिए भी शुल्कों में कई बदलाव की घोषणा की। उन्होंने संशोधन के लिए एक अवधारणा नोट को मंजूरी दी और वस्तुओं की परिभाषा को स्पष्ट करने के उद्देश्य के साथ खुदरा बि के लिए पहले से पैक और लेबल वाली वस्तुओं की परिभाषा में संशोधन किया। इन सभी निर्णयों से सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में सुधार करने का निशाना साबित किया है।

प्रमुख कार निमार्ता कंपनियां देगी चालू महीने में अपनी इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर शानदार छूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कई प्रमुख कार निमार्ता कंपनियां चालू महीने में अपनी इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर शानदार छूट दे रही हैं। टाटा मोटर्स, महिंद्रा और एमजी मोटर्स जैसे बड़े ब्रांड्स ग्राहकों को डिस्काउंट और एक्सचेंज ऑफर के जरिए आकर्षित कर रहे हैं। टाटा मोटर्स अपनी पॉपुलर इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर भारी छूट दे रहा है। टाटा टियागो ईवी और टिगोर ईवी पर 1.15 लाख रुपये तक की छूट मिल रही है। इसके अलावा एमवाय-23 (मॉडल ईयर 2023) के स्टॉक पर 2 लाख रुपये तक का एक्सचेंज बोनस भी दिया जा रहा है। टाटा पंच ईवी के बेस वेरिएंट पर 25 हजार रुपये और टॉप वेरिएंट पर 70 हजार रुपये तक की छूट मिल रही है। वहीं, टाटा नेक्सन ईवी के एमवाय2023 प्री-फेसलिफ्ट वेरिएंट्स पर 3 लाख रुपये तक की छूट दी जा रही है। महिंद्रा की इलेक्ट्रिक एसयूवी एक्सयूवी 400 पर 3.10 लाख रुपये तक का ऑफर मिल रहा है। दोनों बैटरी पैक वेरिएंट्स पर यह डिस्काउंट उपलब्ध है। वहीं, एमजी मोटर्स अपनी इलेक्ट्रिक गाड़ियों पर भी बेहतरीन ऑफर दे रहा है। एमजी कामेट ईवी पर 75 हजार रुपये तक की छूट मिल रही है, जबकि एमजी झेडएस ईवी पर 1.5 लाख रुपये से लेकर 2.25 लाख रुपये तक की छूट दी जा रही है। बता दें कि दिसंबर का महीना कंपनियों के लिए पुराने स्टॉक को क्लियर करने का समय होता है।

टाटा मोटर्स और बजाज ऑटो को पीछे छोड़ा जोमैटो ने

मुंबई (एजेंसी)। फूड डिलीवरी एग्रीगेटर जोमैटो ने टाटा मोटर्स और बजाज ऑटो को पछाड़ दिया है। जोमैटो 30 कंपनियां वाली सूची में 27 नंबर पर पहुंच गई है। इन दोनों दिग्गज कंपनियों से जोमैटो का मार्केट कैप बड़ा हो गया है।जोमैटो 2.78 लाख करोड रुपए मार्केट कैप की कंपनी बन गई है। टाटा मोटर्स का मार्केट कैप बीएसई में 2.73 लाख करोड़ का है। वही बजाज ऑटो का 2.50 लाख करोड़ का है। 30 शेयर वाली सूची में जोमेटो शामिल हो जाएगी। वहीं 30 शेयर वाली सूची से जेएसडब्ल्यू स्टील बाहर हो जाएगी। 2024 में जोमैटो के शेयर में लगातार तेजी देखने को मिली। निवेशकों का निवेश दोगुना से ज्यादा हो गया है। 2023 में 124 रुपए के शेयर में 135 फीसदी की वृद्धि हुई है।जुलाई 2008 में यह कंपनी बनी थी। 5 दिसंबर 2024 को इस कंपनी का शेयर 304.50 पैसे पर पहुंच गया। मार्केट कैप के हिसाब से यह कंपनी 27 वें नंबर पर आ गई है।

बिहार में हजारों करोड़ों का निवेश करेगा अडाणी समूह, बिजली, गैस, ईवी और लॉजिस्टिक कारोबार में

पटना (एजेंसी)। उद्योगपति गौतम अदाणी की अगुवाई वाले अदाणी समूह ने बिहार में 20,000 करोड़ रुपये के निवेश से एक अत्याधुनिक बिजलीघर स्थापित करने का ऐलान किया। इसके अलावा, समूह राज्य में अपने सीमेंट, खाद्य प्रसंस्करण और लॉजिस्टिक कारोबार का भी विस्तार कर रहा है। अदाणी एंटरप्राइजेज लि. के निदेशक प्रणव अदाणी ने कहा, समूह ने बिहार में तीन क्षेत्रों लॉजिस्टिक, गैस वितरण और कृषि लॉजिस्टिक में पहले ही करीब 850 करोड़ रुपये का निवेश किया है। हम अब इन क्षेत्रों में 2,300 करोड़ रुपये का और निवेश करने जा रहे हैं। यह निवेश हमारी ह्यवेयरहाउसिंगह्ल और रखरखाव क्षमता को बढ़ाएगा और इलेक्ट्रिक वाहन, शहरों में गैस वितरण(सीजीडी) तथा कम्प्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) क्षेत्र में हमारी उपस्थिति का विस्तार करेगा। इससे 27,000 अतिरिक्त प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष स्थानीय रोजगार के अवसर सृजित होंगे। अदाणी समूह इसके साथ ही बिहार में गति शक्ति रेलवे टर्मिनल, आईसीडी (अंतदेर्शीय कंटेनर डिपो) और औद्योगिक वेयरहाउसिंग पार्क जैसे रणनीतिक बुनियादी ढांचे के विकास में करीब 1,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा, हम इसके अलावा स्मार्ट मीटर विनिर्माण में निवेश करने जा रहे हैं। बिहार पारंपरिक बिजली मीटर से स्मार्ट मीटर की ओर बढ़ रहा है, इसलिए हम पांच शहरों सीवान, गोपालगंज, वैशाली, सारण और समस्तीपुर में बिजली खपत पर स्वचालित निगरानी की व्यवस्था के लिए 28 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर के विनिर्माण तथा स्थापना को लेकर 2,100 करोड़ रुपये का निवेश करने को तैयार है। इससे इस क्षेत्र में करीब 4,000 स्थानीय नौकरियां सृजित होंगी। उन्होंने कहा कि राज्य में सीमेंट कारोबार का कारखानों में विभिन्न चरणों में 2,500 करोड़ रुपये के निवेश से एक करोड़ टन सालाना क्षमता तक विस्तारित किया जाएगा। अदाणी ने कहा, हम बिहार के ऊर्जा क्षेत्र में निवेश के मौके भी तलाश रहे हैं। हमारी अत्याधुनिक बिजलीघर (अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट) स्थापित करने के लिए करीब 20,000 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि परियोजना के क्रियान्वयन के चरण में कम से कम 12,000 नौकरियों और परिचालन चरण के दौरान लगभग 1,500 कुशल नौकरियों का सृजन होगा।

रॉयल एनफील्ड की 3 नई बाइक्स जल्द होगी लांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल एनफील्ड कंपनी भारतीय बाजार में तीन नई बाइक्स को लॉन्च करने की तैयारी में है। अगर आप भी रॉयल एनफील्ड की नई बाइक खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो आपके लिए यह एक बेहतरीन मौका हो सकता है। पहली बाइक है रॉयल एनफील्ड क्लासिक 650, जो क्लासिक 350 की सफलता को देखते हुए लॉन्च की जाएगी। इस बाइक में 648सीसी का पैरेलल ट्विन इंजन मिलेगा, जो 47.4 बीएचपी की पावर और 52.4 एनएम का टॉर्क जेनरेट करेगा। यह बाइक शानदार परफॉर्मेंस के साथ क्लासिक डिजाइन में होगी और 2025 की पहली तिमाही में लॉन्च होने की उम्मीद है। दूसरी बाइक है रॉयल एनफील्ड बुलेट 650, जो रॉयल एनफील्ड की आइकॉनिक बुलेट सीरीज का बड़ा वर्जन होगी। इसमें 648सीसी ट्विन-सिलेंडर इंजन होगा, जो बेहतरीन राइडिंग अनुभव देगा। इसकी टेस्टिंग भारतीय सड़कों पर हो चुकी है, और इसकी लॉन्चिंग को लेकर उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं। तीसरी बाइक है रॉयल एनफील्ड हिमालयन 650, जो एडवेंचर बाइक प्रेमियों के लिए एक शानदार विकल्प साबित हो सकती है। यह बाइक रॉयल एनफील्ड की पॉपुलर हिमालयन सीरीज का अपग्रेडेड वर्जन होगी और इसमें दमदार इंजन के साथ बेहतर ग्राउंड क्लीयरेंस और एडवेंचर टूरिंग के लिए कई आधुनिक फीचर्स होंगे। इसे 2025 के त्योहारी सीजन में लॉन्च किया जा सकता है। बता दें कि भारतीय बाजार में रॉयल एनफील्ड की बाइक्स हमेशा से आकर्षण का केंद्र रही हैं।

जीएसटी काउंसिल की बैठक में पॉपकॉर्न पर लगेंगे 3 तरह के टैक्स, पॉपकार्न पर फ्लेवर के अनुसार लगाया जाएगा टैक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नेतृत्व में जीएसटी काउंसिल की 55वीं बैठक जैसलमेर में आयोजित हुई, जहां पॉपकॉर्न पर नए टैक्स रेट्स के फैसले लिए गए। इसमें काउंसिल ने पॉपकॉर्न को तीन विभिन्न जीएसटी स्लैब में शामिल करने की योजना बनाई है, जो उसके फ्लेवर के अनुसार होंगे।टैक्स की विवरण इस प्रकार हैं- 1. साधारण नमक और मसालों से तैयार किया गया पॉपकॉर्न (पैकेज्ड और लेबल्ड न हो) पर 5 फीसदी जीएसटी लागू होगा। 2. पैकेज्ड और लेबल्ड साधारण नमक और मसालों वाले पॉपकॉर्न पर 12 फीसदी टैक्स लगेगा। 3. चीनी या सुगर फ्लेवर वाले पॉपकॉर्न पर 18 फीसदी जीएसटी लागू होगा। पॉपकॉर्न का व्यापार न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में भी बड़ा है। बीते साल में भारत में पॉपकॉर्न का व्यापार लगातार बढ़ रहा है और एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में इसका मार्केट 8 अरब डॉलर से अधिक का हो गया है। जीएसटी काउंसिल की बैठक में अन्य फैसले भी लिए गए, जिसमें पुरानी कारों पर 18 फीसदी जीएसटी, फोर्टिफाइड चावल पर 5 फीसदी जीएसटी और जीन थेरेपी के लिए पूरी छूट शामिल हैं। हेल्थ इंश्योरेंस और लाइफ इंश्योरेंस पर जीएसटी की दर कम करने के प्रस्ताव टल गए हैं, जबकि जोमेटो और स्विगी पर ऑनलाइन फूड ऑर्डर करने पर भी कोई राहत नहीं मिली। कुल मिलाकर जीएसटी काउंसिल की बैठक ने व्यापारिक मामलों को ध्यान में रखते हुए पॉपकॉर्न पर टैक्स में बड़े बदलाव किए हैं, जो आम जनता को सीधे असर पहुंचा सकते हैं।

एसयूवी सेगमेंट में अलग पहचान बना चुकी है महिंद्रा थार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में महिंद्रा थार एक प्रतिष्ठित नाम बन चुकी है। एसयूवी सेगमेंट में यह गाड़ी अपनी अलग पहचान बना चुकी है। खासकर अपनी शानदार ऑफ-रोडिंग क्षमता और स्टाइलिश लुक्स के कारण। थार का बॉक्सी और रग्ड लुक इसे एक क्लासिक ऑफ-रोड व्हीकल के रूप में पहचान दिलाता है, जबकि इसके आधुनिक एलिमेंट्स जैसे एलईडी डीआरएल, स्टाइलिश ग्रिल और बड़े अलॉय व्हील्स इसे मजबूती और स्टाइल का बेहतरीन मिश्रण बनाते हैं। महिंद्रा थार में दो इंजन विकल्प उपलब्ध हैं: 2.0-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन और 2.2-लीटर डीजल इंजन, जो दोनों ही पावरफुल और ईंधन दक्ष हैं।

बीते सप्ताह सरसों को छोड़कर बाकी तेल-तिलहनों के भाव टूटे सरसों तिलहन और सरसों दादरी तेल के दाम पूर्वस्तर पर बने रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सर्दियों की मांग की वजह से सरसों पक्की एवं कच्ची घानी तेल में मामूली सुधार होने के अलावा विदेशों में खाद्य तेलों की कीमतें कमजोर रहने के बीच बीते सप्ताह देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में बाकी सभी तेल-तिलहनों के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। सरसों तिलहन और सरसों दादरी तेल के दाम पूर्वस्तर पर बने रहे। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 6,500-6,550 रुपये प्रति क्विंटल पर पूर्ववत बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 13,525 रुपये प्रति क्विंटल पर अपरिवर्तित रहा। लेकिन जाड़े की मांग की वजह से सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 5-5 रुपये के मामूली सुधार के साथ क्रमशः 2,265-2,365 रुपये और 2,265-2,390 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 50-50 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,175-4,225 रुपये और 3,875-3,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 550 रुपये, 550 रुपये और 500 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 12,950 रुपये, 12,700 रुपये और 8,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में पिछले सप्ताहांत के मुकाबले गिरावट देखने को मिली। मूंगफली तिलहन का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 5,825-6,150 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ, वहीं मूंगफली तेल गुजरात 400 रुपये की गिरावट के साथ 14,050 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 2,150-2,430 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। मलेशिया में दाम टूटने की वजह से कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 600 रुपये घटकर 12,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 600 रुपये की गिरावट के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 650 रुपये की गिरावट के साथ 12,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गिरावट के आम रुख के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 550 रुपये की गिरावट के साथ 11,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

भारत में एसआईपी में अच्छी वृद्धि, बढ़ा विश्वास

मुंबई (एजेंसी)। भारत में एसआईपी में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में शुद्ध प्रवाह 233 फीसदी (सालाना आधार) बढ़ा है। इसका मुख्य कारण भारतीय अर्थव्यवस्था की लचीलापन में वृद्धि और भू-राजनीतिक परिस्थितियों में स्थिरता है। आईसीआरए एनालिटिक्स की रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी से नवंबर तक कुल एसआईपी में शुद्ध प्रवाह 9.14 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 233 प्रतिशत की वृद्धि है। नवंबर में रजिस्टर्ड नए एसआईपी की संख्या 49.47 लाख हो गई है, जो 2023 में 30.80 लाख थी। एसआईपी एयूएम ने नवंबर में 13.54 लाख करोड़ रुपये के अंडर मैनेजमेंट रखा, जो पिछले साल के 9.31 लाख करोड़ के मुकाबले है। भारतीय म्यूचुअल फंड (एमएफ) इंडस्ट्री ने भी शुद्ध प्रवाह में 135 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी है। विश्वव्यापी अर्थव्यवस्था में भारत की स्थिति के साथ, आने वाले वर्षों में उद्योग में गुना-गुना वृद्धि की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि घरेलू म्यूचुअल फंड उद्योग में भी उम्मीदें हैं कि निवेशकों में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। शुद्ध एयूएम में भी बड़ी बढ़ोतरी हुई है, जिसके साथ नवंबर में एयूएम पहुंचा 68.08 लाख करोड़ रुपये पर। इक्विटी कैटेगरी के लार्ज कैप फंड में सबसे अधिक वृद्धि हुई है 2547.92 करोड़ रुपये हुआ है।

अमेरिकी-ब्रिटिश नौसेना ने हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हवाई हमला किया, अपना ही विमान मार गिराया

सना, एजेंसी। अमेरिकी-ब्रिटिश नौसेना गठबंधन ने रविवार तड़के यमन के होदेदाह में हूती ठिकानों पर हवाई हमला किया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हमले में होदेइदाह के अल-लुहय्याह क्षेत्र की एक साइट को निशाना बनाया गया, जिसमें आगे कोई विवरण नहीं दिया गया और न ही किसी के हताहत होने की सूचना दी गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने हूती द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी के हवाले से बताया कि गठबंधन ने कथित हमले पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। यूएस सेंट्रल कमांड ने एक्स पर एक बयान जारी कर कहा कि शनिवार रात को सना में हूतियों के मिसाइल भंडारण फैसिलिटी और एक कमांड-एंड-कंट्रोल यूनिट पर सटीक हवाई हमले किए। बयान में कहा गया है कि कमांड बलों ने लाल सागर के ऊपर कई हूती के वन-वे अटैक ड्रोन और एक एंटी-शिप क्रूज मिसाइल को भी मार गिराया। हवाई हमले हूतियों द्वारा मध्य इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइल हमले की जिम्मेदारी लेने के कुछ घंटों बाद हुए। तेल अवीव में हुए हमले में 20 इजरायली घायल हो गए थे। इस बीच, अमेरिकी सेना ने बताया कि नौसेना द्वारा यमन में हवाई हमले किए जाने के दौरान लाल सागर के ऊपर ÷फ्रेंडली फायर÷ में एक अमेरिकी एफ/ए-18 लड़ाकू विमान को गलती से मार गिराया गया।

घटना के दौरान, दो अमेरिकी नौसेना पायलटों को गोली लगी। हालांकि, उन्हें बचा लिया गया, जबकि एक पायलट को मामूली चोट आई। नवंबर 2023 से हूती विद्रोहियों ने इजरायली शहरों पर रॉकेट और ड्रोन हमले जारी रखे हैं और लाल सागर में इजरायल से जुड़े शिपिंग को निशाना बनाते रहे हैं। जवाब में, क्षेत्र में तैनात अमेरिकी नेतृत्व वाली नौसेना गठबंधन सशस्त्र समूह को रोकने के प्रयास में जनवरी से ही हूतियों के ठिकानों पर नियमित हवाई हमले कर रही है। पिछले सप्ताह, हूती सैन्य अधिकारियों ने घोषणा की कि अमेरिकी और ब्रिटिश विमानों ने लाल सागर तट के साथ पश्चिमी यमन में एक रणनीतिक प्रांत होदेदाह के खिलाफ एक नया आक्रमण किया है। रिपोर्ट के अनुसार, सहयोगी बलों ने होदेदाह के दक्षिणी भाग में अत-तुहायता जिले को निशाना बनाया, हालांकि हवाई बमबारी के बारे में विशेष विवरण तुरंत प्रकट नहीं किया गया।

यमन में हूतियों के ठिकानों को निशाना बनाया : अमेरिकी सेना ने शनिवार देर रात यमन की राजधानी सना में एयरस्ट्राइक कर विद्रोहियों के ठिकानों पर हमले किए। इन हमलों में हूती विद्रोहियों के मिसाइल स्टोरेज सेंटर और कमांड सेंटर को निशाना बनाया गया। अमेरिकी सेना के मुताबिक उसने ये एयरस्ट्राइक दक्षिणी लाल सागर, बाब अल-मन्देब और अदन की खाड़ी में अमेरिकी नौसेना के युद्धपोतों और कार्गो शिप हूती विद्रोहियों के हमलों को रोकने के लिए की है। सेना ने बताया कि उसने हूती विद्रहियों के कई ड्रोन और एक क्रूज मिसाइल को भी मार गिराया है। अमेरिका और ब्रिटेन ने पिछले कुछ महीनों में यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हमले तेज किए हैं। अमेरिकी सेना ने बताया था कि एयरक्राफ्ट कैरियर ट्रूमैन 15 दिसंबर को मिडिल-ईस्ट में पहुंच गया है। हालांकि तब ये साफ नहीं किया गया था कि उसे लाल सागर में तैनात किया गया है।

अक्टूबर में बी2 बॉम्बर से हमला किया था। : अमेरिकी एयरफोर्स ने 17 अक्टूबर को यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर बमबारी की थी। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने बताया था कि एयरफोर्स ने बी-2 स्टील्थ बॉम्बर से यमन की राजधानी सना के नजदीक 5 ठिकानों को निशाना बनाया। ऑस्टिन के मुताबिक इस हमले के लिए राष्ट्रपति बाइडेन ने निर्देश दिए थे। ये हमले हूती विद्रोहियों के हथियारों को नष्ट करने के मकसद किए गए थे। हूती विद्रोहियों ने भी हमले की पुष्टि की थी। हालांकि इसमें कितना नुकसान हुआ है इस बारे में उन्होंने जानकारी नहीं दी। हूती के डिप्टी हेड नसरुद्दीन आमेर ने कहा था कि अमेरिका को इसकी कीमत चुकानी होगी। अमेरिका ने हमला करने से एक महीने पहले ही में हिंद महासागर में मौजूद सीक्रेट मिलिट्री बेस डिएगो गार्सिया पर क्र2 स्टील्थ बॉम्बर की तैनाती की थी।

आतंकियों ने पाकिस्तान में मचाया खून-खराबा, 16 सैनिक मार डाले; कई घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के दक्षिण वजीरिस्तान जिले में शनिवार तड़के आतंकियों ने एक सुरक्षा चेक पोस्ट पर हमला कर दिया। इस हमले में पाकिस्तानी सेना के 16 सैनिक मारे गए, जबकि 8 अन्य घायल हुए हैं। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, यह हमला आतंकवादियों के संगठित और घातक योजना का हिस्सा था।

हालिया घटनाओं से जुड़ा मामला : इस हमले से कुछ दिन पहले पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने सरारोगा क्षेत्र में एक खुफिया-आधारित अभियान चलाया था। इस अभियान में सुरक्षा बलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया था और दो अन्य को गिरफ्तार किया था। सूत्रों ने बताया कि आतंकवादियों ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे दक्षिणी वजीरिस्तान जिले के माकेन में लिटा सार चेक पोस्ट पर हमला किया।

आतंकवाद प्रभावित क्षेत्र : दक्षिण वजीरिस्तान पाकिस्तान के सात अर्ध-स्वायत्त जनजातीय क्षेत्रों में से एक है। यह क्षेत्र लंबे समय से आतंकवादियों के लिए शरणस्थली रहा है। यहां पाकिस्तानी सेना एक दशक से भी अधिक समय से प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े आतंकवादियों के खिलाफ अभियान चला रही है।

बढ़ती चुनौतियां : इस हमले ने एक बार फिर पाकिस्तान के आतंकवाद प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियों को उजागर किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह हमला आतंकवादियों की सक्रियता को रोकने के लिए किए जा रहे अभियानों का प्रतिशोध हो सकता है। सरकार और सुरक्षा एजेंसियां फिलहाल इस घटना की जांच कर रही हैं और क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

बस और ट्रक की टक्कर में 38 लोगों की मौत

साओ पाउलो, एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी ब्राजील के मिनास गेरैस राज्य में एक राजमार्ग पर बस और ट्रक की टक्कर में 38 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मिनास गेरैस अग्निशमन विभाग ने बताया कि शनिवार सुबह हुए इस हादसे में घायल 13 अन्य लोगों को टियोफिलो ओटोनी शहर के पास के अस्पतालों में ले जाया गया। बताया जा रहा है कि बस साओ पाउलो से चली थी और उसमें 45 यात्री सवार थे। अधिकारियों ने कहा कि जांच के बाद ही दुर्घटना का कारण स्पष्ट हो सकेगा। प्रत्यक्षदर्शियों ने बचाव दल को बताया कि बस का टायर फटने से बस अनियंत्रित हो गई और एक ट्रक से टकरा गई। हादसे के दौरान एक कार भी उस बस से टकरा गई, कार में तीन यात्री सवार थे और तीनों की जान बच गई। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने घटना पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने शनिवार को एक बयान जारी करके कहा ,'' मुझे बेहद अफसोस है और मैं दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं।'' परिवहन मंत्रालय के अनुसार, इस वर्ष ब्राजील में यातायात दुर्घटनाओं में 10 हजार से अधिक लोग मारे गए हैं।

अल्बानिया ने टिकटॉक को एक साल के लिए बंद करने का फैसला किया

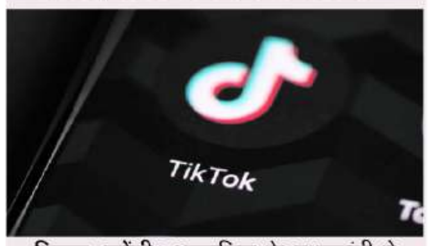

तिराना, एजेंसी। अल्बानिया के प्रधानमंत्री ने वीडियो सेवा 'टिकटॉक' पर खासकर बच्चों में हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए उसे एक साल के लिए बंद किए जाने की शनिवार को घोषणा की। अल्बानियाई अधिकारियों ने नवंबर के मध्य में टिकटॉक पर शुरू हुए झगड़े के बाद एक किशोर की दूसरे किशोर द्वारा चाकू घोंपकर हत्या किए जाने की घटना के बाद शिक्षकों और अभिभावकों के साथ 1,300 बैठक कीं। प्रधानमंत्री एडी रामा ने शिक्षकों और अभिभावकों के साथ एक बैठक में कहा कि टिकटॉक ''सभी के लिए पूरी तरह से बंद किया जाएगा... अल्बानिया गणराज्य में टिकटॉक उपलब्ध नहीं होगा। रामा ने कहा कि यह फैसला अगले साल से लागू होगा। वहीं टिकटॉक ने चाकू घोंपने वाले किशोर के मामले पर ''अल्बानिया सरकार से तत्काल स्पष्ट जानकारी'' मुहैया कराने को कहा है। कंपनी ने कहा कि उसे ''इस बात का कोई सबूत नहीं मिला है कि अपराधी या पीड़ित का 'टिकटॉक अकाउंट' था और कई रिपोर्ट ने वास्तव में पुष्टि की है कि इस घटना से जुड़े वीडियो टिकटॉक पर नहीं बल्कि किसी अन्य मंच पर साझा किए गए थे।'' स्थानीय शोधकर्ताओं के अनुसार देश में टिकटॉक इस्तेमाल करने वालों में बच्चों की संख्या सबसे अधिक है।

ब्राजील में भीषण सड़क हादसा, बस में आग लगने से 38 लोगों की मौत

ब्राजील, एजेंसी। ब्राजील में शनिवार को बस में आग लगने से एक भीषण हादसा हुआ। इस हादसे में बस सवार 38 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में 13 लोग घायल बताए जा रहे हैं। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण-पूर्वी ब्राजील के राज्य मिनास गेरैस में सड़क दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 38 हो गई है, जबकि 13 अन्य घायल हैं। हादसे में घायल लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह हादसा शनिवार को सुबह टेओफिलो ओटोनी नगरपालिका में हुआ, जब ट्रक से ग्रेनाइट का एक बड़ा ब्लॉक सड़क पर गिर गया, जिससे बस विपरीत दिशा में जा रहे ट्रक से टकरा गई। वाहनों के टकराने के बाद बस में आग लग गई। संघीय राजमार्ग पुलिस के अनुसार, बस के पीछे जा रही कार ने उसमें टक्कर मार दी। पुलिस ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया कि अधिकांश मौत टक्कर के बाद बस में लगी आग के कारण हुई। टेओफिलो ओटोनी के अधिकारियों के अनुसार, कार सवार तीन लोगों सहित 13 घायल हो गए, जिनकी हालत गंभीर है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इस हादसे की वजह बस का टायर फटना है।

वानुअतु द्वीप पर आया 6.1 तीव्रता का भूकंप

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के वानुअतु द्वीप पर रविवार तड़के 6.1 तीव्रता का भूकंप आया। इससे इमारतें हिल गईं। हालांकि भूकंप के चलते कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई। इससे कुछ दिन पहले आए 7.3 तीव्रता वाले भूकंप में 12 लोगों की मौत हो गई थी। रविवार को आया भूकंप में 40 किमी की गहराई पर था।

कांगो में बुसिरा नदी में नौका पलटने से 38 लोगों की मौत, 100 से अधिक लापता

किंशासा, एजेंसी। अक्टूबर में देश के पूर्वी भाग में क्षमता से अधिक यात्रियों को ले जा रही एक नाव के डूब जाने से कम से कम 78 लोग मारे गए थे और जून में किंशासा के निकट हुई ऐसी ही दुर्घटना में 80 लोगों की जान चली गयी थी। कांगो में क्रिसमस मनाने के लिए घर लौट रहे लोगों से भरी एक नौका के शुक्रवार देर रात बुसिरा नदी में पलट जाने से 38 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग लापता हैं। स्थानीय अधिकारियों एवं प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी। नौका पलटने की यह घटना ऐसे समय में हुई है जब करीब चार दिन पहले ही देश के उत्तर-पूर्व में एक अन्य नाव के डूबने से 25 लोग मारे गए थे। नौका पलटने की हालिया घटना में अब तक 20 लोगों को बचाए जाने की पुष्टि हुई है। दुर्घटनास्थल के पास स्थित इंगेंडे शहर के मेयर जोसफ जोसफ कांगोलिंगोली ने बताया कि नौका कांगो के उत्तर-पूर्व में जलक्षेत्र में थी और इसमें अधिकतर वे व्यापारी सवार थे जो क्रिसमस मनाने के लिए घर लौट रहे थे। इंगेंडे के निवासी एनडोलो कैडी ने बताया कि नौका में ''400 से अधिक लोग सवार थे और यह नौका बोएंडे के रास्ते में पड़ने वाले दो बंदरगाहों इंगेंडे और लूलो से होकर गुजरी थी, इसलिए ऐसा लगता है कि मृतक संख्या अधिक होगी।

ट्रंप के करीबी और टीवी शो निर्माता मार्क बर्नेट बने ब्रिटेन में अमेरिकी राजदूत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी टीवी जगत में बड़ा नाम मार्क बर्नेट को यूके में विशेष दूत बनाया है। बर्नेट ने ट्रंप के रियलिटी शो द अप्रेन्टिस को बनाया था। बर्नेट ट्रंप के सबसे करीबी सहयोगी माने जाते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ सोशल पर लिखा कि टेलीविजन प्रोडक्शन और व्यापार में खुद को बेहतर रूप से स्थापित करने वाले मार्क बर्नेट यूके में विशेष राजदूत के तौर पर कूटनीतिक कौशल दिखाएंगे। वे राजदूत से हटकर अलग भूमिका में काम करेंगे। साथ ही उनकी नियुक्ति के लिए अमेरिकी सीनेट की मंजूरी की जरूरत नहीं होगी। ट्रंप ने कहा कि मार्क व्यापार, निवेश और सांस्कृतिक क्षेत्र में आदान-प्रदान के साथ राजनयिक संबंधों को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। इसे पहले ट्रंप ने बैंकर वॉरेन स्टीफंस को ब्रिटेन में अमेरिकी राजदूत बनाया था।

कौन हैं बर्नेट : मार्क बर्नेट अमेरिकी टीवी जगत में बड़ा नाम हैं। लंदन में जन्मे बर्नेट ने सर्वाइवर नामक रियिलटी शो बनाया था। इसके साथ ही उन्होंने शार्क टैंक और द वायस जैसे शो भी बनाए। बर्नेट 2018 से 2022 तक एमजीएम वर्ल्ड वाइड टीवी ग्रुप के अध्यक्ष भी रहे। 2004 में बर्नेट द्वारा शुरू किया गया कार्यक्रम द अप्रेन्टिस काफी लोकप्रिय हुआ। इसी शो के जरिये ही डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर पहली बार सामने आए थे। बर्नेट के शो ने ट्रंप को नई पहचान दी। साथ ही उनके बारे में कायम धारणाओं को बदला।

लगातार हो रहीं नियुक्तियां : इससे पहले ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच के जरिये किंबर्ली गिलफॉयल को ग्रीस के लिए अमेरिका का राजदूत नामित किया। गिलफॉयल लंबे समय से ट्रंप की समर्थक रही हैं और उनके बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर से उनकी सगाई हुई थी। वहीं ट्रंप ने अपने करीबी और अरबपति उद्योगपति डेविड सैक्स को व्हाइट हाउस का एआई और क्रिप्टो जार नियुक्त किया है। डेविड सैक्स कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्रिप्टो करेंसी पर ट्रंप सरकार को सलाह देंगे। इसके अलावा स्पेसएक्स के मालिक व अरबपति कारोबारी एलन मस्क के करीबी जेरेड इसाकमैन को नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) प्रमुख चुना गया था। वहीं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल के सीईओ डेविन न्युनेस को राष्ट्रपति का खुफिया सलाहकार बोर्ड का प्रमुख नियुक्त किया गया।

दुनिया का सबसे मजबूत पत्ता जल लिली, इस पर बैठकर आसानी से पार कर सकते हैं नदी : वॉशिंगटन, एजेंसी। प्रकृति ने ऐसे कई रहस्य अपने पास समेट कर रखे हैं, जिसकी कल्पना आज भी हम इंसान नहीं कर सकते हैं. आज हम आपको एक पत्ते के बारे में बता रहें हैं जो 80 किलो का वजन आसानी से उठा सकता है. इसे पत्ते को दुनिया का सबसे बड़ा और अद्भुत पत्ता माना जाता है, इसी वजह से वैज्ञानिकों ने इसे गार्डन के अजूबा श्रेणी में रखा है. गोल आकार के इस पत्ते का व्यास 3 मीटर तक होता है और इसके पत्ते किनारे ऊपर की तरफ मुड़े होते हैं. इतना ही नहीं पत्ते के निचले भाग और डंठल पर नुकीले कांटे होते हैं. यह पत्ता मजबूत होता है कि इस पत्ते पर एक बड़ा आदमी आसानी से आराम से बैठ सकता है. इसके पत्ते 80 किलो तक का वजन सहन कर सकते हैं, हालांकि इसके लिए दोनों तरफ से बराबर सपोर्ट की जरूरत होती है. इसे विक्टोरिया अमेजोनिका जिसे जल लिली के नाम से जाना जाता है।

पोप फ्रांसिस ने गाजा में बमबारी को बताया क्रूरता, इस्राइल ने दोहरा मापदंड अपनाने का लगाया आरोप

गाजा, एजेंसी। पोप फ्रांसिस ने इस्राइल की ओर से गाजा में लगातार की जा रही बमबारी को क्रूरता करार दिया। वहीं इस्राइल ने इसका जवाब दिया है। इस्राइल ने पोप फ्रांसिस पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। पोप फ्रांसिस ने क्रिसमस संबोधन के दौरान कहा कि येरूशलम के कैथोलिक बिशप ने शुक्रवार को गाजा पट्टी में कैथोलिकों से मिलने के लिए प्रवेश करने की कोशिश की थी, लेकिन उन्हें प्रवेश नहीं दिया गया। कल बच्चों पर बमबारी की गई। यह क्रूरता है। यह युद्ध नहीं है।

इसके जवाब में इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि पोप की टिप्पणियां निराशाजनक हैं, क्योंकि वह जिहादी आतंकवाद के खिलाफ इस्राइल की लड़ाई के सच्चे संदर्भ से अलग हैं। क्योंकि यह युद्ध इस्राइल पर थोपा गया है। इस्राइल की ओर से कहा गया कि दोहरे मापदंडों और यहूदी राज्य, उसके लोगों को अलग-थलग करने के बारे में कई बार बात की जा चुकी है। इस्राइल ने कहा कि क्रूरता वह है जब आतंकी बच्चों के पीछे छिपकर इस्राइल के बच्चों की हत्या करते हैं। क्रूरता वह है जब आतंकी एक शिशु और बच्चे सहित 100 लोगों को 442 दिन से बंधक बनाए हुए हैं। इनसे दुर्व्यवहार किया जा रहा है। मगर पोप ने इस सब को नजरअंदाज कर दिया है। इस्राइल का यह भी कहना है कि वह लोगों को बेवजह मारना नहीं चाहता है। मगर हमास गाजा के लोगों को ढाल बनाकर हमले कर रहा है। इसलिए इस्राइल को लगातार जवाब देना पड़ रहा है।

यह है मामला : हमास ने बीते साल सात अक्तूबर को इस्राइल पर बड़ा आतंकी हमला किया था, जिसमें 1200 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और 250 लोगों को बंधक बना लिया गया था। अभी भी 100 लोग हमास की कैद में हैं। इस हमले के जवाब में इस्राइल ने गाजा पर हवाई और जमीनी हमला किया, जिसमें 45 हजार से ज्यादा लोग मारे गए।

ताइवान पर हमले की तैयारी कर रहा चीन? रिपोर्ट में खुलासा- परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है ड्रैगन

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा विभाग की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन, ताइवान पर हमले की तैयारी कर रहा है। इस साल चीन ने सैन्य तौर पर ताइवान पर काफी दबाव बनाया और कई बार ताइवान की सीमा का उल्लंघन किया। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अब चीन एक कदम आगे बढ़कर ताइवान पर हमले की तैयारी कर रहा है। इतना ही नहीं अमेरिका की एक रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि ताइवान को लेकर परमाणु युद्ध हो सकता है।

अपनी रॉकेट फोर्स को मजबूत कर रही पीएलए : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका के रक्षा विभाग ने हाल ही में मिलिट्री एंड सिक्योरिटी डेवलपमेंट इन्वोल्विंग द पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना नामक रिपोर्ट प्रकाशित की है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन की सेना ताइवान को हवाई और समुद्री रास्ते से ब्लॉक करने की रणनीति पर काम कर रही है और युद्ध की स्थिति में चीन की सेना द्वारा ताइवान पर मिसाइल और एयरस्ट्राइक की जा सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएलए (चीनी सेना) अपनी रॉकेट फोर्स को मजबूत कर रही है, साथ ही ताइवान स्ट्रेट के आसपास चीन ने नई मिसाइल बटालियन तैनात की हैं।

युद्ध में परमाणु हथियारों का हो सकता है इस्तेमाल : अमेरिका के ही सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ने एक अन्य रिपोर्ट प्रकाशित की है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ताइवान युद्ध में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल हो सकता है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि अमेरिका अगर अपने परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ाने और उसे आधुनिक करने का फैसला करता है तो भी चीन, ताइवान पर परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने से पीछे नहीं हटेगा। अमेरिका में नीति निर्माताओं का एक वर्ग मानता है कि चीन को ताइवान पर हमला करने से रोकने और चीन पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका को अपने परमाणु हथियारों को आधुनिक करना चाहिए, लेकिन अब नई रिपोर्ट में कहा गया है कि इसका चीन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

जर्मनी में कार हमले में 7 भारतीय भी घायल, विदेश मंत्रालय ने हमले की निंदा की

बर्लिन, एजेंसी। भारत ने जर्मनी के मैगडेबर्ग शहर में शुक्रवार को क्रिसमस मार्केट पर कार हमले की कड़ी निंदा की है, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और 200 से अधिक लोग घायल हो गए। हमले में 7 भारतीय भी घायल हुए हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने घटना पर बयान जारी करते हुए दुख जताया। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा- हम जर्मनी के मैगडेबर्ग में क्रिसमस मार्केट पर हुए इस भयानक हमले की कड़ी निंदा करते हैं। इस हमले में कई अनमोल जीवन नष्ट हो गए हैं, और कई लोग घायल हुए हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। मंत्रालय ने बताया कि भारतीय मिशन घायल हुए भारतीय नागरिकों और उनके परिवारों के साथ संपर्क में है। उन्हें हर संभव मदद मुहैया कराई जा रही है। घायल हुए 7 भारतीय नागरिकों में से 3 को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है।

सऊदी का आरोपी हमलावार गिरफ्तार : क्रिसमस मार्केट में हमले के आरोप में सऊदी अरब के एक डॉक्टर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी हमलावार 2006 से जर्मनी के पूर्वी राज्य सैक्सोनी-अनहाल्ट में रह रहा है। सैक्सोनी-अनहाल्ट ने आरोपी की गिरफ्तारी के बाद बताया कि, हमलावार ने घटना को अकेले ही अंजाम दिया है। हमले के पीछे उसका मकसद पता नहीं चल सका।

हमले पर दुनिया की प्रतिक्रिया : इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने घटना को निर्दोषों पर क्रूर हमला बताते हुए कड़ी निंदा की। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री इसे भयावह बताते हुए जर्मनी को सर्मथन देने का वादा किया। वहीं टेस्ला के मालिक इलॉन मस्क ने नाराजगी जताते हुए जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज से इस्तीफे की मांग कर दी। मैगडेबर्ग में हर साल क्रिसमस मार्केट लगता है मैगडेबर्ग, जर्मनी के सैक्सनी-आन्हाल्ट राज्य की राजधानी है। यह शहर एल्बे नदी के किनारे स्थित है और इसकी आबादी लगभग 2.40 लाख है। यह शहर बर्लिन से लगभग डेढ़ घंटे की ड्राइव की दूरी पर स्थित है। मैगडेबर्ग में साल में एक बार क्रिसमस मार्केट लगता है और बड़ी संख्या में भीड़ होती है। हमलावर को 2016 में मिला था शरणार्थी का दर्जा द गार्जियन के मुताबिक, हमलावर का नाम तालेब है। वह एक मनोचिकित्सक है। तालेब 2006 से जर्मनी में रह रहा था, उसे 2016 में शरणार्थी का दर्जा दिया गया। वह मैगडेबर्ग शहर से करीब 40 किलोमीटर दूर बर्नबर्ग में मेडिकल प्रैक्टिस कर रहा था। उसने हमला करने से पहले एक बीएमडब्ल्यू कार किराए पर ली थी। फिलहाल हमलावर का कट्टरपंथियों से किसी तरह का संबंध नहीं मिला है। 2016 में ऐसी घटना में गई थी 13 लोगों की जान यह घटना 19 दिसंबर 2016 को बर्लिन में हुई एक बड़ी आतंकी घटना की याद दिलाती है, जब एक इस्लामिक चरमपंथी ने ट्रक से क्रिसमस बाजार में भीड़ पर हमला किया था।

आर. एन .आई रजि0 न0 JHAHIN/2006/24924 स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक–मुद्रक कमलेश तुलस्यान एस बी राय रोड देवघर द्वारा प्रकाशित तथा आदित्य पब्लिकेशन हाउस, बंधा बाय–पास रोड,बंधा, देवघर (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक–कमलेश तुलस्यान (मो0 9431132132)। कार्यकारी संपादक– श्याम कुमार श्रृंगारी' (इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)। फोन नं. 7004539007 फैक्स नं. (06432) 275355, डाक पंजीयन संख्या : SP-13/09 Email : shwetpatra10@gmail.com

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर लोकप्रियता में भी 'किंग' हैं कोहली, प्रशंसकों को बड़ी पारी का इंतजार

मेलबर्न, एजेंसी। दो साल पहले जब उन्होंने टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 53 गेंद में नाबाद 82 रन बनाकर भारत को असंभव सी जीत दिलाई तो मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर जमा 90000 से अधिक दर्शकों की जुबां पर एक ही नाम था ..विराट कोहली। क्रिकेट की किवदंतियों में शुमार इस पारी से उन्होंने अपने आलोचकों को भी करारा जवाब दिया। दो साल बाद प्रारूप अलग है लेकिन हालात वही।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच में पर्थ में शतक जमाने के बाद बाकी 5 पारियों में कोहली 26 रन ही बना सके हैं। लेकिन उनके प्रशंसकों को यकीन है कि अपने पसंदीदा मैदान एमसीजी पर उनका बल्ला जमकर चलेगा। यहां उनकी लोकप्रियता का आलम यह है कि टूर गाइड से लेकर सुरक्षाकर्मियों तक सभी की जुबां पर उन्हीं का नाम है। एमसीजी पर ऑस्ट्रेलियाई खेल संग्रहालय के टिकट काउंटर पर पहुंचते ही कोहली की तस्वीरों से ही सामना होता है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर 2018-19 में पहली बार श्रृंखला जीतने के बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को चूमते हुए और एमसीजी पर तीसरे टेस्ट में टीम के साथ जश्न मनाते हुए कोहली की तस्वीरें यहां लगी हैं। इसके साथ ही लिखा है, 'कोहलीस कांकरर्स (कोहली की विजेता टीम) .. ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला जीतने का भारत का इंतजार 2018-19 में खत्म हुआ। एमसीजी टूर कराने वाले गाइड डेविड एक घंटे के टूर में बार-बार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी और बॉक्सिंग डे टेस्ट का जिक्र करते हुए इसे 'ब्लॉकबस्टर मैच बताते हैं और कोहली का जिक्र उनकी बातों में बार बार आता है हालांकि उनके अपने पसंदीदा भारतीय क्रिकेटर शानदार फॉर्म में चल रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं।

डेविड ने कहा, 'यह ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ा टेस्ट है और भारत ऑस्ट्रेलिया मुकाबले से ज्यादा रोमांचक क्या हो सकता है। मुझे इसका बेताबी से इंतजार है। पर्थ में पहले टेस्ट में विराट ने शानदार पारी खेली जिसकी उसे और भारतीय टीम को बहुत जरूरत थी। वह यहां काफी लोकप्रिय हैं लेकिन हम उम्मीद करते हैं कि उनका बल्ला

यहां नहीं चले।

उन्होंने आगे कहा, 'जसप्रीत बुमराह मेरा फेवरिट है जिसने 2018 में एमसीजी पर ही 33 रन देकर छह विकेट लिए और भारत ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भी जीती थी। इस श्रृंखला में भी पर्थ में शानदार गेंदबाजी के साथ बेहतरीन कप्तानी भी की। उनके फॉर्म को देखते हुए वह भारत के लिए ट्रंपकार्ड होंगे लेकिन मैं उम्मीद करता हूं कि वह एक बार यहां फिर पारी के पांच विकेट नहीं लें। कोहली ने पहला बॉक्सिंग डे टेस्ट अपने पदार्पण वर्ष 2011 में खेलकर सातवें नंबर पर उतरकर पहली पारी में 11 रन बनाए थे और दो कैच भी लपके थे। दूसरी पारी में वह खाता नहीं खोल सके। फिर 2014 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में यहां चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 169 रन बनाए और अजिंक्य रहाणे के साथ 262 रन की साझेदारी की। दूसरी पारी में भी 54 रन बनाकर उन्होंने मैच ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई। पिछली बार 2018 में कप्तान कोहली ने पहली पारी में इस मैदान पर 82 रन बनाये लेकिन दूसरी पारी में खाता नहीं खोल सके लेकिन मिचेल मार्श और आरोन फिंच के कैप लपके। बुमराह ने 9 विकेट लेकर भारत की 137 रन से जीत की नींव रखी और बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में 2-1 की बढ़त बनाई। कोहली दुनिया के दूसरे सबसे बड़े मैदान पर अब तक तीन टेस्ट में 52.66 की औसत से 316 रन बना चुके हैं जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। भारत के लिए एमसीजी पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सचिन तेंदुलकर (10 मैचों में 449) से वह 133 रन और रहाणे (6 मैचों में 369 रन) से 53 रन पीछे हैं।

पर्थ में रहने वाली गुजरात की सलोनी खास तौर पर मेलबर्न टेस्ट देखने क्रिसमस की छुट्टियों में यहां आई हैं। उन्होंने कहा, 'पहली बार मैने पर्थ में स्टेडियम में टेस्ट देखा और बहुत खुशी है कि विराट ने उस मैच में शतक जमाया। बाकी मैचों को लेकर काफी रोमांचित हूं। मेलबर्न में बहुत अच्छा मैच होने वाला है। मुझे विराट की आक्रामकता बहुत पसंद है। मैदान पर उन्हें देखने में मजा आता है। वह कैच भी बहुत अच्छे लपकते हैं और उनकी फिटनेस का जवाब नहीं है। वहीं क्रायोन मैथ्यूज का मानना है कि उनकी टीम को कोहली से सतर्क रहना होगा। उन्होंने कहा, 'मैं मेलबर्न टेस्ट के लिए बहुत रोमांचित हूं। मुझे लगता है कि कोहली पर्थ में एक शतक जमा चुके हैं और मेलबर्न में फिर बड़ी पारी खेल सकते हैं।ऑस्ट्रेलिया को उनसे सावधान रहना होगा।

वह शानदार क्रिकेटर हैं जो इतने साल से भारत के लिए जबर्दस्त खेल रहे हैं। वह भारत के ही नहीं बल्कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में से एक हैं। कोहली के साथ ही भारतीय टीम के लिए भी एमसीजी टेस्ट में 'भाग्यशाली मैदान रहा है। इसी मैदान पर 1978 में भारत ने 30 दिसंबर 1977 से चार जनवरी 1978 के बीच खेले गए तीसरे टेस्ट में पहली बार ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर 222 रन से जीत दर्ज की थी और भागवत चंद्रशेखर ने उस मैच में 12 विकेट लिए थे। श्रृंखला जीतने के लिए भारत को 71 साल इंतजार करना पड़ा और कोहली की कप्तानी में 2018-19 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया में पहली बार टेस्ट श्रृंखला जीती थी।

विजय हजारे ट्रॉफी में वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास

ध्वस्त किया 25 साल पुराना रिकॉर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार (21 दिसंबर) को मध्य प्रदेश के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी के अपने पहले मैच में बिहार के लिए खेलते हुए इतिहास रच दिया. उन्होंने एक बार फिर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करवा लिया. घरेलू क्रिकेट में डेब्यू करने के बाद से ही वैभव लगातार रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं. अब उनके नाम भारतीय क्रिकेट में एक और रिकॉर्ड दर्ज हो गया है वैभव सूर्यवंशी लिस्ट ए क्रिकेट में हिस्सा लेने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं. अली अकबर का रिकॉर्ड वैभव ने तोड़ दियाहै. वह 13 साल और 269 दिन के हैं. 1999-2000 के सीजन में अकबर ने 14 साल और 51 दिन की उम्र में लिस्ट ए में डेब्यू किया था. वैभव अंडर-19 स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे युवा क्रिकेटर हैं. रणजी ट्रॉफी और लिस्ट ए क्रिकेट में खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय हैं. वैभव सूर्यवंशी अपने पहले लिस्ट ए मैच को यादगार नहीं बना सके. बाएं हाथ का बल्लेबाज सिर्फ चार रन बनाकर आउट हो गया. पहली गेंद पर वैभव ने चौका लगाकर अपना खाता खोला. अगली ही गेंद पर वह कैच आउट हो गए. 46.4 ओवर में बिहार सिर्फ 196 रन ही बना सका.

रोहित शर्मा को लगी चोट, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट से हो सकते हैं बाहर

नईदिल्ली, एजेंसी। मेलबर्न में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट से कुछ दिन पहले टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा को नेट सेशन के दौरान घुटने में चोट लग गई। उन्होंने दर्द के बावजूद खेलना जारी रखने की कोशिश की, लेकिन आखिरकार उन्हें डॉक्टर के पास जाना पड़ा। रोहित को एक कुर्सी पर बैठे देखा गया, उन्होंने अपना गियर उतार दिया और बाएं घुटने पर पट्टी बांध दी। हालांकि चोट शुरू में गंभीर नहीं दिखी, लेकिन एमसीजी मुकाबले से पहले फिजियो उनकी स्थिति पर बारीकी से नजर रखेंगे। भारतीय टीम के सभी सदस्य नेट सेशन में हिस्सा लेते हैं, जिसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पूरी ताकत से गेंदबाजी करते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, मोहम्मद सिराज और आकाश दीप जैसे खिलाड़ियों ने भी नेट सेशन में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। विराट कोहली ने रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर जैसे स्पिनरों के साथ-साथ साइड-आर्मर्स का सामना किया। भारतीय टीम को सोमवार को आराम का दिन मिलेगा, लेकिन मेलबर्न मुकाबले के करीब आने पर वह इसके बाद अभ्यास शुरू कर देगी।

रोहित भी अपनी शीर्ष फॉर्म हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, खासकर नंबर 6 पर बल्लेबाजी करते हुए। कई लोगों का मानना है कि कप्तान आने वाले महीनों में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले सकते हैं, खासकर तब जब टीम के प्रमुख स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने ब्रिसबेन टेस्ट के बाद क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। रोहित की फॉर्म को लेकर हो रही चर्चाओं के बीच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने भारतीय कप्तान का समर्थन किया है।

इंडिया-बांग्लादेशः वूमेंस एशिया कप फाईनलः2024

भारतीय टीम ने जीता एशिया कप का खिताब, फाइनल में बांग्लादेश चारों खाने चित

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-19 वूमेन्स एशिया कप 2024 का खिताब जीत लिया है. रविवार (22 दिसंबर) को कुआलालम्पुर के बयूमास ओवल में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने बांग्लादेश को 41 रनों से हराया. फाइनल मुकाबले में बांग्लादेशी टीम को जीत के लिए 118 रनों का टारगेट मिला था, जिसका वह सफलतापूर्वक पीछा नहीं कर पाई. बांग्लादेश की टीम 76 रन पर ही ढेर हो गई. पहली बार यह टूर्नामेंट आयोजित हुआ है. ऐसे में भारतीय टीम ने खिताब जीतकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की.

मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 7 विकेट पर 117 रन बनाए. भारत की ओर से ओपनर गोंगाडी त्रिशा ने 47 गेंदों पर सबसे ज्यादा 52 रन बनाए. वहीं मिथिला विनोद (17 रन), कप्तान निकी प्रसाद (12 रन) और आयुषी शुक्ला (10 रन) भी दोहरे अंकों तक पहुंचने में कामयाब रहीं. बांग्लादेश की तरफ से फरजाना इस्मिन ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए. वहीं निशिता अक्तेर निशि को दो और हबीबा इस्लाम को एक सफलता हाथ लगी.

जवाब में बांग्लादेश की टीम 18.3 ओवरों में महज 76 रनों पर पैक हो गई. विकेटकीपर जुएरिया फिरदौस ने 30 गेंदों पर सबसे ज्यादा 22 रन बनाए, जिसमें तीन चौके शामिल रहे. वहीं ओपनर फहोमिदा चोया ने 18 रन बनाए. इन दोनों के अलावा बाकी की बांग्लादेशी बल्लेबाज दोहरे अंकों तक नहीं पहुंच सकीं. भारतीय टीम की ओर से बाएं हाथ की स्पिनर आयुषी शुक्ला ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए. स्पिन गेंदबाजों सोनम यादव और परुणिका सिसोदिया को भी दो-दो सफलता हासिल हुई. वीजे जोशिथा को भी एक विकेट हासिल हुआ.

शूटिंग

भारत करेगा जूनियर निशानेबाजी विश्व कप की मेजबानी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को अगले साल के जूनियर विश्वकप की मेजबानी का अधिकार दिया गया है जिसमें राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगिताएं शामिल हैं। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। भोपाल में 2023 में सीनियर विश्व कप और इस साल की शुरुआत में सत्र के अंत में हुए विश्वकप फाइनल के बाद यह हाल के दिनों में देश का तीसरा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) का टूर्नामेंट होगा जिससे दुनिया में खेल के शीर्ष स्थलों में से एक के रूप में भारत की प्रतिष्ठा मजबूत होगी।हालांकि टूर्नामेंट की तारीखों को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। राष्ट्रीय महासंघ के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, पिछले महीने रोम में आईएसएसएफ की कार्यकारी समिति की एक सार्थक बैठक हुई थी और सभी सदस्य महासंघों के अलावा आईएसएसएफ अध्यक्ष लुसियानो रॉसी ने भारत की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने और खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने में मदद करने के तरीके की प्रशंसा की थी।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में क्यों चल रहा है ट्रेविस हेड का बल्ला, रवि शास्त्री ने खोल दिया सफलता का राज

मेलबर्न, एजेंसी। पूर्व भारतीय हेड कोच रवि शास्त्री का मानना है कि 'शॉर्ट बॉल' को जल्दी परखने की क्षमता ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड को बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में शानदार सफलता दिलाई है। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि मेहमान टीम इस 'सिरदर्द' के लिए दवा ढूंढना चाहेगी। सीरीज की अपनी पहली पारी में 11 रन पर आउट होने के बाद हेड ने अपने अगले तीन मैचों में 89, 140 और 152 रन बनाए हैं। उन्होंने गुलाबी गेंद के टेस्ट में अहम भूमिका निभाई थी जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीत हासिल की थी।आईसीसी रिव्यू वीडियो में रवि शास्त्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह (हेड) बहुत स्मार्ट है। मैंने उन्हें तीन साल पहले देखा था लेकिन अब लगता है कि उनमें काफी सुधार हुआ है। विशेष रूप से वह जिस तरह 'शॉर्ट बॉल' को खेलते हैं। वह इसे छोड़ने के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कई बार इसे अच्छी तरह छोड़ना भी सीख लिया है।'

पृथ्वी शॉ को अब करना होगा अर्जुन तेंदुलकर जैसा फैसला, तभी चमकेगा करियर

नईदिल्ली, एजेंसी। पृथ्वी शॉ घरेलू क्रिकेट में मुंबई की टीम के लिए खेलते हैं. मुंबई ने उन्हें वनडे टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी से पहले 3 राउंड के लिए बाहर कर दिया है. हालांकि, इस फॉर्मेट में पृथ्वी का प्रदर्शन अच्छा रहा है लेकिन एसोसिएशन ने उनके फिटनेस और अनुशासन का हवाला दिया है. इसके बाद से एसोसिएशन और भारतीय क्रिकेटर बीच जुबानी जंग चल रही और ये मुद्दा गरमा गया है. हालांकि, ये पहली बार नहीं जब पृथ्वी शॉ को इस परिस्थिति का सामना करना पड़ा है. इससे पहले मुंबई ने उन्हें रणजी ट्रॉफी में भी ड्रॉप किया था. बार-बार ड्रॉप होने पृथ्वी शॉ का करियर खतरे में पड़ गया है, अगर उन्हें इसे बचाना है तो अर्जुन तेंदुलकर जैसा कदम उठाना होगा.

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन घरेलू क्रिकेट में मुंबई की टीम से ही कदम रखा था. उन्होंने 2021 में टी20 फॉर्मेट से डेब्यू किया था लेकिन खेलने के ज्यादा मौके नहीं मिलते थे. इसके बाद अगले ही साल अर्जुन ने अपना फैसला बदला और गोवा से लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू. अब वो अक्सर इस टीम से खेलते हुए नजर आते हैं. रणजी के बाद

अर्जुन विजय हजारे ट्रॉफी का भी हिस्सा हैं. उनसे पहले भी कई खिलाड़ी कमजोर टीमों से खेलने के बाद सफलता हासिल कर चुके हैं. उमेश यादव इसके बड़े उदाहरण हैं. वो टीम इंडिया के लिए टेस्ट मैच खेलने वाले विदर्भ की टीम के पहले खिलाड़ी बने थे. अगर पृथ्वी शॉ भी किसी छोटी या कमजोर टीम का रुख करते हैं तो उन्हें इसका फायदा मिल सकता है.

छोटी टीमों से कैसे बचेगा पृथ्वी का करियर?

पृथ्वी शॉ फिलहाल अपने टैलेंट का प्रदर्शन करने के लिए लगातार मौके की तलाश में हैं. इसी वजह से उनके और मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के बीच इसी को लेकर लड़ाई भी जारी है. घरेलू क्रिकेट में मुंबई की टीम सबसे मजबूतों टीमों में से एक मानी जाती है. इसमें कई स्टार क्रिकेटर खेल रहे हैं. इसलिए खराब फॉर्म से जूझ रहे पृथ्वी शॉ के लिए मौका मिलना और भी मुश्किल हो जाता है. अगर वो गोवा जैसी किसी छोटी टीम का रुख करेंगे तो उन्हें ज्यादा से ज्यादा मैच खेलने को मिलेगा.

ओलिंपिक मेडलिस्ट हॉकी कैप्टन हरमनप्रीत को खेल रत्न मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को खेल रत्न अवॉर्ड से नवाजा जाएगा। उनकी कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलिंपिक 2024 में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। उनके अलावा एक पैरा एथलीट को भी खेल रत्न दिया जाएगा। पैरालिंपिक 2024 में शूटिंग में 4 मेडल जिताने वाले सुभाष राणा को द्रोणाचार्य अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। एक अन्य कोच को भी द्रोणाचार्य अवॉर्ड से नवाजा जाएगा ।नेशनल स्पोर्ट्स अवॉर्ड कमेटी की बैठक में यह फैसला किया गया है। नेशनल अवॉर्ड कमेटी की बैठक पिछले हफ्ते हुई थी। सूत्रों ने बताया कि 2024 में 30 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार दिया जाएगा, जिसमें 17 खिलाड़ी सामान्य और 13 पैरालिंपिक खिलाड़ी हैं।